सूर्योदय 5:59 सूर्यास्त 6:41

आज का तापमान

शिमला	15 न्यू	22 अधि
धर्मशाला	17 न्यू	25 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,568
निफ्टी	24,715
सोना 1,06,021	चांदी 1,23,220

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

बेंगलुरु भगदड़ आरसीबी के इतिहास का सबसे दुखद दिन : कोहली

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | वीरवार, 4 सितंबर 2025 | 20 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 247, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

कविता ने पार्टी और पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी, हैदराबाद। बीआरएस नेत्री के. कविता ने बुधवार को पार्टी और एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया। इससे एक दिन पहले ही उन्हें बीआरएस से निलंबित किया गया था। कविता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने भाई और पार्टी नेता केटी राम राव (केटीआर) को चेतावनी दी कि वह चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भरोसा न करें। उन्होंने कहा, इन्हीं दोनों की वजह से सीबीआई उनके पिता और पार्टी प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की जांच कर रही है। ऐसे नेता ही निजी फायदे के लिए परिवार को तोड़ रहे हैं।' (अनंत ज्ञान)

शरजील-खालिद की जमानत अर्जी नामंजूर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 दंगों की साजिश से जुड़े केस में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम समेत 9 की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। ये सभी आरोपी 2020 से जेल में हैं। इन्होंने ट्रायल कोर्ट से जमानत याचिका खारिज किए जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया है कि उन्होंने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को बड़े पैमाने पर लामबंद करने के लिए सांप्रदायिक आधार पर भड़काऊ भाषण दिए थे। कोर्ट की बेंच ने कहा कि शरजील-उमर पर लगे आरोपों के मद्देनजर पहली नजर में साजिश में उनकी भूमिका गंभीर है। (अनंत ज्ञान)

केरल ने बनाया वरिष्ठ नागरिक आयोग

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा और उपेक्षा व दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं से निपटने के लिए देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग गठित किया है। राज्य की उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु ने फेसबुक पोस्ट में बताया कि तिरुवनंतपुरम स्थित केरल राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग के अध्यक्ष के रूप में के. सोमारप्रसाद की नियुक्ति की गई है। आयोग के सदस्य के रूप में अमराविला रामकृष्णन, ई. एम. राधा, केएनके नमबूथिरी और लोप्स मैथ्यू को चुना गया है। मंत्री ने कहा कि आयोग बुजुर्गों को होने वाली बढ़ती परेशानियों- जैसे उपेक्षा, शोषण और अनाथत्व को दूर करने की दिशा में काम करेगा। (अनंत ज्ञान)

ज्योति मल्होत्रा की डिफॉल्ट बेल खारिज

एजेंसी, हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में जेल में बंद यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की डिफॉल्ट बेल आज हिसार कोर्ट ने खारिज कर दी है। पुलिस की 3 एप्लिकेशन में से 2 को स्वीकार कर लिया और एक को आंशिक तौर पर स्वीकार कर लिया। अब ज्योति मल्होत्रा को अधूरी चार्जशीट दी जाएगी और चालान के पार्ट को प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा। हालांकि रूटीन मीडिया ब्रीफिंग पर कोर्ट ने रोक नहीं लगाई है। ज्योति के वकील मुकेश ने बताया कि अदालत के फैसले का सम्मान है, लेकिन मैं इनसे संतुष्ट नहीं हूं। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- बारिश से जल शक्ति विभाग को 250 करोड़ की चपत -पेज 2
- शैक्षणिक संस्थानों को 50 करोड़ की क्षति: रोहित -पेज 4
- धर्मशाला में हर दिन हो रहे 80 से अधिक के चालान -पेज 5
- कुंहनी गांव में पहाड़ी दरकने से तबाही, संकट में 22 परिवार -पेज 9
- मनाली में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त -पेज 11

सुंदरनगर में भूस्खलन से सात मौतें

जंगमबाग में दो मकान क्षतिग्रस्त; जोगिंद्रनगर में भी भूस्खलन, खाली करवाए 10 मकान

उमेश भारद्वाज, अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। मंडी जिले के उपमंडल सुंदरनगर की ग्राम पंचायत चांबी के जंगमबाग गांव में मंगलवार रात को भारी वर्षा के कारण पहाड़ी से भूस्खलन हुआ। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एसडीएम सुंदरनगर अमर नेगी ने बताया कि सूचना मिलते ही जिला व उपमंडल प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य आरंभ कर दिया। इस कार्य में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गईं तथा आवश्यक मशीनरी का प्रयोग किया गया। उपायुक्त अपूर्व देवगन, पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी राहत एवं बचाव कार्य के दौरान मौजूद थे। भूस्खलन से दो मकान (एक पक्का और एक कच्चा) पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक पक्का मकान आंशिक रूप से प्रभावित हुआ।

वहीं, मंडी के ही जोगिंद्रनगर में भारी बारिश से कुंडनी गांव में 10 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं और अब रहने लायक नहीं बचे, इन्हें खाली करवा दिया गया है। वहीं, 6 से ज्यादा घरों पर लैंडस्लाइड का संकट मंडरा रहा है। पूरे गांव को खाली करवा दिया है। कुंडनी गांव के 24 परिवारों को बुधवार सुबह सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया।

जंगमबाग में जारी रेस्क्यू ऑपरेशन।

- कुल्लू में एक महिला की मौत, दो मलबे में दबे
- मणिमहेश यात्रा में फंसे 80 श्रद्धालु किए रेस्क्यू

उधर, चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पांचवें दिन बहाल हो गया है। वहीं, मणिमहेश यात्रा में फंसे 80 श्रद्धालुओं को हेलिकॉप्टर से पठानकोट भेजा गया है।

कुल्लू शहर में दो दिनों के भीतर तीन बड़े भूस्खलन हुए। इनमें एक महिला की मौत हुई, दो लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं और दो अन्य गंभीर स्थिति में हैं। बुधवार तक सात एनएच सहित कुल 1162 सड़कें बंद थीं। बिजली ट्रांसफार्मर और जल आपूर्ति योजनाएं भी ठप हैं।

स्कूल-कॉलेज 7 तक बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश में भारी बारिश और तबाही के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज और डाइट को फिलहाल बंद रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जाएंगी। बुधवार दोपहर शिक्षा विभाग की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। विद्यार्थियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज और डाइट 7 सितंबर तक बंद रहेंगे। शिक्षकों व प्रशासनिक कर्मचारियों को भी संस्थानों में आने से छूट दी गई है। संबंधित संस्थानों के प्रमुख यह सुनिश्चित करेंगे कि संभव हो तो कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएं।

- ऑनलाइन कक्षाएं लगाने के निर्देश

सीएम के राहत कार्य जारी रखने के निर्देश

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा करते हुए जिला प्रशासन को राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली, पेयजल और सड़क संपर्क जैसी आवश्यक सेवाओं को शीघ्र बहाल करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन, पुलिस बल, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय लोगों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का व्यक्तिगत दौरा कर वहां जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और कहा कि राहत एवं बचाव कार्य में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

मनाली-कुल्लू फोरलेन के टूटने पर गडकरी नाराज

बोले-डीपीआर बनाने वाले इंजीनियर कल्प्रिट

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने हिमाचल प्रदेश में बने मनाली-कुल्लू फोरलेन के बहाने इंजीनियरों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एक दिन पहले दिल्ली में एक कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि 3500 करोड़ रुपए से बना फोरलेन बारिया में पूरी तरह उखड़ गया।

गडकरी ने इसके लिए इंजीनियरों को कल्प्रिट (दोषी) शब्द इस्तेमाल करते हुए कहा, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने वाले अधिकारी इसके जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, बहुत सारे अधिकारी तो रिटायर होने के बाद अपनी कंपनी बना लेते हैं। ये लोग गूगल घर बैठकर डीपीआर बनाते हैं। फील्ड में कोई डिटेल स्टडी नहीं करते। उन्होंने कहा कि हर साल बारिश में रोड टूट रहा है। इधर पहाड़, उधर भी पहाड़, बीच में नदी और साथ में नदी किनारे लोग बसे हैं। हर साल बारिश में लैंडस्लाइड हो रहा है। हर साल लोग मर रहे हैं। अब इसका सॉल्यूशन नहीं मिल रहा।

बता दें कि हिमाचल प्रदेश में जब से चंडीगढ़-मनाली फोरलेन बना है, उसके बाद से हर साल ज्यादा तबाही हो रही है। फोरलेन पूरा तैयार होने से पहले ही ब्यास में समा जाता है। (अनंत ज्ञान)

अधिकारी भी अंधे

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि बहुत सारे डीपीआर बिना डिटेल स्टडी के होते हैं और हमारे सरकारी अधिकारी भी अंधे जैसे होते हैं। ऐसी डीपीआर पर तुरंत टेंडर निकालने का काम करते हैं। उन्होंने कहा, कई मिनिस्टर तो बेचारे समझने वाले नहीं होते। मंत्री ने कहा कि बड़ी बड़ी कंपनियों के कहने पर टेंडर में टेक्निकल और फाइनेंशियल क्वालिफिकेशन डाली जाती है। उन्होंने कार्यक्रम में बैठे इंजीनियरों से आग्रह किया कि डीपीआर अच्छी होनी चाहिए।

हिमाचल में पर्यटन निवेश को देंगे गति : सीएम सुक्खू

सत्यदेव भारद्वाज अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को पर्यटन क्षेत्र में 50 करोड़ रुपए से अधिक निवेश वाली परियोजनाओं को सुगम बनाने के लिए हाल ही में गठित पर्यटन निवेश संवर्धन परिषद की पहली बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी प्रस्तावों पर 30 दिनों के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने पर्यटन में निवेश को प्रोत्साहित करने और अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार है और यह हजारों परिवारों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार नई परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में विभाग ऑफलाइन काम कर रहे हैं, लेकिन जल्द ही एक पूरी तरह डिजिटल प्रणाली शुरू की जाएगी। निवेशकों के लिए एक सामान्य चेक लिस्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे सभी आवश्यक प्रश्न केवल एक बार पूछे जाएं और किसी भी तरह की देरी या बाधा न आए।

बोले-निवेशकों को देंगे हर संभव मदद

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी अपार प्राकृतिक सुंदरता और निवेश-अनुकूल माहौल के कारण निवेशकों के लिए आकर्षक हैं। कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने पहले ही प्रदेश में निवेश में रुचि दिखाई है। सरकार निवेशकों को उनके उद्यम स्थापित करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

राज्यपाल बिलों को पेंडिंग नहीं रख सकते : सुप्रीम कोर्ट

राज्यों की दलील- कानून बनाने में राज्यपाल और राष्ट्रपति का कोई रोल नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों की याचिकाओं पर लगातार सातवें दिन बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक की सरकारों ने विधेयकों को रोककर रखने की विवेकाधिकार शक्ति का विरोध किया और कहा कि कानून बनाना विधानसभा का काम है, इसमें राज्यपालों की कोई भूमिका नहीं है।

- मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर को

वहीं, चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि गवर्नर बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। (अनंत ज्ञान)

बिल रोकने से बढ़ेगा केंद्र-राज्यों में टकराव

हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से वकील आनंद शर्मा ने कोर्ट में दलील दी कि गवर्नर का कानून बनाने में कोई रोल नहीं है। संसद या विधानसभा बुलाने तक की प्रक्रिया सरकार शुरू करती है। गवर्नर या राष्ट्रपति केवल औपचारिकता निभाते हैं। संघीय ढांचा (फेडरलिज्म) भारत की ताकत है और यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। अगर गवर्नर बिल रोकेंगे तो इससे केंद्र-राज्य संबंधों में टकराव बढ़ेगा और यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा। गवर्नर का ऑफिस जनता की इच्छा को नकारने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

जनता की इच्छा को रोका नहीं जा सकता

पश्चिम बंगाल सरकार के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर विधानसभा से पास बिल गवर्नर को भेजा जाता है, तो उन्हें उस पर हस्ताक्षर करना ही होगा। सिब्बल ने तर्क दिया कि संविधान की धारा-200 में गवर्नर के लिए संतोष (सैटिस्फैक्शन) जैसी कोई शर्त नहीं है। या तो वह बिल पर हस्ताक्षर करें, या उसे राष्ट्रपति को भेज दें। लगातार रोके रखना संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा, 'अगर गवर्नर मनमर्जी से बिल अटका दें तो यह लोकतंत्र को असंभव बना देगा।'

राज्य में दोहरी सरकार नहीं हो सकती

कर्नाटक सरकार के वकील गोपाल सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्य में दोहरी सरकार (डायार्की) की व्यवस्था नहीं हो सकती। गवर्नर को हमेशा मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही काम करना होगा। उन्होंने कहा कि संविधान गवर्नर को सिर्फ दो स्थितियों में ही विवेकाधिकार देता है। पहली, जब गवर्नर अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेजते हैं और दूसरी, जब कोई बिल हाईकोर्ट की शक्तियों को प्रभावित करता है (अनुच्छेद 200 की दूसरी शर्त)। इन दो स्थितियों को छोड़कर गवर्नर के पास कोई स्वतंत्र शक्ति नहीं है।

बच्चे को माता-पिता दोनों के प्यार का हक : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। एक अहम फैसले सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने माता-पिता के प्यार का हक है। भले ही दोनों अलग-अलग रहते हों या अलग-अलग देशों में ही क्यों न हों। कोर्ट ने कहा कि माता-पिता के मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग को किसी भी हाल में रोका नहीं जा सकता। कोर्ट की बेंच ने यह फैसला एक पिता को अपने बेटे से बात करने से रोकने के मामले में सुनाया। दरअसल, पिता भारत में रहता है और बेटा आयरलैंड में उनकी पत्नी के साथ है। पिता ने 9 साल के बेटे से वीडियो कॉल पर बात करने की अनुमति मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पिता की मांग को जायज ठहराते हुए आदेश दिया कि पिता बेटे से हर दूसरे रविवार को आयरलैंड के समय अनुसार सुबह 10 से 12 बजे तक दो घंटे वीडियो कॉल पर बात कर सकते हैं। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि माता-पिता दोनों सुनिश्चित करें कि यह प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो। (अनंत ज्ञान)

जीएसटी काउंसिल की सौगात: सस्ते होंगे जूते-कपड़े

56वीं मीटिंग के पहले दिन 12% और 28% टैक्स स्लैब हटाने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग के पहले दिन 12% और 28% टैक्स स्लैब हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। सूत्रों से मिली रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा स्ट्रक्चर को सरल करने के लिए दो स्लैब 5% और 18% ही लागू किए जाएंगे।

इस दो दिन की मीटिंग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी दरों के प्रस्तावों और सुधारों पर जीएसटी काउंसिल की बैठक नई दिल्ली में चल रही है। 4 सितंबर को यह मीटिंग खत्म होगी। इसके बाद मीटिंग में लिए गए फैसलों का ऐलान किया जा सकता है।

- वित्त मंत्री सीतारमण की अध्यक्षता में लिया गया फैसला

सूत्रों के मुताबिक, 2,500 रुपए तक के जूते और कपड़ों पर जीएसटी दर घटाकर 5% की जा सकती है, जिससे ये चीजें ग्राहकों के लिए सस्ती हो जाएंगी। (अनंत ज्ञान)

एमएसएमई-स्टार्टअप के लिए रजिस्ट्रेशन जल्द

अब माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज और स्टार्टअप्स के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन जल्द होगा। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में रजिस्ट्रेशन करवाने का समय 30 दिन से घटाकर सिर्फ 3 दिन कर दिया गया है।

ऑटोमेटिक रिटर्न फाइलिंग

जीएसटी परिषद ने ऑटोमेटिक रिटर्न फाइलिंग सिस्टम लाने का प्रस्ताव भी रखा है, जिससे जीएसटी से जुड़े नियमों का पालन करना और भी आसान हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, 20 लाख रुपए से अधिक कीमत वाली लग्जरी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर जीएसटी दर 5% से बढ़कर 18% हो सकती है।

सस्ती होंगी स्वास्थ्य बीमा और जीवन रक्षक दवाएं

जीएसटी काउंसिल ने बीमा प्रीमियम की दरों में कटौती करने पर सहमति जताई है, जिससे स्वास्थ्य बीमा लेना सस्ता हो जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक दवाओं पर भी जीएसटी दरें कम होने की उम्मीद है।

उलटा पड़ा ट्रंप का दांव, रूसी तेल खरीद बढ़ाने के लिए तैयार भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत पर लगाया गया टैरिफ अब उल्टा पड़ने लगा है। ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ के बीच अब रिपोर्ट्स हैं कि रूस ने भारत को क्रूड तेल पर प्रति बैरल 3-4 डॉलर की छूट की पेशकश की है। यह पहले 2.5 डॉलर और जुलाई में मात्र 1 डॉलर थी। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब ट्रंप ने भारत के रूस से बढ़ते तेल व्यापार और सैन्य सहयोग को लेकर 50% टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने भारत पर दो चरणों में टैरिफ लगाए हैं। पहले चरण में जुलाई 2025 में 25% टैरिफ़ लागू किया गया था, क्योंकि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता समय पर पूरा नहीं हो सका। इसके बाद 27 अगस्त से अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया गया, जिसे ट्रंप प्रशासन ने रूस से भारत के तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद के जवाब में दंडात्मक कार्रवाई बताया। ट्रंप का तर्क है कि भारत का रूस से तेल आयात यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण दे रहा है, जिसे भारत ने सिरे से खारिज किया है। (अनंत ज्ञान)

- रूस की क्रूड तेल पर प्रति बैरल 3-4 डॉलर छूट की पेशकश

पाक, अफगानिस्तान-बांग्लादेश से 2024 तक आए अल्पसंख्यक भारत में रह सकेंगे

पहले वर्ष 2014 तक आए अल्पसंख्यकों को ही परमिशन थी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए वहां के अल्पसंख्यकों को बिना पासपोर्ट रहने की अनुमति दे दी है। सरकार ने इन देशों से हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत राहत दी है। गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर बताया कि इन समुदायों के लोग अगर वैध पासपोर्ट या दस्तावेजों के साथ भी आए थे और उनकी वैधता खत्म हो चुकी है, तब भी उन्हें रहने की छूट मिलेगी। केंद्र सरकार ने 11 मार्च, 2024 को देशभर में सीएए लागू किया था। सीएए के तहत इसी साल पहली बार 14 लोगों को भारत की नागरिकता दी गई थी। (अनंत ज्ञान)

इन देशों के नागरिकों को वीजा की जरूरत नहीं

आदेश में साफ किया गया है कि नेपाल और भूटान के नागरिकों को भारत आने-जाने या यहां रहने के लिए पासपोर्ट और वीजा की जरूरत नहीं होगी, बशर्ते वे भारत में सीमा मार्ग से प्रवेश करें। यह व्यवस्था पहले की तरह ही जारी रहेगी। हालांकि, अगर कोई नेपाली या भूटानी नागरिक चीन, मकाऊ, हॉन्गकॉन्ग या पाकिस्तान से भारत आता है, तो उसके पास मान्य पासपोर्ट होना अनिवार्य होगा। भारतीय नागरिकों को भी नेपाल या भूटान की सीमा से भारत आने-जाने के लिए पासपोर्ट या वीजा की आवश्यकता नहीं है, लेकिन अगर वे नेपाल या भूटान के अलावा किसी अन्य देश से भारत लौटते हैं (चीन, मकाऊ, हॉन्गकॉन्ग और पाकिस्तान को छोड़कर), तो उन्हें मान्य पासपोर्ट दिखाना होगा।

तोहफा | रशियन अफसर बोले-डिफेंस सिस्टम की बिक्री बढ़ाने को लेकर भारत और रूस में चल रही बातचीत

भारत को रूस भेजेगा एस-400 की अतिरिक्त खेप

एजेंसी, नई दिल्ली

रूस और भारत के बीच एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। रूस की न्यूज एजेंसी TASS ने एक सीनियर डिफेंस ऑफिसर के हवाले से बताया कि रूस भारत को एस-400 की सप्लाई बढ़ाने के लिए तैयार है।

वर्ष 2018 में भारत ने रूस के साथ पांच एस-400 सिस्टम खरीदने की डील की थी। यह डील 5.4 बिलियन डॉलर (करीब 48 हजार करोड़ रुपए) थी। अब तक भारत को तीन एस-400 सिस्टम मिल चुके हैं और बाकी दो की डिलीवरी 2026-27 तक हो जाने की उम्मीद है। यह वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था। एसीओ समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बातचीत हुई थी।

मोदी ने पुतिन को दोस्त बताया था। मोदी ने कहा था कि भारत-रूस बुरे वक्त में भी एक-दूसरे के साथ खड़े थे। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020 से 2024 के बीच भारत के हथियारों के आयात में रूस की हिस्सेदारी 36% थी। इसके बाद फ्रांस (33%) व इसराइल (13%) का नंबर आता है। (अनंत ज्ञान)

भारत पर संक्शन लगा सकता है अमेरिका

इस सौदे को लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं। अमेरिका ने भारत को एस-400 खरीदने पर CAATSA कानून के तहत संक्शन की चेतावनी दी थी। दूसरी तरफ इस डील पर चीन की भी नजर है, क्योंकि वह खुद इस सिस्टम का इस्तेमाल करता है।

एस-400?

एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम रूस का सबसे एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था। यह सिस्टम फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों तक को मार गिरा सकता है। यह हवा में कई तरह के खतरों से बचाव के लिए एक मजबूत ढाल की तरह काम करता है। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की दुनिया के बेहद आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में गिनती होती है।

न्यूज ब्रीफ

मकानों, गोशालाओं व फसलों को भारी क्षति

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर जिले में इस मानसून सीजन के दौरान नुकसान का कुल आंकड़ा 194.50 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। इसमें जल शक्ति विभाग को सबसे ज्यादा 94.73 करोड़, लोक निर्माण विभाग को 89.54 करोड़, बिजली बोर्ड को 1.83 करोड़, शिक्षा विभाग को 1.85 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य विभाग को डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जिले में 51 कच्चे और 4 पक्के मकान पूरी तरह ध्वस्त हुए हैं, जबकि 284 कच्चे और 19 पक्के मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे करीब 3.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। 371 गौशालाएं ढहने से 1.69 करोड़ और 126 डंगे गिरने से 1.11 करोड़ रुपये की क्षति आंकी गई है। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने सभी विभागों को समय पर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

वीरेंद्र गोस्वामी, अनंत ज्ञान, बड़ा। उपमंडल नादौन के कस्बा बड़ा में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मगली गुग्गा जहरवीर में कलश यात्रा निकाल कर भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा में भारी बारिश के चलते काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान क्षेत्र का पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंगली गुग्गा के पुजारी सुनील राणा ने बताया कि इस पवित्र धार्मिक स्थल में 8 सितंबर तक भागवत कथा का आयोजन होगा। इसमें प्रसिद्ध कथा वाचक महंत त्रिलोक राज गोस्वामी भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का व्याख्यान करेंगे। 9 को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

समाजसेवी सुनील करेंगे शिक्षकों को सम्मानित

शशि सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन विकास सभा के अध्यक्ष एवं समाजसेवी सुनील शर्मा अध्यापक दिवस पर सेवानिवृत्ति अध्यापकों को सम्मानित करेंगे जानकारी देते हुए रिटायर्ड इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डीडी मिन्हास ने बताया कि समाज सेवी सुनील शर्मा 5 सितंबर को अध्यापक दिवस के उपलक्ष्य पर सेवानिवृत्ति अध्यापकों को संस्कृति सदन में सम्मानित करेंगे और इस मौक पर उपस्थित अध्यापकों के साथ अपने विचार विमर्श करेंगे, बताया कि इसी दिन रिटायर्ड इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक भी रखी गई है जिसमें संस्था के सदस्य उपस्थित रहेंगे और सेवानिवृत्ति अध्यापकों को आ रही विभाग्यों परेशानी हो या अन्य समस्याओं पर चर्चा करेंगे, नादौन विधानसभा के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि अध्यापक वर्ग एक बहुत ही वशिष्ठ वर्ग है और उनका आदर सम्मान करना समाज का कर्तव्य बनता है बताया कि नादौन विकास सभा की ओर से अध्यापक दिवस के उपलक्ष्य पर सेवा निवृत अध्यापकों को सम्मानित किया जाएगा।

सीपीयू छात्राओं ने रोजगार में बनाई पहचान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। करियर प्वॉइंट विश्वविद्यालय के बीएससी योगा साइंस की छात्राओं ने अपनी मेहनत और दक्षता से रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय की ओर से छात्रा बालूशा को जवाहर नवोदय विद्यालय, डूंगरी और छात्रा सृष्टि को जवाहर नवोदय विद्यालय, कुनिहार में योग ट्रेनर के पद पर चयनित किया गया है। इन दोनों को विद्यालयों में योग ट्रेनर के रूप में कार्य करने का अवसर मिला है, जहां वे विद्यार्थियों को योगासन एवं खेल गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित करने में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस उपलब्धि पर छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्लेसमेंट विश्वविद्यालय के कौशल-आधारित शिक्षा और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। यह जानकारी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सोनम शर्मा द्वारा दी गई।

हिम आंचल पेंशनर्स संघ के चुनाव 6 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिम आंचल पेंशनर्स संघ के प्रदेश स्तरीय चुनाव 6 सितंबर को पेंशनर भवन हमीरपुर में आयोजित किए जाएंगे। चुनाव से पूर्व प्रबंधों की तैयारी एवं चुनाव में हमीरपुर जिला की भूमिका बारे रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रदेशाध्यक्ष योग राज शर्मा की उपस्थिति व जिला प्रधान केसी गौतम की अध्यक्षता में पेंशनर भवन, हमीरपुर में बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। प्रदेशाध्यक्ष योग राज शर्मा द्वारा जिला पदाधिकारियों को किए जाने वाली तैयारियों बारे आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए व चुनाव संबंधित अपने विचार साझा किए। प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला प्रधान, हमीरपुर ने उपस्थित पदाधिकारियों से होने वाले प्रबंधों को सुचारू रूप से संपन्न करने में उनका पूरा-पूरा सहयोग देने का आग्रह किया। जिला प्रधान ने खंड, जिला पदाधिकारियों एवं पेंशनरों से अनुरोध किया है कि सभी जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही अपने दायित्व को समयानुसार बखूबी निभाएं ताकि समारोह को सफल बनाया जा सके।

ब्लॉक कांग्रेस बड़सर की बैठक 6 को

अनंत ज्ञान, बड़सर। पवन कालिया ने जारी बयान में बताया कि ब्लॉक कांग्रेस बड़सर की महत्वपूर्ण बैठक पूर्व प्रत्याशी बड़सर सुभाष ढटवालिया की अध्यक्षता में होना तय हुई है। ये बैठक सुभाष ढटवालिया के दफ्तर मैहरे में 6 सितंबर को ग्यारह बजे होगी।बैठक में विकास चर्चा प्रभारी विक्रम शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में पूर्व में रहे सभी कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

पूर्व सैनिक परिवारों की समस्याओं का निवारण 16 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों की समस्याओं के निवारण और उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए 16 सितंबर को हमीरपुर के टाउन हॉल में एक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। थल सेना के सब एरिया कमांडर मुख्यालय पठानकोट की ओर से सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किए जाने वाले इस सम्मेलन में भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और वीर नारियों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी तथा उनकी समस्याओं का निवारण किया जाएगा। सैनिक कल्याण विभाग के उपनिदेशक स्क्वॉड्रन लीडर (सेवानिवृत्त) मनोज राणा ने जिला के सभी भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और वीर नारियों से इस सम्मेलन का लाभ उठाने की अपील की है।

भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र ने भरा नामांकन पत्र

अनंत ज्ञान, नादौन। कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक धर्मशाला के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के चुनाव में नादौन जोन से भाजपा उम्मीदवार के रूप में राजेंद्र मंडयाल ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके नाम का प्रस्ताव भाजपा नेता सुरेंद्र छिंदा ने रखा जबकि आशु कुमार ने समर्थन किया। राजेंद्र मंडयाल पूर्व विधायक और कांगड़ा बैंक के चेयरमैन रहे स्वर्गीय बाबू राम मंडयाल के भतीजे हैं। बैंक से वे बतौर सीनियर मैनेजर सेवामुक्त हुए हैं और लंबे अनुभव के कारण उन्हें मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। नादौन जोन के रिटर्निंग ऑफिसर राजेश कौशल ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया जारी है और इच्छुक उम्मीदवार 14 सितंबर तक प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

बारिश से जल शक्ति विभाग को 250 करोड़ की चपत

हमीरपुर शहर की पेयजल योजना को फिर से रिस्टोर करने में दिन-रात जुटा विभाग, लोगों की बढ़ी मुश्किलें

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। मानसून सीजन की बरसात किसी आफत से कम नहीं है, इस बारिश के वजह से कई लोगों के आशियाने उजड़ गए तो कई लोग अपनी जान गवा चुके हैं। भूस्खलन होने से सड़कों की हालत खराब हो गई है वहीं पेयजल योजनाओं के टूट जाने से लोगों को पानी तक मिलना मुश्किल हो गया था। अब तक की बरसात में जल शक्ति विभाग की बात करें तो सबसे अधिक नुकसान हुआ है। जल शक्ति विभाग को 250 करोड़ का नुकसान विभिन्न पेयजल योजनाओं में हुआ है।

गत दिनों भारी बरसात के कारण हमीरपुर शहर के 11 वार्डों के लिए चलाई जा रही पेयजल योजना भी भारी बारिश के कारण टूट गई थी। लोगों को पानी की समस्या न हो इसके लिए जल शक्ति विभाग ने दो दिन बाद ही थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति शुरू कर दी थी।

बता दें कि सुजानपुर में बनाई गई इस पेयजल योजना की राइजिंग मेन पाइप टूट गई थी। इसे ठीक करने के लिए जल शक्ति विभाग के कर्मचारी व अधिकारी दिन रात लगे हुए हैं, लेकिन नदी में आ रहा पानी इसमें समस्या बनता जा रहा है। पेयजल योजना को रिस्टोर करने के लिए दिन रात प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्कीम को रिस्टोर करने के लिए 3 पोकलेन और 3 जेसीबी लगाई गई हैं वहीं हमीरपुर शहर को विभाग ने एक दिन छोड़कर पानी की आपूर्ति शुरू कर दी है। शहर के सभी वार्डों में पानी की कमी को पूरा किया जा रहा है।

इस बारे में जल शक्ति विभाग के मुख्य अभियंता रोहित दुबे ने बताया कि हमीरपुर शहर के लिए चलाई कई पेयजल योजना को रिस्टोर करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीन पोकलेन और 3 जेसीबी लगाई गई हैं, लेकिन नदी का पानी अधिक होने से इस कार्य में दिक्कत हो रही है। उन्होंने बताया कि शहर वासियों को एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है और जब तक यह योजना पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाती तब तक एक दिन छोड़कर ही पानी आएगा।

पेयजल योजना को रिस्टोर करने के लिए दिन-रात प्रयास किए जा रहे हैं।

नुकसान के आंकड़ों में हो सकती है बढ़ोतरी

जल शक्ति विभाग ने हमीरपुर जोन में अभी तक हुए नुकसान का लगभग 250 करोड़ रुपए के नुकसान होने का आंकलन किया है। यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि अभी तक सही नुकसान हुआ है उसकी आंकलन बारिश थमने के बाद लगाया जाएगा। फिलहाल जल शक्ति विभाग की मशीनरी और पंप हाउस भी बारिश की चपेट में आए हैं।

बड़सर को आफत की बरसात में लगा 3 करोड़ का चूना : हर्ष शर्मा

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने हिमाचल प्रदेश का ऐसा कोई कोना नहीं होगा, जहां बरसात ने नुकसान नहीं पहुंचाया होगा। बात अगर जिला हमीरपुर के उपमंडल बड़सर की करें तो यहां भी बारिश ने खूब खलल मचा रखा था तथा यहां भी हर सरकारी विभाग को नुकसान हुआ है। जहां तक जल शक्ति विभाग बड़सर की बात करें तो यहां भी बारिश ने लगभग 3 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है।

बता दें कि जल शक्ति विभाग की अधिकतर पेयजल योजनाएं खड्डों के किनारे स्थापित होती हैं। इस बरसात ने जल शक्ति विभाग के अधिकतर पंप हाउस में पानी भरने से मशीनरी को भारी नुकसान पहुंचा है। कहीं पर विभाग द्वारा डाली गई पेयजल पाइप टूट गई हैं या फिर कई स्थानों पर यह पेयजल पाइपें पानी में बह कर चली गई हैं। बरसात के मौसम में गंदा पानी होने के चलते मशीनरी को ज्यादा नुकसान होता है। कई जगहों पर ल्हासे गिरने से भी पेयजल स्कीमों को भारी नुक्सान पहुंचा है, जिसके चलते उपमंडल में पेयजल सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

कई पेयजल पाइपें खड्डों में बहीं और टूटीं

जल शक्ति विभाग के एक्सईएन हर्ष शर्मा ने बताया कि भारी बरसात में विभाग का लगभग 3 करोड़ रुपए का नुकसान अभी तक आंका गया है।

आपदा प्रभावित लोगों की पूरी मदद करेगी सरकार : कैप्टन रणजीत सिंह

चबूतरा दौरे पर विधायक रणजीत सिंह लोगों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए।

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

विधायक कैप्टन रणजीत सिंह राणा ने बुधवार को चबूतरा क्षेत्र का दौरा कर आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार संकट की इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है और प्रभावितों को हरसंभव सहायता दी जाएगी।

विधायक रणजीत सिंह राणा ने बताया कि आपदा में जिनके मकान जमीनी खिसकाव से गिर गए हैं, उन्हें सरकार की ओर से 7 लाख रुपए तक की सहायता राशि प्रदान करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास घर बनाने के लिए भूमि नहीं होगी, उन्हें भूमि भी उपलब्ध करवाई जाएगी। विधायक ने यह भी बताया कि इस विषय पर उनकी मुख्यमंत्री से चर्चा हो चुकी है और मुख्यमंत्री ने मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने स्थानीय लोगों की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि आपदा के समय समाज का सहयोग सबसे बड़ी ताकत होता है। विधायक ने भरोसा दिलाया कि सरकार प्रभावितों के नए मकान बनवाने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

कहा- सरकार मकान और भूमि उपलब्ध करवाकर करेगी प्रभावितों का पुनर्वास

लदेड़ा में दो मंजिला स्लेटपोश मकान ढहा

ग्रामीणों ने दिया पीड़ित परिवार को सहारा, प्रशासन से शीघ्र राहत की मांग

अनंत ज्ञान, जाहू

उपमंडल भोरंज की ग्राम पंचायत लुद्दर महादेव के गांव लदेड़ा में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। जसपाल सिंह पुत्र अमर सिंह का दो मंजिला स्लेटपोश मकान अचानक ढह गया। हादसा सुबह करीब साढ़े छह बजे हुआ, जब परिवार अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त था। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन परिवार पूरी तरह बेघर हो गया। मकान के गिरने से लाखों का नुकसान आंका गया है।

ग्रामीणों ने प्रभावित परिवार को तत्काल सहारा देते हुए अस्थायी रूप से पास ही एक घर में ठहराया। ग्राम पंचायत प्रधान नीलम कुमारी ने बताया कि जसपाल सिंह बीपीएल परिवार से संबंधित हैं, ऐसे में यह हादसा उनके लिए गंभीर संकट लेकर आया है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र राहत प्रदान करने की मांग की है। राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात से मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि परिवार को तुरंत आर्थिक मदद दी जाए।

लुद्दर महादेव पंचायत के लदेड़ा गांव में स्लेटपोश मकान गिरा।

गरीब असहाय संस्था भरेड़ी ने की मदद

अनंत ज्ञान, भोरंज। भोरंज उपमंडल की गरीब असहाय सहायता संस्था भरेड़ी जरूरतमंद परिवारों के लिए निरंतर संबल बनी हुई है। इस माह भी संस्था ने विभिन्न असहाय व पीड़ित परिवारों को कुल एक लाख चार हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। वर्ष 2003 से कार्यरत संस्था अब तक हजारों परिवारों को राहत और उम्मीद दे चुकी है।

संस्था के संस्थापक डॉ. पीसी सैणी ने बताया कि इस माह जिन लाभार्थियों को सहयोग मिला, उनमें शशिपाल (गांव हरियाली टांडा, जिला मंडी) को किडनी के इलाज के लिए 10,000 रुपए, अमरो देवी (गांव मटौर हांडा, मंडी) को बेटे के इलाज के लिए 2,000 रुपए, शौर्य ठाकुर (गांव छत्रकलां) को कैंसर के इलाज के लिए 20,000 रुपए, शकुंतला देवी (गांव फकड़ूही) को ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए 20,000 रुपए और रमन कुमार (गांव भरेड़ी) को एमएससी (कृषि) की पढ़ाई के लिए 30,000 रुपए प्रदान किए गए। संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद करना है।

चबूतरा त्रासदी में सर्व कल्याणकारी संस्था बनी मसीहा

संस्था ने पांच प्रभावित परिवारों को पहुंचाई सवा दो लाख की राहत राशि

सर्व कल्याणकारी संस्था के संस्थापक राजेंद्र राणा मसीहा बनकर सामने आए हैं।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

प्रकृति के कहर से जूझ रहे सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चबूतरा गांव के पांच परिवारों के आंसुओं को पोंछने के लिए सर्व कल्याणकारी संस्था की भूमिका भी खास रही है। इसके संस्थापक राजेंद्र राणा मसीहा बनकर सामने आए हैं। प्राकृतिक आपदा में बेघर हुए इन परिवारों के बैंक खातों में संस्था ने सवा दो लाख रुपए की राहत राशि पहुंचा दी है।

गौरतलब है कि घटना की सूचना मिलते ही सुजानपुर के पूर्व विधायक और प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता राजेंद्र राणा देर रात ही घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावितों का दर्द बांटा। वहीं उन्होंने घोषणा की थी कि संस्था हर परिवार को 50-50 हजार रुपये और राशन उपलब्ध करवाएगी। सिर्फ 24 घंटे में राजेंद्र राणा ने अपनी घोषणा पूरी कर दी और वादे को निभाकर इंसानियत की मिसाल पेश की।

इस पूरे राहत कार्य की निगरानी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक राणा लगातार कर रहे थे और स्वयंसेवकों को प्रेरित कर प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचा रहे थे। राजेंद्र राणा ने इस मौके पर कहा कि धर्म, जाति या वर्ग देखकर सेवा नहीं की जाती। असली सेवा वही है जो निस्वार्थ भाव से मानवता के लिए की जाए। मानवता की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है।

चबूतरा त्रासदी में जिस तेजी और संवेदनशीलता के साथ राजेंद्र राणा और उनकी संस्था ने कदम बढ़ाया है, वह इस बात का प्रमाण है कि राजनीति से ऊपर उठकर भी समाज सेवा की जा सकती है।

देहरा में हुआ सबसे बड़ा वोट फॉर कैश कांड : राणा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने आरोप लगाया है कि हिमाचल के इतिहास का सबसे बड़ा वोट फॉर कैश घोटाला देहरा उपचुनाव में हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की धर्मपत्नी कमलेश कुमारी के प्रत्याशी रहते चुनाव आचार संहिता के बीच 67 महिला मंडलों के खातों में 50-50 हजार रुपये और 990 महिलाओं को 4500-4500 रुपए ट्रांसफर किए गए। राणा ने कहा कि यह पैसा केवल वोट हथियाने के लिए बांटा गया और चुनाव के बाद किसी महिला को राशि की अगली किस्त नहीं मिली। उन्होंने मांग की कि देहरा उपचुनाव तत्काल रद्द कर कांग्रेस सरकार पर कार्रवाई की जाए।

डॉ. सिकंदर ने किया प्रभावित क्षेत्र का दौरा

राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार आपदा प्रभावित क्षेत्र चबूतरा गांव का दौरा करते हुए।

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित चबूतरा गांव का दौरा किया और स्थिति का जायजा लेते हुए प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान की। इस दौरान उनके साथ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गुरमीत सिंह, भाजपा प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. सनी शुक्ला, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, जिला महामंत्री अजय रिंटू, सुजानपुर मंडल अध्यक्ष जसवंत ठाकुर और सुजानपुर मंडल महामंत्री सुरेश ठाकुर भी मौजूद थे।

डॉ. सिकंदर कुमार ने प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें इस कठिन समय में सांत्वना और सहयोग प्रदान किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री भी वितरित की, जिसमें 12 सोलर लाइटें, 12 खाद्य सामग्री के पैकेट, बारिश से बचाव के लिए 12 त्रिपाल, दैनिक आवश्यक वस्तुएं और 12 राशन किट शामिल थीं। राज्यसभा सांसद ने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि वे स्थानीय प्रशासन से हर संभव सहायता सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे तथा इस आपदा के दौरान लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहने का आश्वासन दिया।

विधायक आशीष शर्मा का दोहरा चरित्र: कांग्रेस

अनंत ज्ञान, नादौन

हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा को लेकर कांग्रेस नेताओं विवेक कटोच, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिवस ठाकुर और युवा नेता गोल्डी पटियाल ने कड़ा हमला बोला है। उनका कहना है कि आशीष शर्मा का दोहरा चरित्र अब जनता के सामने उजागर हो चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के सहयोग से भाजपा में शामिल होने वाले आशीष अब उन्हीं को दरकिनार कर दिल्ली में बड़े नेताओं से मेलजोल कर रहे हैं। कभी जेपी नड्डा तो कभी अनुराग ठाकुर की चापलूसी करने की होड़ में वे खुद उलझ गए हैं। दिलचस्प स्थिति तब बनी जब अनुराग ठाकुर ने उन्हें स्पष्ट कहा कि यदि वे प्रदेश की राजनीति में लौटे तो हमीरपुर से चुनाव लड़ेंगे, जिससे विधायक बौखलाहट में हैं।

कांग्रेस नेताओं ने तंज कसा कि पहली बार कोई विधायक पुलिस पर ही सबूत चोरी का आरोप लगा रहा है। उनका कहना है कि आशीष शर्मा के करीबी रिश्तेदार अवैध खनन से जुड़े हैं और विधायक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कारोबार को संरक्षण दे रहे हैं। एक ओर परिवार खनन से लाभ कमा रहा है तो दूसरी ओर विधायक जनता के बीच सीनाज़ोरी दिखा रहे हैं। नेताओं ने कहा कि जनता अब इन दोगली चालों को समझ चुकी है और सच्चाई छिपाई नहीं जा सकती।

अवैध खनन संरक्षण और पुलिस पर आरोपों से घिरे विधायक

डीसी ने मुख्यमंत्री को दी नुकसान की रिपोर्ट

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण हुए नुक्सान की स्थिति और बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा के लिए बुधवार शाम को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित वर्चुअल बैठक में उपायुक्त अमरजीत सिंह ने मुख्यमंत्री को जिला में अब तक हुए नुक्सान और बचाव एवं राहत कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट दी।

इस दौरान उन्होंने जिला के गांव चबूतरा में बेघर हुए लोगों, नादौन उपमंडल और जिले के अन्य भागों में मकानों के क्षतिग्रस्त होने से प्रभावित परिवारों के लिए किए गए सभी आवश्यक प्रबंधों से अवगत करवाया। उपायुक्त ने पेयजल योजनाओं, सड़कों तथा अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को हुई क्षति की रिपोर्ट भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिला में विभिन्न सेवाओं को अतिशीघ्र बहाल करने तथा राहत कार्यों को तत्परता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

परेशानी सीलन और पानी से दुकानों का सामान खराब, ग्राहकों को भी झेलनी पड़ रही परेशानी

शॉपिंग कांप्लेक्स की दुकानों से टपक रहा पानी

अनंत ज्ञान, नादौन

नगर परिषद नादौन के बस स्टैंड पर स्थित शॉपिंग कांप्लेक्स की दुकानों को सेल्फ फाइनेंस के तहत बनी हैं। इन दुकानों की छत से पानी टपक रहा है जिस वजह से जिस वजह से जहां दुकानों में रखा सामान खराब हो रहा है। वहीं दुकानदारों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दुकानदार हेमंत राणा, अश्वनी बत्ता, वीरेंद्र सिंह, अमित मोनू सरोच, वीरेंद्र मिंटा, अश्वनी शर्मा, राजीव कुमार, शशि व सुषमा आदि दुकानदारों का एक प्रतिनिधि मंडल नगर परिषद के अध्यक्ष शम्मी सोनी से मिला तथा उन्हें दुकानदारों को आ रही समस्याओं बारे मांगपत्र सौंपकर शीघ्र समस्याओं का समाधान किए जाने का आग्रह किया है। दुकानदारों का कहना है कि करीब 27 दुकानों का निमार्ण सेल्फ फाइनेंस स्कीम के तहत वर्ष 2007-2008 व उसके बाद हुआ है। दुकानदारों ने बताया कि इस मार्किट की छत की सही लेवलिंग न होने से बारिश के पानी की निकासी सुचारू रूप से नहीं हो पाती है जिस वजह से दुकानों की न केवल छत से दुकानों में पानी टपक रहा है अपितु दीवारों में भी सीलन की वजह से दुकानों में करवाया गया रंग रोगन, फिटिंग व सामान आदि खराब हो रहा है।

इस मार्किट के भवन की खस्ताहाल स्थिति से न केवल दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ रहा है अपितु नगर परिषद की यह बिल्डिंग भी जर्जर होने के कगार पर है जिससे होने वाली क्षति से इंकार नहीं किया जा सकता है। दुकानदारों का कहना है कि इस मार्किट के लिए बनाई गई दोनों तरफ सीढ़ियों पर कोई छत या कनौपी नहीं है जिस वजह से वारिश का सारा पानी मार्किट में घुस रहा है और सीढ़ियों से मार्किट में आने वाले लोगों पर सीढ़ियों से होता हुआ गंदला पानी गिरता है जिससे जहां ग्राहकों व आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है वहीं दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित होती है। और उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यही नहीं इस मार्किट की छत पर काफी बड़े बड़े होर्डिंग्स लगाए हैं जिनकी बजह से भी छत को नुकसान पहुंच रहा है। दुकानदारों ने नगर परिषद से आग्रह किया है कि दुकानदारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करवाया जाए ताकि हो रही परेशानी व नुकसान से निजात मिल सके। दुकानदारों ने साथ ही चेताया कि यदि शीघ्र समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो होने वाले नुकसान के लिए नगर परिषद जिम्मेदार होगी।

नगर परिषद नादौन की दुकानों की छत पर लगे होर्डिंग्स और बारिश का एकत्रित पानी।

शीघ्र ही होगा समाधान : शम्मी

नगर परिषद नादौन के अध्यक्ष शम्मी सोनी का कहना है कि बस स्टैंड पर स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों ने अपनी समस्याएं बताई हैं। दुकानों की छत से पानी टपक व सीढ़ियों पर कनॉपी बनाए जाने की मांग की है। दुकानदारों की समस्याओं को सहानुभूतिपूर्वक सुना तथा दुकानदारों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

प्राकृतिक आपदा में जान-माल के नुकसान पर प्रतिभा सिंह ने जताया शोक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने प्रदेश में जारी प्राकृतिक आपदा के कारण हुए जान-माल के नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मंडी संसदीय क्षेत्र के सुंदरनगर नाचन विधानसभा क्षेत्र में भूस्खलन में सात लोगों की दर्दनाक मौत, जिसमें मंडी जिला के युवा कांग्रेस नेता राहुल मंडयाल भी शामिल हैं, पर शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना की। प्रतिभा ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा होना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को तत्काल राहत कार्यों और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। साथ ही, उन्होंने रामपुर में एक निजी बस पर आए भूस्खलन में दो यात्रियों की मृत्यु पर भी गहरा दुख जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की।

कामगार कल्याण बोर्ड ने उपकर संग्रह बढ़ाने को उठाए नए कदम : कंवर

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते नरदेव सिंह कंवर।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने बुधवार को बोर्ड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य के विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों से उपकर संग्रह में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए बोर्ड का एक वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कदम कामगारों के कल्याण के लिए योजनाओं को और प्रभावी तरीके से लागू करने में सहायक होगा। कंवर ने कहा कि निजी प्रतिष्ठानों से उपकर संग्रह अभी भी बहुत कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वित्तीय वर्ष के दौरान उपकर संग्रह को बढ़ाकर 300 करोड़ रुपए किया जाए। उन्होंने विशेष बल का गठन कर उपकर संग्रह की प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपकर से प्राप्त धनराशि का उपयोग निर्माण श्रमिकों के कल्याण, कौशल विकास में, बच्चों की शिक्षा तथा दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य समस्याओं के लिए वित्तीय सहायता में किया जाएगा।

बहडाला में युवक के घर से 31 किग्रा चूरा-पोस्त और नकदी बरामद

अनंत ज्ञान, ऊना। जिले के समीपवर्ती बहडाला गांव में पुलिस के विशेष जांच दल ने एक घर में युवक से 31 किलोग्राम के लगभग चूरा पोस्त बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई अमल में लाई गई है। इस दौरान उसके कब्जे से 9 लाख 61 सात सौ रुपये की नकदी भी बरामद की है। इस मामले में आरोपित राजेश कुमार के खिलाफ मादक पदार्थ द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके युवक को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी संजीव भाटिया ने इस मामले की पुष्टि की है।

शैक्षणिक संस्थानों को 50 करोड़ की क्षति : रोहित

शिक्षा मंत्री ने समीक्षा बैठक के बाद जारी किए आदेश, विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा प्राथमिकता

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर।

शिमला। प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बुधवार को राज्य में लगातार हो रही भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए उच्च और स्कूल शिक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले कई दिनों से भारी बारिश के कारण भूस्खलन, पेड़ गिरना, सड़कों का अवरुद्ध होना और शैक्षणिक संस्थानों समेत अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। अब तक लगभग 743 स्कूल और कॉलेज प्रभावित हुए हैं, जिनका अनुमानित नुकसान लगभग 50 करोड़ रुपए है।

मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्री ने निर्णय लिया है कि सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज और डाइट 7 सितंबर तक बंद रहेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों को भी संस्थानों में आने से छूट दी गई है। संस्थानों के प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां संभव हो, कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जाएं और विद्यालय की संपत्ति व अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि आपदा पश्चात आवश्यकता मूल्यांकन के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाए और 75 प्रतिशत से अधिक क्षति वाले संस्थानों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्यों के लिए नियमित भौतिक निगरानी के महत्व पर जोर दिया।

इसके अलावा, मंत्री ने 5 सितंबर को होने वाले शिक्षक दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा और योग्य शिक्षकों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने 8 सितंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के कार्यक्रमों की भी चर्चा की और कहा कि यह अवसर हिमाचल के लिए ऐतिहासिक होगा, जब राज्य को संपूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया जाएगा। यदि प्रतिकूल मौसम जारी रहता है, तो समारोह प्रतीकात्मक रूप से आयोजित किया जाएगा।

बैठक में शिक्षा मंत्री ने स्कूल और कॉलेज संवर्गों की पदोन्नति, राजीव गांधी मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल और अटल आदर्श विद्यालयों के कार्यान्वयन, नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत और बागवानी को व्यावसायिक विषय बनाने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों के स्थानांतरण और प्रतिनियुक्ति केवल आवश्यकता के आधार पर करने और स्कूलों में शैक्षणिक कार्य बाधित न होने का निर्देश दिया। उन्होंने खेल छात्रावासों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करते हुए अधिक प्रशिक्षकों की भर्ती की संभावना तलाशने के भी निर्देश दिए गए।

राज्यपाल को शिक्षक दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि किया आमंत्रित

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें 5 सितंबर को आयोजित होने वाले शिक्षक दिवस समारोह में मुख्यातिथि के रूप में आमंत्रित किया। शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल को समारोह की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा से भी अवगत कराया। शिक्षा मंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्कूलों में बेहतर अधोसंरचना और डिजिटल शिक्षा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने शिक्षा विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा सामाजिक और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हिमाचल प्रदेश की समृद्ध शिक्षण परंपरा विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मार्गदर्शक है, और वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। बैठक में शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई, जिनमें कौशल विकास, शिक्षक प्रशिक्षण और विद्यार्थियों को भविष्य के अनुरूप तैयार करने के लिए नई पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव सीपी वर्मा भी उपस्थित रहे।

होशियार ने देहरा उपचुनाव में कमलेश की जीत को हाईकोर्ट में दी चुनौती

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। देहरा उपचुनाव का परिणाम अब हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में पहुंच गया है। भाजपा उम्मीदवार होशियार सिंह ने याचिका दायर कर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की पत्नी और कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश कुमारी की जीत को चुनौती दी है। होशियार सिंह ने याचिका में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने चुनाव को अपनी पत्नी के पक्ष में मोड़ने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया। उन्होंने दावा किया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान निर्वाचन क्षेत्र में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को धनराशि हस्तांतरित की गई, जिससे कथित रूप से मतदाताओं को प्रभावित किया गया।

भाजपा का आरोप, वोट के बदले नकदी बांटी

भाजपा ने भी आपत्ति जताई और कहा कि मतदान से ठीक एक हफ्ता पहले कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक के माध्यम से ये पैसे दिए गए। पार्टी नेताओं के अनुसार, यह लेन-देन मतदाताओं को लुभाने और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने जैसा था। भाजपा ने इसे 'वोट के बदले नकदी' के समान बताते हुए कमलेश कुमारी के चुनाव रद्द करने की मांग की है। कानूनी पर्यवेक्षकों का मानना है कि अदालत यह आकलन करेगी कि क्या सहकारी बैंक के फंड का जारी होना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत भ्रष्ट चुनावी व्यवहार में आता है।

सिरमौर में बारिश ने बिगाड़ा यातायात नाहन डिपो की पांच बसें फंसीं

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर जिला में पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश के कारण एचआरटीसी नाहन डिपो के अधिकतर रूट पूरी तरह से ठप हो गए हैं। इसके चलते न सिर्फ लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि निगम को भी लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

नाहन डिपो अड्डा प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि रूट बंद होने की वजह से नाहन डिपो की पांच बसें रास्ते में ही फंसी हुई हैं और अब तक डिपो तक नहीं पहुंच पाई हैं। प्रभावित रूटों पर चालक और परिचालक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए फंसी बसों तक डीजल पहुंचा रहे हैं, ताकि उन्हें सुरक्षित वापस लाया जा सके।

उन्होंने बताया कि नाहन डिपो से जुड़े कुछ रूटों पर ही फिलहाल बसें चल रही हैं, जबकि सराहां क्षेत्र के लगभग सभी रूट पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। इससे स्थानीय लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी बस सेवाएं बंद होने के कारण लोगों को आवश्यक कार्यों के लिए भी यात्रा करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रूट बंद होने से परिवहन निगम को रोजाना लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है। निगम की ओर से अतिरिक्त स्टाफ भी उपलब्ध नहीं करवाया गया है।

चंबा, कुल्लू व लाहौल-स्पीति में 10 तक जारी रहेगी इंट्रा-सर्किल रोमिंग सुविधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश लाइसेंस सेवा क्षेत्र एचपी, एलएसए के अपर महानिदेशक दूरसंचार ने जानकारी दी है कि चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिलों में इंट्रा-सर्किल रोमिंग सुविधा को सात दिन और बढ़ा दिया गया है। अब यह सुविधा 10 सितंबर तक उपलब्ध रहेगी।

प्रभावित क्षेत्रों में मिलेगी राहत, दूरसंचार विभाग ने लिया निर्णय

विभाग ने बताया कि इस सुविधा का उद्देश्य प्रभावित जिलों में मोबाइल उपभोक्ताओं को निरंतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। इन जिलों के उपभोक्ता अपने मोबाइल उपकरणों की सेटिंग्स से किसी भी उपलब्ध नेटवर्क का चयन कर सकते हैं, चाहे उनका मूल सेवा प्रदाता कोई भी हो। इससे संचार सेवाओं में रुकावट नहीं आएगी।

बता दें कि पिछले दिनों लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मोबाइल नेटवर्क में व्यवधान उत्पन्न हो गया था। इस अस्थायी व्यवस्था के तहत उपयोगकर्ता क्षेत्र में उपलब्ध किसी भी दूरसंचार कंपनी के नेटवर्क का उपयोग करके कॉलिंग और इंटरनेट सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। दूरसंचार विभाग का कहना है कि यह कदम आपदा के समय लोगों की मदद के लिए उठाया गया है, ताकि प्रभावित जिलों में संचार व्यवस्था सुचारु बनी रहे और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई जा सके।

हिमाचल आपदा राहत के लिए हरियाणा से सहयोग की अपेक्षा : शांता कुमार

अनंत ज्ञान, पालमपुर

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को धन्यवाद का एक पत्र लिखकर हरियाणा सरकार द्वारा पंजाब, जम्मू-काश्मीर को 5-5 करोड़ रुपए देकर सहायता करने के लिए बहुत प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की आपदा के समय एक साथी प्रदेश द्वारा दो प्रदेशों की सहायता करना बहुत बड़ी बात है। शांता कुमार ने उन्हें बहुत बधाई दी है।

उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री को बधाई के साथ-साथ एक छोटा-सा गिला करते हुए कहा है कि हरियाणा के साथ ही एक छोटा-सा पहाड़ी प्रदेश हिमाचल प्रदेश भी है। हिमाचल में भयंकर आपदाएं आई हैं। 450 लोग मर चुके हैं, सैकड़ों मलबे में दबे पड़े है और हजारों घायल हुए हैं।

सरकार के साधन ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर भी नहीं हैं। शांता ने सैनी से आग्रह किया है कि जिस उदारता के साथ उन्होंने दो प्रदेशों की सहायता की है, उसी उदारता के साथ हिमाचल को भी इसी प्रकार की सहायता देने की कृपा करें। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हिमाचल प्रदेश को भी हरियाणा सरकार से आर्थिक सहयोग मिलेगा।

जयराम ठाकुर ने प्रदेशवासियों को आपदा में सतर्क रहने की अपील की

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश भर में आपदा के कारण जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर किया शोक व्यक्त

जयराम ने कहा कि प्रदेश के कई हिस्से भारी बारिश और भूस्खलन की चपेट में हैं। कई गांव खतरे में हैं और कुछ घरों में दरारें पड़ गई हैं, जिससे वहां रहना सुरक्षित नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों में सड़कें बंद हैं और जन सेवाएं बाधित हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने प्रशासन से आग्रह किया कि खतरनाक स्थानों की पहचान की जाए और वहां निवारक उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट्स को दुरुस्त करके और लोगों को संभावित खतरों से अवगत कराकर किसी भी अनहोनी को टाला जा सकता है।

बोले-पर्यटक भी बरतें सावधानी

जयराम ठाकुर ने प्रदेशवासियों और पर्यटकों से अपील की कि वे खतरनाक स्थानों, नदियों और नालों से दूरी बनाए रखें और स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में अपना और अपने परिवार का ध्यान रखना, अनावश्यक यात्रा से बचना और एक-दूसरे की मदद करना बेहद आवश्यक है।

राज्यपाल शुक्ल ने किया 'हिंदी का गद्य साहित्य' के 16वें संस्करण का लोकार्पण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

आचार्य रामचंद्र तिवारी द्वारा रचित 'हिंदी का गद्य साहित्य' पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बुधवार को राजभवन, शिमला में सुप्रसिद्ध साहित्यकार, आलोचक एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष आचार्य रामचंद्र तिवारी द्वारा रचित 'हिंदी का गद्य साहित्य' के 16वें संस्करण का लोकार्पण किया। आचार्य तिवारी को वर्ष 2006 में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा हिंदी गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया था। पुस्तक का संशोधन एवं परिवर्धन उनके पुत्र डॉ. प्रेमव्रत तिवारी ने किया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह ग्रंथ हिंदी गद्य साहित्य के इतिहास पर आधारित एक प्रामाणिक और प्राधिकारपूर्ण संदर्भ ग्रंथ है, जो गहन शोध और आलोचनात्मक दृष्टिकोण से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसका प्रथम संस्करण वर्ष 1955 में प्रकाशित हुआ था और 16वां संस्करण आज भी विद्वानों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, अध्यापकों और साहित्य प्रेमियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इसमें भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर फणीश्वर नाथ रेणु तक के गद्यकारों का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने आचार्य तिवारी और इस पुस्तक को एक-दूसरे का पर्याय बताते हुए इसे 'हिन्दी गद्य का कोष' करार दिया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. चित्तरंजन मिश्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व प्रति कुलपति ने पुस्तक को हिंदी गद्य का महान भंडार बताते हुए आचार्य तिवारी को आजीवन साहित्य के सत्य की खोज को सराहा। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के निदेशक प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने भी कहा कि यह पुस्तक शोधार्थियों और साहित्य प्रेमियों के लिए अमूल्य निधि है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मव्रत तिवारी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन भी प्रस्तुत किया। राज्यपाल के सचिव श्री सीपी वर्मा, साहित्यकार एवं भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान के फैलो भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

हिमाचल में दूरसंचार सेवाएं हुईं बहाल : गोकुल बुटेल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिलों में 25 और 26 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश से दूरसंचार नेटवर्क को गंभीर नुकसान हुआ। इस दौरान एयरटेल, रिलायंस जियो, बीएसएनएल और वोडाफोन-आइडिया की कुल 1761 साइटों में से लगभग 1155 साइटें निष्क्रिय हो गई थीं। संचार सुविधाओं में बाधा के कारण आपातकालीन सेवाओं को काम में कठिनाई आई और जनजीवन प्रभावित हुआ।

भारी बारिश में नेटवर्क किया दुरुस्त, सीएम के निर्देश पर हुई कार्रवाई

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के निर्देश पर राज्य सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को नेटवर्क चालू करने के लिए तुरंत कदम उठाए। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार) गोकुल बुटेल ने बताया कि 2 सितंबर तक केवल 374 साइटें ही निष्क्रिय थीं। इससे चंबा जिले में नेटवर्क में लगभग 45 प्रतिशत सुधार हुआ। चंबा जिले में बीएसएनएल की 10 साइटों में से 5 पर माइक्रो-वेव कनेक्टिविटी के माध्यम से नेटवर्क बहाल किया गया। ऑप्टिकल फाइबर केबल जल्द ही बहाल होने की संभावना है। रिलायंस जियो की कनेक्टिविटी 6 सितंबर तक चालू होने की उम्मीद है। कुल्लू जिले में एयरटेल की 877 साइटों में से 84.9 प्रतिशत सक्रिय हैं। रिलायंस जियो की 1173 साइटों में से 65 प्रतिशत सेवाएं सुचारू रूप से काम कर रही हैं। बीएसएनएल की 391 साइटों में से लगभग 20 प्रतिशत नेटवर्क बहाल हुआ है।

लाहौल-स्पीति जिले में एयरटेल की 63 साइटों में से 96.8 प्रतिशत सेवाएं बहाल हो गई हैं। रिलायंस जियो की 170 साइटों में से 84.1 प्रतिशत सेवाएं सुचारु रूप से चालू हैं।

प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि सभी दूरसंचार साइटों को जल्द से जल्द चालू किया जाए। इससे आपदाग्रस्त क्षेत्रों में लोगों को अपने परिजनों और आवश्यक सेवाओं से संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी।

बैठक

मंत्री रोहित ठाकुर ने बागवानों को दिलाई राहत की उम्मीद

सेब सीजन को लेकर सड़कें बहाल करने के प्रयास तेज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

लोक निर्माण विभाग और एपीएमसी की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते रोहित ठाकुर।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने लोक निर्माण विभाग और एपीएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिमला जिले में लगातार हो रही बारिश से हुए नुकसान का विस्तृत आंकलन किया।

उन्होंने बताया कि केवल रोहड़ू सर्कल में ही 80 करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान हुआ है। क्षेत्र की तीन प्रमुख जिला सड़कों और 227 ग्रामीण प्रमुख सड़कों सहित कुल 230 सड़कें प्रभावित हुई हैं, जबकि तीन पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिनमें से एक पुल बह गया। प्रभावित सड़कों में से 203 को बहाल कर दिया गया है और शेष सड़कों को चार सितंबर तक बहाल करने के प्रयास जारी हैं। इस कार्य के लिए 113 जेसीबी, रोबोट, डोजर और टिप्पर जैसी मशीनें तैनात की गई हैं।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि एनएच-705 को यातायात के लिए खोल दिया गया है, जबकि एनएच-707 पर बहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी है और यह सड़क मार्ग भी चार सितंबर तक बहाल कर दिया जाएगा। अधिकारियों ने अवगत कराया कि गुम्मा में 37 में से 31 सेब एकत्रीकरण केंद्र और जुब्बल में 28 में से 25 केंद्र प्रभावित हुए हैं, जिनमें लगभग 80,000 सेब की क्रेटें रखी गई हैं। क्षतिग्रस्त सड़कों और बार-बार हो

शिमला जिले में सड़कों की बहाली को प्राथमिकता

रहे भूस्खलन के कारण सेब की ढुलाई प्रभावित हुई है और कई क्रेटें मलबे के नीचे दब गई हैं।

रोहित ठाकुर ने बागवानों को पेश आ रही कठिनाइयों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि सेब के सुचारु परिवहन के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जीवनरेखा सेब है, इसलिए सड़कों की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने अधिकारियों को 178 करोड़ रुपए के पीडीएनए फंड के समुचित उपयोग के निर्देश दिए और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि के लिए नए अनुमान तैयार करने को कहा। मंत्री ने समयबद्ध तरीके से निविदाएं जारी करने और कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश भी दिए।

प्रभावित क्षेत्रों में बहाली का काम युद्धस्तर पर

रोहित ठाकुर ने जनता से धैर्य बनाए रखने की अपील की और कहा कि राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्रों में बहाली कार्य पर युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों के साथ सरकार हरसंभव सहायता सुनिश्चित करेगी। बैठक में लोक निर्माण विभाग शिमला क्षेत्र के मुख्य अभियंता सुरेश कपूर, राष्ट्रीय राजमार्ग शिमला क्षेत्र के प्रमुख अभियंता अजय कपूर और एपीएमसी के महाप्रबंधक सन्नी शर्मा भी मौजूद थे।

शिमला में भारी बारिश से हालात बने गंभीर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शिमला शहर में लगातार हो रही भारी बारिश ने कई इलाकों में तबाही मचा दी है। राजधानी के कृष्णानगर वार्ड में भूस्खलन और पेड़ गिरने से छह से अधिक भवनों को खतरा पैदा हो गया है। इस कारण पांच भवनों को पूरी तरह खाली करवा दिया गया है। कृष्णानगर के पार्षद विनोद भाटिया ने बताया कि मंगलवार रात बारह बजे भूस्खलन हुआ, जो पहले से ही एक सितंबर से जारी था। प्रभावित परिवारों को सामुदायिक भवन में शिफ्ट कर दिया गया है।

कई भवन आए एक खतरे की जद में

शहर के अन्य हिस्सों में भी नुकसान हुआ है। बैनमोर वार्ड के रामचंद्र चौक में फिर से लैंडस्लाइड हुआ, जिससे सड़क यातायात ठप हो गया। भूस्खलन के चलते बड़े पेड़ सरकारी भवन की छत पर गिर गए, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आसपास के मकानों को खतरा देखते हुए खाली करवा दिया गया। पहले भी सरकारी भवनों और आवासों को नुकसान पहुंच चुका है और उन्हें सुरक्षा कारणों से खाली करवा लिया गया था।

प्रदेश के थानों में साइबर अपराध सहायता डेस्क की शुरुआत

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

साइबर अपराधों में वृद्धि रोकने की मुहिम जारी, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता

शिमला। राज्य में साइबर अपराधों की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया का दुरुपयोग, साइबर स्टॉकिंग और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं ने नागरिकों को असुरक्षित महसूस कराया है। इसे देखते हुए राज्य पुलिस ने हर पुलिस थाने में साइबर अपराध सहायता डेस्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य यह है कि किसी भी नागरिक को साइबर अपराध का सामना करने पर समय पर सहायता और न्याय मिल सके।

राज्य के 138 पुलिस थानों में यह सहायता डेस्क स्थापित किए जाएंगे। इससे यह सुनिश्चित होगा कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में रहने वाला व्यक्ति साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कर सके और उसे तुरंत समाधान मिल सके। साइबर अपराधों की जांच को मजबूत करने के लिए सभी 15 पुलिस जिलों में विशेष इकाइयां बनाई गई हैं। इन इकाइयों का काम अपराध की जांच करना और विभिन्न थानों के बीच समन्वय स्थापित करना है। इसके अलावा ये सहायता डेस्क सभी जिलों में स्थापित अधिकारियों से जुड़ी होंगी, जिससे अपराध की रोकथाम और समय पर कार्रवाई संभव हो सके।

साइबर से जुड़े अपराधों पर होगी सीधी निगाह : डीआईजी

डीआईजी साइबर क्राइम मोहित चावला के अनुसार प्रत्येक जिले में अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो साइबर अपराध से जुड़े गतिविधियों की निगरानी और संचालन करेंगे। इससे नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण मजबूत बनेगा और राज्य में साइबर सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास होगा।

पहले कई थानों में साइबर अपराध से जुड़ी विशेष इकाइयां नहीं होने के कारण पीड़ितों को त्वरित सहायता नहीं मिल पाती थी। अब सहायता डेस्क पीड़ितों का पहला संपर्क बिंदु बनेगा। यह नागरिकों को शिकायत दर्ज करने में मदद करेगा और उनके डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रख जाएंगे। साथ ही धोखाधड़ी वाले वित्तीय लेनदेन को रोकने में भी सहायता मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

विधायक मलेंद्र ने सीएम को सौंपा 5 लाख का चेक

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के विधायक मलेंद्र राजन की ओर से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री राहत कोष में बाढ़ प्रभावित लोगों की राहत के लिए 5 लाख रुपए का चेक भेंट किया। विधायक मलेंद्र राजन ने इस पुनीत कार्य में योगदान देने वाले लोगों का आभार जताया।

कुहना में जमीन धंसने से दुकान व सड़क में आई दरारें

अनंत ज्ञान, परागपुर। तहसील रक्कड़ के कुहना गांव में जमीन धंसने से दुकान और सड़क पर दरारें आई हैं। सात दिन पहले भी कुहना में ही तीन मकान में दरारें आई थी। इन मकानों से नीचे सड़क और एक दुकान को भी दरारें आई हैं। दुकान को खाली करवाया गया है। तहसीलदार रक्कड़ ने जायजा लिया है। लोगों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। उपप्रधान कुकी ने बताया कि हर रोज दरारें बढ़ती चली जा रही हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बनते जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द संज्ञान लेने की अपील की है।

97 मेधावी शैक्षणिक भ्रमण पर बेंगलुरु रवाना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दसवीं व बारहवीं कक्षा के पीएम श्री स्कूलों के 97 मेधावी स्टूडेंट्स बुधवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुए। 3 से 7 सितंबर तक के शैक्षणिक भ्रमण के लिए मेधावी स्टूडेंट्स डाइट धर्मशाला से रवाना हुए। प्रदेश सरकार की योजना के तहत मेधावियों को देश के विभिन्न स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण करवाया जा रहा है। मेधावियों के साथ उपनिदेशक शिक्षा शिमला सुभाष चड्डा, उपनिदेशक एलीमेंट्री एजुकेशन हमीरपुर कमल किशोर सहित 5 जिला कांगड़ा के विभिन्न शिक्षा खंडों के पांच एस्कार्ट टीचर व पीएम श्री जिला को-आर्डिनेटर राजेश भी मेधावियों संग रवाना हुए। स्टूडेंट्स धर्मशाला से अमृतसर तक बस सेवा के माध्यम से गए अमृतसर से हवाई मार्ग द्वारा बेंगलुरु पहुंचे। पांच दिवसीय भ्रमण के दौरान मेधावियों को बेंगलुरु के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करवाया जाएगा।

अजय वर्मा ने लिया क्षतिग्रस्त घर का जायजा

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। भारी बारिश के चलते उपमंडल कांगड़ा की पंचायत अनसोली के निवासी रघुनाथ का घर क्षतिग्रस्त हो गया, जिसका प्रदेश पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ पंचायत प्रधान अंबिका भी मौजूद रहीं। उपाध्यक्ष अजय ने मकान मालिक के घर पहुंचकर उनसे बात की और उन्हें कहा आपदा की इस घड़ी में उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी। इसके लिए उन्होंने मौके पर पंचायत पटवारी और अधिकारियों को निर्देश दिए।

जनता के पैसों को पानी की तरह बहा रहे सीएमः रजनीश

अनंत ज्ञान, गगल। हिमाचल प्रदेश में जारी आपदा के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए भाजपा कांगड़ा के उपाध्यक्ष व गगल हवाई संघर्ष समिति के अध्यक्ष रजनीश मोना ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार चुनाव और गगल एयरपोर्ट विस्तार जैसे आधारहीन मुद्दों में व्यस्त हैं, जबकि प्रदेश आपदा से जूझ रहा है। मोना ने कहा कि एयरपोर्ट विस्तार से प्रभावित क्षेत्र में आपदा जैसा माहौल है और सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बावजूद मुख्यमंत्री बेपरवाह हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता का पैसा पानी की तरह खर्च कर रही है। एयरपोर्ट विस्तार के लिए 20 हजार करोड़ की मांग की गई है। स्थानीय लोग और पंचायतें भूमि देने को तैयार नहीं हैं और अपनी आपत्तियां प्रशासन को भेज चुकी हैं। बड़ा हवाई अड्डा बनाने के लिए प्रदेश सरकार को लगभग बीस हजार करोड रुपए केंद्र सरकार या भारतीय विमानपतन प्राधिकरण के पास जमा करवाने होंगे, जिसकी मांग पहले ही राष्ट्रीय विमानपतन प्राधिकरण द्वारा हिमाचल सरकार के समाचार पत्रों के माध्यम से भी की जा चुकी है।

फेक अकाउंट में चार करोड़ दर्शाकर ठग लिए एक करोड़

भुगतान से पहले टैक्स के रूप में 25 लाख जमा करवाने की बात पर ठनका पीड़ित का माथा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

शातिरों ने फेक अकाउंट में स्टॉक ट्रेडिंग के माध्यम से 4 करोड़ की कमाई दर्शाकर एक करोड़ रुपए की ठगी कर ली। फेक अकाउंट में दर्शायी गई। 4 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान से पहले टैक्स के रूप में जब शातिरों ने 25 लाख रुपए जमा करवाने की बात कही तो पीड़ित का माथा ठनका और उन्होंने साइबर थाना में ठगी की शिकायत दर्ज करवाई।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

साइबर टीम जुटा रही शातिरों के म्यूल अकाउंट की जानकारी

शिकायत मिलने पर साइबर थाना ने एफआईआर दर्ज करके जांच आरंभ कर दी है, जिसके तहत शातिरों के म्यूल अकाउंट के बारे में जानकारी एकत्रित की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल अपराधी अवैध धन को सफेद करने के लिए करते हैं। ये खाते अकसर अनजान लोगों द्वारा आसानी से पैसा कमाने के लालच में या जबरन इसमें शामिल होने के लिए खोले जाते हैं।

जानकारी के अनुसार, मामले के तहत शातिरों ने स्ट्राक ट्रेडिंग पर अतिरिक्त लाभांश का प्रलोभन देकर जिला मुख्यालय धर्मशाला के साथ लगते क्षेत्र के एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी को करीब 1 करोड़ रुपए का चूना लगाया है। बताया जा रहा है कि संबंधित व्यक्ति पहले भी स्टॉक ट्रेडिंग करता था, जबकि बीते माह ही उसे व्हाट्सऐप पर एक फोन आया। इसमें शातिरों ने उसे स्टॉक ट्रेडिंग पर अधिक लाभांश कमाने का प्रलोभन देते हुए शातिरों द्वारा भेजे गए फेक प्लेटफार्म लिंक पर स्टॉक ट्रेडिंग करने को कहा।

अधिकारी द्वारा शातिरों के भेजे लिंक पर स्टॉक ट्रेडिंग करना शुरू किया गया। इसके बाद पहले इस फेक प्लेटफार्म पर डेढ़ लाख रुपए का लाभ मिलने की जानकारी मिली। इसके बाद संबंधित अधिकारी ने एक माह में ही करीब 14-15 ट्रांजेक्शन करते हुए करीब 1 करोड़ रुपए की राशि इस फेक प्लेटफार्म पर लगा दी। जब ठगी का शिकार हुए पूर्व अधिकारी ने स्टॉक ट्रेडिंग लाभ राशि निकालने के लिए संबंधित ऑनलाइन फेक प्लेटफॉर्म पर बात की तो उसे इस राशि को निकालने के लिए पहले उसे करीब 25 लाख रुपए की राशि टैक्स के रूप में भुगतान करने की बात कही गई। इस पर प्रभावित व्यक्ति ने उन्हें यह 25 लाख की राशि लाभांश की राशि में से काटने को कहा, जिसको लेकर शातिरों द्वारा उसे सीधे तौर पर यह टैक्स की राशि अलग से देने की बात कही गई। इसके बाद सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी को ऑनलाइन ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने इसकी शिकायत साइबर थाना में दी।

> पूर्व अधिकारी से ठगी मामले में साइबर टीम ठगी से संबंधित म्यूल अकाउंट की जानकारी एकत्रित कर रही है। साथ ही संबंधित पूर्व अधिकारी के बैंक अकाउंट फ्रीज करने के साथ आगामी जांच की जा रही है।
> **-प्रवीण धीमान, एएसपी, साइबर थाना नॉर्थ जोन धर्मशाला।**

टीएमसी में व्हीलचेयर व स्ट्रेचर शुल्क की अस्पताल प्रशासन को नहीं जानकारी

दानी एनजीओ के साथ बैठक में लिया है शुल्क न लेने का निर्णय

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान

टांडा अस्पताल में व्हीलचेयर व स्ट्रेचर शुल्क बना चर्चा का विषय।

टांडा (कांगड़ा)। मेडिकल कॉलेज टांडा का प्रशासन इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। टांडा अस्पताल में इमरजेंसी के बाहर से किसी भी रोगियों को व्हीलचेयर या स्ट्रेचर लेना हो तो उसके लिए वहां पर तैनात सुरक्षा कर्मी द्वारा रोगियों के तीमारदारों से रजिस्टर पर बकायदा उनका नाम, पता अथवा मोबाइल दर्ज कर पैसे लिए जाते हैं, जो वापस व्हील चेयर और स्ट्रेचयर के वहां पर रखने के बाद वापस किए जाते हैं। हालांकि तीन दिनों से पैसे नहीं लिए जा रहे हैं, जिससे लोग स्ट्रेचर व व्हील चेयर को वार्डों के बाहर ही छोड़ जा रहे हैं। इससे आपातकालीन के बाहर व्हील चेयर व स्ट्रेचर की कमी से यहां आने वाले रोगियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसका जवाब टांडा अस्पताल प्रशासन के पास भी नहीं है। इस बाबत जब टांडा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विवेक बनियाल से बात की तो उन्होंने साफ तौर पर मना कर दिया कि टांडा में आने वाले रोगियों के तीमारदारों से व्हीलचेयर व स्ट्रेचर की सेवा के लिए ऐसा कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता है। जब अनंत ज्ञान ने अपने पास आए ऐसे ही कुछ रिकॉर्ड की फोटो कॉपी उनसे शेयर की तो वो इस पर कोई भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी आपके माध्यम से आई है। उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए कहा की रिकॉर्ड को मंगवा लिया है। यहां पर शुल्क लेने और न लेने के लिए स्ट्रेचर और व्हीलचेयर डोनेट करने वाले एनजीओ के साथ बैठक की थी, जिसमें शुल्क न लेने का निर्णय लिया गया था। टांडा आने वाले किसी भी रोगी के तीमारदारों को कोई भी शुल्क नहीं देना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अपनी जिम्मेवारी समझकर जैसे इन्हें ले जाते हैं, ठीक वापस छोड़ जाएं।

आठवीं, दसवीं, बारहवीं की एसओएस परीक्षाएं 25 से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सितंबर और अक्तूबर माह में आयोजित होने वाली एसओएस परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। जारी डेटशीट के तहत एसओएस परीक्षाओं का आयोजन 25 सितंबर से 15 अक्तूबर तक किया जाएगा।

बोर्ड चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि राज्य मुक्त की आठवीं, दसवीं, जमा दो कक्षाओं के परीक्षार्थियों की पूर्ण विषय, री-अपीयर, अतिरिक्त विषय, श्रेणी सुधार, विशेष अंक सुधार की परीक्षाएं सितंबर व अक्तूबर में आयोजित की जाएंगी। आठवीं की एसओएस परीक्षाएं 25 सितंबर से 8 अक्तूबर तक, दसवीं की परीक्षाएं 25 सितंबर से 8 अक्तूबर तक और जमा दो एसओएस की परीक्षाएं 25 सितंबर से 15 अक्तूबर तक आयोजित की जाएंगी। यह सभी परीक्षाएं प्रात:कालीन सत्र में 9:45 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

पौंग बांध का जलस्तर खतरे के निशान से 4 फुट ऊपर

एसडीएम ने लोगों से सुरक्षित स्थान पर जाने का किया आग्रह।

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। प्रदेश के ऊपरी क्षेत्रों में तथा जवाली, फतेहपुर, इंदौरा में लगातार बारिश के चलते एक बार फिर से मंड क्षेत्र में हालात काफी गंभीर होने की संभावना बढ़ गई है। पौंग बांध का जलस्तर 1394 फुट से ज्यादा पहुंच गया है, जबकि खतरे का निशान 1390 फुट तक है। बुधवार सुबह 9:00 बजे पानी की आमद 2 लाख क्यूसेक से भी ऊपर थी, लेकिन तीन बजे तक पानी की आमद एक लाख 55 हजार क्यूसिक तक रह गई है। एसडीएम इंदौरा डॉक्टर सुरेंद्र ठाकुर ने कहा कि पानी की आमद को देखते हुए 5 हजार क्यूसिक पानी धीरे-धीरे छोड़ा जाएगा। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह पानी के आमद बढ़ने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएं और विभाग को सूचित करें।

त्रासदी की घड़ी में मिनर्वा स्टडी सर्किल बनेगा स्टूडेंट्स का सहारा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

ऑनलाइन शिक्षा मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराएगा संस्थान

हाल ही में हिमाचल प्रदेश में आई भीषण प्राकृतिक आपदा ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। जनजीवन के साथ-साथ विद्यार्थियों की शिक्षा भी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। ऐसे कठिन समय में मिनर्वा स्टडी सर्किल घुमारवीं एवं धर्मशाला ने एक सराहनीय पहल करते हुए छात्रों की मदद के लिए आगे आने का फैसला किया है। जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब जा हिमाचल का कोई भी बच्चा मिनर्वा स्टडी सर्किल में ऑनलाइन शिक्षा, मार्गदर्शन ले सकता है।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों को न केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाना है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूत बनाना है, ताकि वे इस कठिन समय का सामना आत्मविश्वास से कर सकें। मिनर्वा स्टडी सर्किल की यह पहल शिक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है और यह संदेश देती है कि संकट की घड़ी में साथ खड़े रहना ही असली शिक्षा है। संस्था के मुख्य प्रबंधक राकेश चंदेल ने जानकारी दी कि यह पहल विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए शुरू की जा रही है, जो इस आपदा के कारण शैक्षणिक संसाधनों से वंचित हो गए हैं। इस पहल के तहत छात्रों को नि:शुल्क ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि पढ़ाई बाधित न हो। साथ ही नोट्स उपलब्ध करवाए जाएंगे। राकेश चंदेल ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि कोई भी छात्र केवल परिस्थितियों के कारण पीछे न रह जाए। शिक्षा ही सशक्तिकरण का माध्यम है और संकट की घड़ी में इसका निरंतर जारी रहना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, बल्कि उन्हें फिर से अपने भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ने का संबल मिलेगा।

अनंत एजुकेशन / करियर

Job Opportunity — अनंत ज्ञान

बिहार में सहायक विकास अधिकारी बनने का मौका

कुल पद
935
आयु : 21 से 37 साल
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : ग्रेजुएशन की डिग्री।
✔सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन एग्जाम के बेसिस पर।
वेबसाइट : bpsc.bihar.gov.in
आवेदन की अंतिम तिथि
26 सितंबर

इंटेलिजेंस ब्यूरो में निकली बंपर भर्ती

कुल पद
615
आयु : 18 से 37 साल
✔10वीं, 12वीं, ITI, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन आदि डिग्री या योग्यता
वेबसाइट
dsssb.delhi.gov.in
✔वेतन : 18,000 से 1,51,100 प्रति माह
आवेदन की अंतिम तिथि
16 सितंबर

रेलवे में 434 पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती

कुल पद
434
आयु : 18 से 40 साल
एजुकेशनल : बीएससी नर्सिंग या जीएनएम की डिग्री
✔डायलिसिस टेक्नीशियन के लिए हेमोडायलिसिस में डिप्लोमा।
✔12वीं, संबंधित क्षेत्र में बीएससी
वेबसाइट : rrbapply.gov.in
आवेदन की अंतिम तिथि
7 सितंबर

एनआईटी में भरे जाएंगे पद

कुल पद
46
आयु : 18 से 33 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन टेस्ट, स्किल टेस्ट या इंटरव्यू
आवेदन की अंतिम तिथि
30 सितंबर
वेबसाइट
nitkkr.ac.in

रोजगार संबंधी और जानकारी के लिए पढ़ते रहिए अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

समय का सही प्रबंधन कर परीक्षा के तनाव को करें कम

परीक्षा का समय विद्यार्थियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर होता है। इस समय तनाव और चिंता होना सामान्य है, लेकिन अगर इसका सही तरीके से प्रबंधन न किया जाए, तो यह पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकता है। नीचे कुछ प्रभावी उपाय दिए गए हैं, जो परीक्षा के तनाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं। पढ़ाई के लिए एक निश्चित समय सारणी बनाएं और हर विषय को समय दें। समय रहते तैयारी शुरू करने से अंतिम समय की घबराहट नहीं होगी।

सौरभ गुप्ता
करियर काउंसलर

नियमित ब्रेक लें : लगातार पढ़ाई करने से मन थक जाता है। हर 40-50 मिनट की पढ़ाई के बाद 5-10 मिनट का ब्रेक लें, ताकि दिमाग तरोताजा हो सके।

अच्छी नींद लें : परीक्षा के दिनों में नींद से समझौता करना नुकसानदायक हो सकता है। प्रतिदिन कम से कम 6-8 घंटे की नींद अवश्य लें।

स्वस्थ खानपान : पौष्टिक आहार लें और तैलीय, मसालेदार या जंक फूड से बचें। ताजे फल, सब्जियां और पानी का सेवन बढ़ाएं।

योग और ध्यान : प्रतिदिन 10-15 मिनट का ध्यान या प्राणायाम मानसिक शांति देता है और एकाग्रता बढ़ाता है।

सकारात्मक सोच रखें : खुद पर विश्वास रखें और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। आत्मविश्वास बनाए रखना बहुत जरूरी है।

सहयोग लें : यदि कोई विषय समझ में न आए तो दोस्तों, शिक्षकों या माता-पिता से मदद लें।

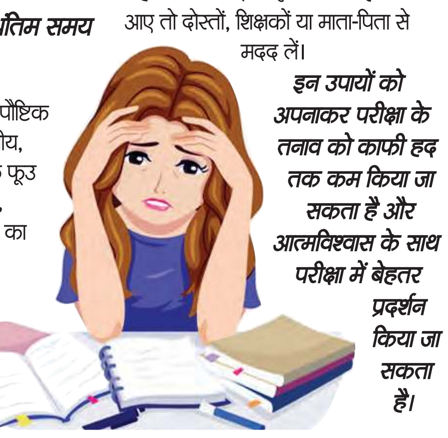

इन उपायों को अपनाकर परीक्षा के तनाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

हिंदी भाषा लेखन में निपुण कैसे बनें

भारत में सबसे ज्यादा लोग हिंदी बोलते हैं परंतु हिंदी भाषा लेखन में बहुत सी त्रुटियां करते हैं। प्रदेश तथा देश की प्रमुख परीक्षाओं में हिंदी भाषा का एक अलग से पेपर लिया जाता है जिसमें विद्यार्थियों की हिंदी भाषा पर कितनी पकड़ है , यह जांच की जाती है। इसलिए हिंदी भाषा पर हर विद्यार्थी की मजबूत पकड़ होनी चाहिए। विश्व की बहुत बड़ी जनसंख्या हिंदी भाषा का उपयोग करती है। हिंदी लेखन सुधारने के लिए हमें नियमित अभ्यास करना होगा जैसे हर दिन लिखना तथा किसी हिंदी के विद्वान व्यक्ति से अपनी लिखी हुई चीजों की जांच करवानी होंगी। विद्यार्थियों को मुख्यतःव्याकरण और शब्दावली पर ध्यान देना चाहिए। प्रतिदिन हिंदी साहित्य और प्रतिष्ठित हिंदी समाचार पत्र पढ़ें। हिंदी भाषा सीखने के कौशल में सबसे बड़ी बात है कि मनुष्य को धैर्य रखना चाहिए क्योंकि सुधार में समय लगता है। सुनना ,बोलना ,पढ़ना तथा लिखना यह चार प्रमुख पद है जो किसी भी भाषा पर पकड़ बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। भाषा को ध्यान से सुनना बहुत जरूरी होता है। अगर हम किसी भी चीज को ध्यान से सुनते हैं तो उसे बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। रेडियो,टेलीविज़न इत्यादि पर हिंदी भाषा की विभिन्न प्रस्तुतियां सुननी चाहिए।उच्चारण को लेकर भी सावधान रहें, क्योंकि किसी शब्द को गलत बोलने की आदत हमारे लिखने के तरीके को भी प्रभावित करती है। भाषा को पढ़ने से हमें शब्द या अक्षर के असल रूप का पता चलता है, अगर हम किसी भी वाक्य को ठीक से पढ़ने की कोशिश करेंगे तो वैसा ही बोलेंगे और लिखने में गलतियों की संभावना कम हो जाएगी। अंतिम चरण आता है लिखना अगर कोई भी मनुष्य बिना गलती के हिंदी लिखना चाहते हैं तो पहले सुनने, पढ़ने और बोलने का ध्यान रखें। प्रतिदिन नवीन शब्द सीखें और व्याकरण के नियमों को अच्छी तरह समझें । क्योंकि इससे आपके विचार अधिक स्पष्ट और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त होंगे। हिंदी की अच्छी किताबें तथा व्याकरण का गहन रूप से अध्ययन करना चाहिए। अतः हिंदी हमारी राजभाषा है हमें इसका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

लकेश चंदेल
बिलासपुर।

शिक्षा के नए युग की ओर अग्रसर हिमाचल

नई तैयारी, नया संकल्प

हिमाचल की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन

हाल ही में हिमाचल का अधिकांश भूभाग भयंकर मानसून आपदा की चपेट में आया, जिससे जनजीवन के साथ-साथ राज्य की शिक्षा व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई। विद्यालय बंद हो गए, कई छात्र लंबे समय तक कक्षाओं से दूर रहे, लेकिन इस अंधकार के बाद अब एक नई रोशनी की शुरुआत हो चुकी है। इस परिवर्तन के पीछे प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा और संकल्प के साथ कई प्रभावशाली कदम उठाए हैं। रोहित के नेतृत्व में शिक्षा विभाग ने न केवल आपदा से प्रभावित छात्रों की पढ़ाई की भरपाई के लिए विशेष योजनाएं शुरू की हैं, बल्कि शिक्षकों के लिए भी नई दिशा प्रदान की है। उनके प्रयासों के कारण आज शिक्षा केवल पठन-पाठन तक सीमित नहीं रह गई, बल्कि यह तकनीक, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास से भी जुड़ चुकी है। राज्य सरकार ने एक 'नई तैयारी' के तहत समग्र रणनीति बनाई है, जिसके अंतर्गत सभी सरकारी स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाएं शुरू की जा रही हैं। यह पहल केवल कुछ स्कूलों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे प्रदेशव्यापी स्तर पर लागू किया गया है। इन विशेष कक्षाओं में छात्रों को उनकी छूटी हुई पढ़ाई की भरपाई करवाई जा रही है और इसके लिए विशेष शिक्षकों की टीमें गठित की गई हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ अकादमिक सहायता देना नहीं, बल्कि छात्रों को मानसिक रूप से भी संबल प्रदान करना है, ताकि वे आपदा के प्रभाव से उबर सकें। आज हिमाचल प्रदेश शिक्षा के एक नए युग की ओर अग्रसर है। शिक्षा मंत्री के नेतृत्व में किए गए प्रयास यह दर्शाते हैं कि यदि समर्पण और योजना साथ हो, तो शिक्षा का सूर्य फिर से चमक सकता है और इस बार पहले से भी अधिक तेज।

ज्योति, असिस्टेंट प्रोफेसर, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज अर्की।

शिक्षा में तकनीक और नवाचार की नई लहर

शिक्षा मंत्री रोहित के नेतृत्व में राज्य में आधुनिक तकनीक को शिक्षा से जोड़ने का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग टूल्स और शिक्षकों को तकनीकी प्रशिक्षण जैसे कदमों ने हिमाचल की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक रूप दिया है। इससे न केवल छात्र लाभान्वित हो रहे हैं, बल्कि शिक्षकों के लिए भी यह एक उन्नति का अवसर बन रहा है। सरकार की यह सोच स्पष्ट है आपदा को अवसर में बदलना। रोहित ठाकुर और उनकी टीम ने यह साबित किया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता हो, तो किसी भी संकट को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और विकास का आधार बनाया जा सकता है। यह पहल न केवल हिमाचल के छात्रों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक प्रेरणा बन सकती है।

प्रस्तुतिः सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।

ज्ञान की बात

- भारत के किस राज्य की सीमा चीन, नेपाल और भूटान तीनों से लगती है?
  -सिक्किम
- बागमती नदी किस भारतीय राज्य से होकर बहती है?
  -बिहार
- भाषा के आधार पर गठित होने वाला पहला राज्य कौन सा था?
  -आंध्र प्रदेश
- दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रफल के हिसाब से देश कौन सा था?
  -रूस
- दुनिया का सबसे बड़ा शहर जनसंख्या के हिसाब से कौन सा है?
  -टोक्यो
- सूर्य का मुख्य तत्व कौन सा है?
  -हाइड्रोजन
- मानव शरीर में कौन सा अंग रक्त पंप के लिए जिम्मेदार है?
  -हृदय

यातायात नियमों की अवहेलना पड़ रही भारी, बिना हेलमेट दौड़ने पर 700 से अधिक पर कार्रवाई

धर्मशाला में हर दिन हो रहे 80 से अधिक के चालान

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान

धर्मशाला। सड़क सुरक्षा के लिए पुलिस की ओर से यातायात नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद लोग नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं।

ऐसे लोगों पर पुलिस की ओर से शिकंजा भी कसा जा रहा है, इसी का परिणाम है कि जिला मुख्यालय धर्मशाला में हर दिन 80 से अधिक चालान, यातायात नियमों की अवहेलना के चलते हो रहे हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या बिना हेल्मेट दोपहिया वाहन दौड़ाने वालों की है। इसके साथ पुलिस द्वारा धर्मशाला के संपर्क मार्गों पर रैश ड्राइविंग व स्टंटबाजी करने वालों पर नजर रखी जा रही है। यातायात नियमों के प्रति जागरूकता को अभियान चलाए जाते हैं। इसके बावजूद दोपहिया वाहन चालकों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए वाहन दौड़ाए जा रहे हैं।

दस दिन में 810 चालान : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार धर्मशाला में पिछले दस दिनों में 810 के करीब चालान किए गए हैं। इनमें ओवरस्पीडिंग के 72, ट्रिपल राइडिंग के 23, जबकि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के 700 से अधिक चालान किए गए हैं।

पांच सक्रिय और दो आईटीएमएस की टेस्टिंग

शहर में 7 इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) स्थापित किए गए हैं। जिनमें से 5 आईटीएमएस सक्रिय हैं, जबकि दो की टेस्टिंग चल रही है। सभी आईटीएमएस के सक्रिय होने से यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर शिकंजा और कड़ा हो जाएगा।

बाइकर्स पर रखी जा रही नजर

यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले बाइकर्स पर नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में जिला पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न संपर्क मार्गों पर रैश ड्राइविंग व स्टंट करने वालों की बाइक जब्त भी की गई हैं।

धर्मशाला शहर में पिछले दस दिनों में 810 चालान यातायात नियमों की अवहेलना के चलते किए गए। शहर में 7 इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) स्थापित किए गए हैं। इनमें से 5 आईटीएमएस सक्रिय हैं, जबकि दो की टेस्टिंग चल रही है।

-हितेष लखनपाल, एएसपी, जिला कांगड़ा

दसवीं कक्षा का पुनर्मूल्यांकन पुनर्निरीक्षण का रिजल्ट घोषित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से मार्च, 2025 में संचालित की गई 10 वीं कक्षा की नियमित परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन/पुनर्निरीक्षण का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया है। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि पुनर्मूल्यांकन/पुनर्निरीक्षण का यह परिणाम आवेदनकर्ता स्कूल शिक्षा बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पुनर्मूल्यांकन के परिणाम के बाद जिन परीक्षार्थियों के कुल अंकों में बढ़ोतरी हुई है और जिन्होंने अपने मूल प्रमाण पत्र बोर्ड कार्यालय से प्राप्त कर लिए हैं। ऐसे परीक्षार्थी अपना मूल प्रमाण पत्र पुनर्मूल्यांकन परिणाम घोषित होने के बाद 18 सितंबर तक 10वीं कक्षा की संबंधित परीक्षा शाखाओं में जमा करवा सकते हैं। उन्हें संशोधित मूल प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। जबकि अधिक जानकारी के लिए परीक्षार्थी शाखाओं के दूरभाष नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

धर्मशाला में विद्युत बोर्ड को बारिश से 1 करोड़ का नुकसान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

विद्युत मंडल धर्मशाला के तहत बरसात के दौरान पोर्टल पर अपलोड नुकसान का आंकड़ा 60 लाख रुपए के लगभग है, जिसमें बोर्ड के ट्रांसफार्मर, खंभे, कंडक्टर, सिविल पार्टस का नुकसान हुआ है, जबकि सही मायने में बोर्ड को करीब एक करोड़ रुपए के नुकसान आंका गया है।

विद्युत बोर्ड धर्मशाला के एक्सईएन विकास ठाकुर ने बताया कि ज्यादा नुकसान पेड़ भूस्खलन के चलते पेड़ गिरने की वजह से हुआ है। कालापुल के पास 33 केवी के तीन नेटवर्क हैं। धर्मशाला बस स्टैंड के नीचे सुधेड़ एरिया सिंक कर गया है, जिसके चलते 33 केवी की लाइन प्रभावित हुई है, जिसे रिस्टोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा मैक्लोडगंज बाईपास से जहां से कोतवाली बाजार व मैक्लोडगंज को सप्लाई थी, वहां भी नुकसान हुआ था, जिसे एक दिन के भीतर सुचारु किया गया है। खड़ा डंडा मार्ग पर तीन से चार पेड़ एक दिन में गिरने से 5 से छह खंभे बदलने पड़े थे। दाड़नू और कंडी एरिया में भूमि धंसी है। इसके अलावा जहां भी भूमि धंसी है, वहां नुकसान ज्यादा हुआ है।

नंगल चौक गांव में 70 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

अनंत ज्ञान, परागपुर। डॉक्टर विजय जरियाल के नेतृत्व में बुधवार को पंचायत नंगल चौक गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल 70 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें से 35 मरीजों के लैब परीक्षण भी किए गए। जांच के दौरान 15 मरीज हड्डियों के रोगी, 9 शुगर के रोगी, 12 बीपी के मरीज और 3 स्त्री रोगी पाए गए। इसके अतिरिक्त 31 साधारण रोगियों का भी उपचार किया गया।

हैप्पी बर्थडे

अनसुई के आरव चौधरी को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

कांगड़ा के साहिल को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर किए 58 शिक्षक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा जिले में डिनोटिफाई व मर्ज किए गए प्राइमरी स्कूलों के जेबीटी शिक्षकों को मर्ज व विभिन्न स्कूलों में रिक्त चल रहे खाली पदों में तबादले किए गए हैं। प्रारंभिक शिक्षा विभाग कांगड़ा की ओर से 58 शिक्षकों के तबादला आदेश जारी किए गए हैं, जिन्हें निर्धारित समय पर संबंधित स्कूलों में ज्वॉइन करना होगा। जिले में तीन पूरी तरह से बंद किए गए स्कूलों में से कंडी घराना, चौगान थेठी व चुलारी स्कूल के जबीटी शिक्षकों को स्कूलों में रिक्त पदों में ट्रांसफर किया गया है।

इसके अलावा जिला के 55 मर्ज प्राइमरी स्कूलों के जेबीटी व हेड टिचरों को भी विभिन्न रिक्त चल रहे स्कूलों में तबादले आदेश जारी किए गए हैं। उधर, प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कांगड़ा अजय सिंह सम्बयाल ने बताया कि मर्ज व डिनोटिफाई स्कूलों के शिक्षकों के रिक्त चल रहे पदों में तबादला आदेश जारी किए गए हैं। संबंधित स्कूलों में शिक्षकों को निर्धारित समय में ज्वॉइन कर अपनी सेवाएं प्रदान करनी होगी।

37 क्लस्टरों में लागू होगी हिम कृषि योजना

कांगड़ा जिले में बढ़ेगी किसानों की आय : डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमकृषि योजना से संबंधित आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा।

हिमकृषि योजना से संबंधित एक बैठक का आयोजन बुधवार को डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में किया गया। डीसी कार्यालय के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस बैठक में डीसी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग के माध्यम से चलाई जा रही हिमकृषि योजना एक ऐसी योजना है, जिसमें किसानों की कृषि से संबंधित उन समस्याओं का भी हल किया जाएगा।

इसके लिए कृषि विभाग की अन्य योजनाओं में प्रावधान नहीं है। डीसी हेमराज बैरवा ने बताया कि हिमकृषि योजना के तहत कांगड़ा जिले के प्रत्येक विकास में लगभग 40 बीघा क्षेत्रफल के 2-3 क्लस्टर चयनित किए गए हैं। इस योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार हिमकृषि योजना के तहत जिले में 37 क्लस्टर चयनित किए गए हैं, जिनमें किसानों की आवश्यकता के अनुसार बीज, कृषि उपकरण इत्यादि उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि उस क्लस्टर में फसल विविधीकरण मुख्यता सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जाए, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस प्रकार हिमकृषि योजना के तहत जिला कांगड़ा में इस वर्ष 235.44 लाख रुपए खर्च करने के लिए वार्षिक कार्य योजना अनुमोदित की गई है। डीसी ने कहा कि इस योजना के तहत जो भी कार्य किए जाएंगे, उनकी रुपरेखा क्लस्टर स्तर की कमेटी द्वारा बनाई गई है। इसमें कृषि प्रसार अधिकारियों के साथ-साथ उस क्लस्टर के किसान भी सदस्य हैं, इसलिए क्लस्टर कमेटी के सदस्य उस क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हुए कृषि कार्यों की रुपरेखा तैयार करें। इसमें क्लस्टर स्तर की कमेटियों द्वारा यह प्रयास किया जाना चाहिए कि युवा किसानों को खेती से और अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त करने का मौका मिले।

पीएम मोदी का चीन दौरा सकारात्मक संकेत: खरिमेय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कोर ग्रुप ऑफ तिब्बत कॉज ऑल इंडिया की ओर से बुधवार को धर्मशाला में भारत-तिब्बत-चीन संबंधों को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद आरके खरिमेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में चीन दौरे पर गए थे और यह पड़ोसी देशों के बीच संबंधों की मजबूती का सकारात्मक संकेत है। भारत में हर जगह तिब्बती लोग रहते हैं और वे लगातार अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनका उद्देश्य अपनी इज्जत और प्रतिष्ठा के साथ तिब्बत में वापसी करना है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने हमेशा तिब्बती समुदाय का समर्थन किया है और कोर ग्रुप ऑफ तिब्बत कॉज आल इंडिया इस आंदोलन में लगातार उनके साथ खड़ा है। खरिमेय ने जानकारी दी कि संगठन ने लिखित रूप से भारत सरकार से तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा को भारत रत्न देने की मांग की है। इसके लिए लाखों लोगों ने अपने हस्ताक्षर कर सरकार को सौंपे हैं। दलाईलामा को भारत रत्न दिलाने की लड़ाई पिछले दो-तीन सालों से जारी है।

आपदा प्रभावितों को भेजी राहत सामग्री

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। चंबा में हुई भारी त्रासदी के प्रभावितों को भाजपा बैजनाथ ने पूर्व विधायक मुल्खराज प्रेमी के नेतृत्व में राहत सामग्री चंबा भेजी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष पवन चौधरी, लोअर मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र राणा, अपर मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कपूर, संजीव सकलानी, अंजू कटोच, सुनील चौहान, जिला परिषद सदस्य अनिल कटोच, कुलदीप राणा, राकेश मैहरा, अजय जम्वाल, नितीश शर्मा, अंकुश कुमार, विनोद जोशी, रणजीत सिंह, रमेश शर्मा, रणजीत भिहोटिया, आशुतोष छावड़ा और रोहित कौशल आदि लोग उपस्थित रहे।

मां की मौत के अगले दिन बेटे का निधन

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। फतेहपुर ब्लॉक के तहत जगनोली गांव में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव की एक महिला के निधन के एक दिन बाद बुधवार को उसके बेटे की भी मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। जानकारी के अनुसार 50 वर्षीय गणेश, जो दिहाड़ी मजदूर थे, उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे तुरंत सिविल अस्पताल फतेहपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गणेश की मां का निधन बीते दिन ही हुआ था। गणेश लंबे समय तक दिल्ली में नौकरी करते रहे, लेकिन कुछ वर्षों से घर पर रहकर दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। गांव में मां-बेटे के चले जाने से गहरा शोक है और हर कोई इस घटना से व्यथित है।

गरली में भारी बारिश से मकान क्षतिग्रस्त

शालबिया शर्मा, अनंत ज्ञान, गरली। गरली पंचायत के वार्ड नंबर दो में भारी बारिश के कारण रतेश कुमार पुत्र रक्सपाल ठाकुर का स्लेटपोश मकान क्षतिग्रसत हो गया है। मकान की पिछली दीवार गिर गई है और बाकी दीवारों में भी बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। पांच सदस्यीय परिवार को अपना सामान पड़ोसी भाई के घर में रखना पड़ा और अब यह परिवार बरसात की रातें खुले आसमान तले गुजारने को मजबूर है। मकान मालिक रतेश कुमार की आंखों में चिंता साफ झलक रही है। प्रधान शशिलता ने जर्जर मकान का जायजा लिया। इसी वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र के पास अश्विनी कुमार की दुकान से सटे हुए मिट्टी का डंगा भी ढह चुका है। इस डंगे पर लगा बिजली का ट्रांसफॉर्मर अब खतरनाक स्थिति में है। यदि बारिश तेज हुई तो ट्रांसफॉर्मर गिर सकता है और पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था ठप हो जाएगी। पंचायत प्रधान ने इस बाबत विद्युत बोर्ड को सूचना भेज दी है।

स्काउट्स एंड गाइड्स एसोसिएशन ने की बैठक

अनंत ज्ञान, शाहपुर। द्रोणाचार्य शिक्षण महाविद्यालय रैत में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स एसोसिएशन जिला कांगड़ा की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता महाविद्यालय कार्यकारिणी निदेशक डॉ. बीएस पठानिया ने की। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन के कार्यों पर चर्चा की। इस बैठक के मुख्य एजेंडों में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स एसोसिएशन की भूमिका और गतिविधियों की जानकारी राज्य सचिव पुष्प राज शर्मा द्वारा दी गई, उसमें यूनिट लीडर्स (स्काउट मास्टर्स/गाइड कैप्टेन्स) के प्रशिक्षण संबंधी निर्णय लिए गए। वहीं, ग्रुप लीडर्स (मैनेजिंग डायरेक्टर्स/मैनेजर्स/प्रिंसिपल्स) के लिए प्रशिक्षण प्रस्तावित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए गतिविधियां (स्काउट्स एवं गाइड्स) जैसे ट्रैकिंग, हाइकिंग, फर्स्ट एड, सामाजिक प्रोजेक्ट्स इत्यादि पर चर्चा की गई। प्रशिक्षित वयस्कों की उन्नति संबंधी सुझावों पर विचार हुआ। वर्ष 2025-26 के लिए गतिविधियों की रूपरेखा और तिथियों पर विचार किया गया और जिला कांगड़ा एवं जिला चंबा की नई कार्यकारिणी का चुनाव अक्तूबर में करवाने का निर्णय लिया गया। इसमें अन्य बिंदुओं पर सदस्यों से अनुमति प्राप्त कर चर्चा की गई।

मौसम साफ होते ही दिखा खूबसूरत नजारा...

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला में लगातार हो रही बारिश के बाद बुधवार दोपहर को आखिरकार थोड़ी देर के लिए बारिश थम गई। मौसम साफ होते ही धर्मशाला से दिखने वाला नजारा देखते ही बन रहा था। चारों ओर फैले पहाड़ बादलों से घिरे हुए थे। वहीं, दूसरी ओर धर्मशाला से दूर चमकता हुआ पौंग डैम का बढ़ता जल स्तर स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बारिश के थमने के बाद पहाड़ों पर छाए बादल और नीचे बहता पानी मानो प्राकृतिक खूबसूरती का अद्भुत संगम पेश कर रहे थे

बीबीएमबी अधिकारी और कर्मचारी देंगे 1 दिन का वेतन

बाढ़ पीड़ितों की करेंगे मदद

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पंजाब और हिमाचल प्रदेश में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने सराहनीय कदम उठाया है। बीबीएमबी ने निर्णय लिया है कि सितंबर माह में सभी अधिकारी और कर्मचारी (नियमित व कॉन्ट्रैक्ट आधारित, पेस्को कर्मचारियों को छोडक़र) अपने वेतन का एक दिन का हिस्सा राहत कार्यों के लिए देंगे। विशेष सचिव अजय कुमार शर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 3 सितंबर को कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटकर इसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश राहत कोष में 50:50 अनुपात में जमा कराया जाएगा। यह संपूर्ण राशि 4 सितंबर तक दोनों राज्यों के राहत कोष में स्थानांतरित कर दी जाएगी। गौर करने वाली बात है कि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी गई यह राशि आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत 100 प्रतिशत छूट के योग्य होगी। इस निर्णय को लेकर बीबीएमबी कर्मचारियों और अधिकारियों में भी संतोष है कि उनके सहयोग से बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने में मदद मिल सकेगी।

तीन सौ हेक्टेयर में दो लाख पौधों का रोपण

जायका प्रोजेक्ट के तहत 140 हेक्टेयर में रोपित हो रहे पौधे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला वन मंडल के तहत चार वन रेंज आती है। इसमें वन महोत्सव के 300 हेक्टेयर में पौधरोपण का लक्ष्य था, जिसमें करीब 2 लाख से अधिक पौधे रोपित किए गए हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत 28 हेक्टेयर, प्रतिस्पर्धी वन रोपण योजना के तहत 67 हेक्टेयर में पौधरोपण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना के तहत 10 हेक्टेयर एरिया, राज्य की योजना बैकवर्ड एरिया सब प्लान और डिपार्टमेंटल स्टेट फारेस्ट्री प्रोग्राम के तहत 25 हेक्टेयर एरिया और कैम्पा के तहत 30 हेक्टेयर एरिया में पौधरोपण किया जा रहा है। इसके अलावा वन मंडल धर्मशाला के तहत रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट के तहत 140 हेक्टेयर में पौधरोपण किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार के दिशानिर्देशों के तहत लोगों की डिमांड अनुरूप पौधों का रोपण किया जाता है, जिसके तहत चारे और औषधीय पौधेरोपित किए जाते हैं। मंडल के तहत कुल पौधरोपण में 70 फीसदी के करीब पौधे चारे और औषधीय पौधे लगाए जाते हैं। उधर, डीएफओ वन मंडल धर्मशाला राहुल शर्मा ने बताया कि मंडल के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत 300 हेक्टेयर एरिया में पौधारोपण का लक्ष्य था, जिसमें 2 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

जायजा मेडिकल टीम ने की स्वास्थ्य जांच व दवाइयां वितरित, मंड क्षेत्र में बनी हुई है बाढ़ की गंभीर स्थिति

विधायक मलेंद्र ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

विधायक मलेंद्र राजन ने बाढ़ प्रभावित मंड इंदौरा और मंड मियांणी क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से मुलाकात की।

बोट-ट्रैक्टर से बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे विधायक

इंदौरा। इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित मंड इंदौरा और मंड मियांणी क्षेत्रों का दौरा किया। ये क्षेत्र बाढ़ के कारण अन्य इलाकों से बिलकुल कट चुके हैं। विधायक एनडीआरएफ की बोट और ट्रैक्टर पर सवार होकर प्रभावित इलाकों तक पहुंचे और स्थानीय लोगों से मुलाकात की।

बीएमओ इंदौरा व उनकी संयुक्त मेडिकल टीम ने प्रभावित परिवारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक दवाइयां वितरित कीं। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार इस आपदा की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश और पंडोह बांध से पानी छोड़े जाने के कारण पौंग बांध का जलस्तर 1394 फुट से ऊपर पहुंच चुका है और बांध से लगातार पानी छोड़े जाने से मंड क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें भोजन, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं और आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। एनडीआरएफ और प्रशासन की टीमें लगातार राहत व बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। बाढ़ से लोगों के घरों, फसलों और पशुओं को नुकसान हुआ है। सड़कें, पुलिया, पेयजल योजनाएं और बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई हैं। विधायक ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता और शीघ्र मुआवजा उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

साथ ही उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि किसी भी प्रभावित व्यक्ति को राहत व सहायता से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि वे लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि समय पर मदद पहुंचाई जा सके। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और खतरे वाले क्षेत्रों से दूर रहें।

किसान उद्यमिता के अवसर पाने के लिए हाइड्रोपोनिक्स को अपनाएं : प्रो. नवीन

कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में 20 किसानों को दिया प्रशिक्षण

अजय पाल, अनंत ज्ञान

प्रो. नवीन कुमार ने किया हाइड्रोपोनिक्स विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन।

पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. नवीन कुमार ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना के तहत सतत सब्जी खेती और उद्यमिता के अवसरों के लिए हाइड्रोपोनिक्स विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रो. नवीन ने साल भर सब्जी उत्पादन सुनिश्चित करने, संसाधनों के संरक्षण और युवाओं एवं प्रगतिशील किसानों के लिए उद्यमिता के अवसर पैदा करने में हाइड्रोपोनिक्स के महत्व पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष प्रो. देशराज चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। परियोजना के प्रमुख अन्वेषक, प्रो. परवीन शर्मा ने अपनी टीम के साथ 20 किसानों को हाइड्रोपोनिक सब्जी उत्पादन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों ने डॉ. शर्मा के मार्गदर्शन में कार्यरत पीएचडी स्कॉलर अंकित कुमार ने भी अपने चल रहे शोध से व्यावहारिक जानकारी साझा की। किसानों ने हाइड्रोपोनिक विधियों को अपनाने में गहरी रुचि व्यक्त की। प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों को उर्वरक, गुणवत्तापूर्ण बीज और मिट्टी रहित परिस्थितियों में उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों के व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किए गए। चेरी टमाटर, शिमला मिर्च और लेट्यूस जैसी फसलों का प्रदर्शन किया गया, जिससे आधुनिक सब्जी उत्पादन में हाइड्रोपोनिक तकनीकों की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

श्रद्धालुओं को सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता : विक्रमादित्य

बोले-तारा देवी मंदिर में पार्किंग की अतिरिक्त सुविधा तलाशी जाएगी, संकट मोचन मंदिर में अतिरिक्त सुविधाएं करवाई जाएंगी मुहैया

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को तारा देवी मंदिर परिसर में श्री तारा देवी मंदिर न्यास और संकट मोचन मंदिर न्यास की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है और मंदिर प्रबंधन समय-समय पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करता रहेगा। शिमला के दोनों प्रसिद्ध मंदिर हर साल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनते हैं, इसलिए उनके विकास कार्यों में बजट की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

बैठक में बताया गया कि संकट मोचन मंदिर के पास 18 बीघा भूमि और करीब एक करोड़ रुपए की सालाना आय है। पुजारियों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार आधारित प्रक्रिया तैयार कर सरकार को भेजी जाएगी और तब तक अस्थायी नियुक्तियां की जाएंगी।

कीर्तन हाल और आवासों की मरम्मत, मंदिर के मुख्य द्वार पर लोहे का गेट, बाबा नीब करौरी जी महाराज मंदिर में लकड़ी कार्य की अनुमति तथा अत्याधुनिक कम्युनिटी हॉल के निर्माण का भी निर्णय लिया गया। मंत्री ने कहा कि तारा देवी मंदिर में पार्किंग की समस्या सबसे बड़ी चुनौती है।

मौजूदा पार्किंग के साथ लगती भूमि में अतिरिक्त पार्किंग बनाने की संभावनाएं तलाशने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया, साथ ही टॉयलेट ब्लॉक निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके अलावा 50 लाख रुपए की लागत से कुश्ती अखाड़ा बनाने का निर्णय हुआ, जिसके लिए मंत्री ने विधायक निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की।

पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर विकासात्मक कार्यों का जायजा लेते हुए।

स्वास्थ्य केंद्र और बस स्टैंड का किया निरीक्षण

बैठक के बाद मंत्री ने शोघी में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य का निरीक्षण किया। 13.75 करोड़ की लागत से सात मंजिला भवन बन रहा है जिसमें 30 बेड और स्टाफ आवास की सुविधा होगी। अब तक 7.50 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं और मंत्री ने शेष राशि शीघ्र जारी करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा शोघी में प्रस्तावित बस स्टैंड स्थल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया तुरंत पूरी करने के निर्देश दिए।

आठ पंचायतों के हजारों लोगों को होगा लाभ

मंत्री ने कहा कि यह बस स्टैंड बनने से आठ पंचायतों के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा और शिमला शहर में जाम की समस्या कम होगी। इस अवसर पर एसडीएम शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा, न्यास सदस्य और स्थानीय पार्षद मौजूद रहे। मंत्री ने तारा देवी माता के चरणों में शीश नवाया और कहा कि आस्था और विकास का संतुलन हिमाचल की पहचान है।

विशेष ग्राम सभा की बैठकें 20 से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने जानकारी दी कि पंचायतीराज संस्थाओं के आगामी सामान्य निर्वाचन की तैयारियों के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 20 से 26 सितंबर तक विशेष ग्राम सभा की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इनमें प्रारूप मतदाता सूचियों की प्रतियां जनसाधारण के समक्ष रखी जाएंगी, ताकि लोग स्वयं उनका अवलोकन कर सकें। इससे किसी भी प्रकार की त्रुटियों को चिन्हित करने और मतदाता सूचियों को अधिक सटीक बनाने का अवसर मिलेगा।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि इन बैठकों में पंचायत सचिव की उपस्थिति अनिवार्य होगी और बैठक की तिथि उनकी उपलब्धता के अनुसार निर्धारित की जाएगी। बैठक की कार्यवाही प्रतिभागियों के समक्ष तैयार कर आधिकारिक अभिलेख में दर्ज की जाएगी। यदि मतदाता सूचियों के प्रारूप में किसी प्रकार की विसंगतियां पाई जाती हैं तो उनका उल्लेख बैठक में किया जाएगा तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।

युवा कांग्रेस ने सीएम और उनकी माता के अपमान पर जताई कड़ी आपत्ति

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश युवा कांग्रेस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिमला को लिखित शिकायत सौंपी है। इसमें फेसबुक पर रंजीत सिंह नामक व्यक्ति द्वारा मुख्यमंत्री सुक्खू और उनकी माता के प्रति की गई अभद्र और मानहानिकारक टिप्पणी को गंभीर बताया गया। युवा कांग्रेस ने इसे केवल मुख्यमंत्री और उनके परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की जनता की भावनाओं का अपमान करार दिया।

शिकायत सौंपते युवा कांग्रेस के पदाधिकारी।

युवा कांग्रेस महासचिव डॉ. रंजीत सिंह वर्मा, अजय ठाकुर और सचिन ठाकुर ने बताया कि आरोपी का कृत्य भारतीय दंड संहिता की धाराओं 294, 500, 501, 504, 505 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं 66 एवं 67 के तहत दंडनीय है। पार्टी ने पुलिस से तुरंत एफआईआर दर्ज करने और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

युवा कांग्रेस ने स्पष्ट संदेश दिया कि मुख्यमंत्री सुक्खू और उनके परिवार के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र टिप्पणी या असम्मानजनक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शिमला एनएच-5 पर निजी बस पर चट्टानें गिरने से दो महिलाओं की मौत

हादसे में तहस-नहस हुई निजी बस में सफर कर रहे 15 यात्रियों को चोटें लगी हैं।

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। प्रदेश में प्राकृतिक आपदाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार को शिमला जिले के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर बिथल के समीप कालीमिट्टी क्षेत्र में एक निजी बस एचपी 63ए-1891, विशाल ट्रैवल्स पर अचानक भारी चट्टानें गिर पड़ीं। देखते ही देखते बस क्षत-विक्षत हो गई और यात्रियों में हाहाकार मच गया। इस घटना में महाराष्ट्र निवासी लक्ष्मी विरानी पुत्री रामचरण तथा नेपाली मूल की एक महिला की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

इस दुर्घटना में पंद्रह से अधिक यात्री घायल हुए हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के पश्चात सिविल अस्पताल कुमारसैन तथा महात्मा गांधी चिकित्सा सेवा परिसर, खनेरी स्थानांतरित किया गया है। कुछ घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस एवं प्रशासनिक दल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटे रहे। हादसे के चलते यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा, जिसे बाद में सुचारु कर लिया गया।

भाजपा संजौली मंडल ने रामचंद्र चौक भूस्खलन का लिया जायजा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।

बेनमौर वार्ड में रामचंद्र चौक के समीप भूस्खलन से हुए भारी नुकसान का जायजा लेने भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव चौहान, प्रत्याशी संजय सूद, प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष संजीव दृष्टा, पूर्व पार्षद किमी सूद, शुभ महाजन, पीयूष नेगी और जोगिंदर चौहान मौके पर पहुंचे।

भाजपा नेताओं ने प्रशासन से बात कर इस नुकसान से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्थितियां काफी नाजुक हैं और प्रशासन को 24 घंटे इस स्थान की निगरानी करनी चाहिए। प्रत्याशी संजय सूद ने बताया कि पिछले साल भी इसी स्थान पर नुकसान हुआ था, लेकिन लाखों रुपए खर्च कर किए गए डंगे पर्याप्त गुणवत्ता के नहीं लगाए।

इससे इस बार फिर जनता को परेशानी उठानी पड़ी। मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने प्रशासन से निवेदन किया कि जो लोग अभी भी वहां रह रहे हैं, उन्हें सरकारी मकान प्रदान कर अन्य स्थान पर स्थानांतरण करना चाहिए, जो जनता की प्रमुख मांग है।

भाजपा नेता रामचंद्र चौक में भी नुकसान का जायजा लेते हुए।

अर्णव ने ताइक्वांडो नेशनल में जीता ब्रॉन्ज मेडल

दशमी रावत, अनंत ज्ञान

रोहड़ू। 28 अगस्त से 2 सितंबर तक जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कटक, ओड़िशा में आयोजित चौथी इंडिया ताइक्वांडो सब जूनियर व सीनियर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए सब जूनियर वर्ग के अंडर 25 किलोग्राम वर्ग के अर्णव सैनी इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल प्रदेश की झोली में डाला है।

अर्णव मुख्यतः जिला सोलन के बद्दी से संबंध रखता है, जो लगातार पिछले कई वर्षों से एमेच्योर हिमाचल प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन की मान्यता प्राप्त ताइक्वांडो अकादमी लीजेंड मार्शल आर्ट अकादमी में कोच समीर की देखरेख में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो कि प्रदेश के लिए गर्व की बात है। एमेच्योर हिमाचल प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित ठाकुर, निदेशक बलवंत जौहटा, टेक्निकल डायरेक्टर समीर कुमार, कोच भागीरथ ठाकुर और समस्त ताइक्वांडो हिमाचल परिवार ने शुभकामनाएं दी हैं।

अर्णव सैनी की फाइल फोटो

ललित ठाकुर ने कहा कि एमेच्योर हिमाचल प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन इंडिया ताइक्वांडो व अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन वर्ल्ड ताइक्वांडो की एकमात्र राज्य इकाई है। ताइक्वांडो खेल ओलंपिक व खेलों में नियमित खेले जाने वाला एकमात्र मार्शल आर्ट है। इसमें अभी तक अन्य राज्य की तरह हिमाचल में इतना प्रचार व प्रसार नहीं हो पाया है।

एमेच्योर हिमाचल प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा ताइक्वांडो के प्रचार एवं प्रसार के लिए जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। इसमें इस खेल को क्लब कल्चर के जरिए नई प्रतिभाओं को निखार कर देश व ओलंपिक एवं पैरालंपिक खेलों के लिए तैयार किया जाएगा, जल्द ही हिमाचल के खिलाड़ियों के क्लब कल्चर की पहली झलक देखने को मिलेगी। इसमें हर जिले के जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के साथ मिलकर मान्यता प्राप्त ताइक्वांडो अकादमी को सिधा खेलने का मौका मिलेगा और प्रशिक्षकों व टेक्निकल ऑफिशियल के लिए भी इस दौरान विशेष कोर्स करवाए जाएंगे।

मणिमहेश लंगर सेवा संपन्न, सुरक्षित लौटे सेवादार

भूपेश नड्डा, अनंत ज्ञान, घुमारवीं। भराड़ी स्थित श्री मणिमहेश लंगर कमेटी द्वारा यमकुंड में लगाए गए लंगर की सेवा 22 दिन बाद संपन्न हुई। 10 से 30 अगस्त तक चली इस सेवा में श्रद्धालुओं को भोजन और सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। भारी बारिश और भूस्खलन के चलते कमेटी ने 31 अगस्त को सेवा स्थगित करने का निर्णय लिया। इसके बाद 36 सेवादार 62 किलोमीटर पैदल चलकर चंबा पहुंचे और प्रशासन की मदद से सुरक्षित घर लौटे। टकरेड़ा पहुंचने पर शिवा युवक मंडल ने सेवादारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

अल्फा एजुकेशनल सोसायटी करेगी शिक्षकों का सम्मान

अनंत ज्ञान, बरठीं। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में अल्फा एजुकेशनल सोसायटी द्वारा अध्यापकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। यह निर्णय सोसायटी की हाल ही में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता समिति की प्रधान कृष्णी देवी ने की। अल्फा एजुकेशनल सोसायटी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने अधीन संचालित अल्फा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरठीं में कार्यरत अध्यापकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों को सम्मानित करेगी। सम्मान स्वरूप उन्हें विशेष उपहारों के साथ नकद राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाएगी। बैठक में समिति के उपप्रधान ठाकुरदास शर्मा, सचिव चंद्रलेखा, कोषाध्यक्ष सुमन शर्मा एवं कार्यकारिणी सदस्य कश्मीर सिंह मिन्हास, उर्मिला देवी, उपमा देवी, संतोष कुमारी, कपिल देव सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति का उद्देश्य उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ शिक्षकों का मनोबल बढ़ाना है।

वरिष्ठ नागरिक सभा भंडारी के निधन पर शोकग्रस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। वरिष्ठ नागरिक सभा बिलासपुर हिमाचल प्रदेश के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक आईडी भंडारी के निधन से शोकग्रस्त है। सभा के अध्यक्ष प्रो. जेएन मिश्रा व महासचिव मस्तराम वर्मा ने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि प्रदेश ने आईडी भंडारी के रूप में एक कर्तव्यनिष्ठ, साहसी, निर्भीक, मृदुभाषी अधिकारी खो दिया है। भंडारी के निधन से हर कोई दुखी है, जिनके जाने से प्रदेश को अपूर्णीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई कर पाना असंभव है। सभा ने जिला ऊना के वरिष्ठ नागरिक सभा के कोषाध्यक्ष संतोषगढ़ निवासी नरेश पराशर और जिला ऊना के ही सेवानिवृत्त उपनिदेशक राज्य एवं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी रमेश भारद्वाज के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया है। सभा के समस्त पदाधिकारियों रत्नलाल सांख्यान वरिष्ठ उपप्रधान, ओम प्रकाश गर्ग, मनमोहन भंडारी, राजपाल सरीन, प्रो. देवीराम चौहान, डॉ. जयराम शर्मा, बाबूराम शर्मा, ओंकार कपिल, राजपाल टाडू, इंदिरा कपिल, रक्षा टाडू, शशिबाला, कांता शर्मा, अरुण शर्मा, रछपाल सिंह, अब्दुल मजीद, राजेंद्र शर्मा, सुरेश नड्डा, प्रेमलाल, कृष्णलाल ठाकुर, डॉ. बीएन शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, जीतराम सुमन, सुमन शर्मा, अमरनाथ धीमान व सुशील पुंडीर ने भी शोकसंतप्त परिवारों से गहरी संवेदना व्यक्त की है।

पूर्व युकां जिलाध्यक्ष आशीष ने प्रभावितों से की मुलाकात

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आशीष ठाकुर ने मंगलवार को बेलना ब्राह्मणा पंचायत के बलड़ा गांव का दौरा कर बरसात से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। आशीष ठाकुर ने बताया कि बलड़ा गांव में राजेंद्र कुमार, मदन कुमार और नानकु राम के घरों के नीचे की भूमि धंस गई है, जिससे उनके परिवारों की जान-माल को खतरा बना हुआ है। हालात को देखते हुए तीनों परिवार अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दरिया किनारे की पूरी जमीन लगातार धंस रही है, जिससे क्षेत्र में बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा आशीष ठाकुर ने श्रीराम के घर का भी दौरा किया, जो बरसात की वजह से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। यह परिवार भी अब अस्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट हो गया है। प्रभावितों को आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें हरसंभव मदद दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर युवा कांग्रेस सदर के उपाध्यक्ष नरेश कुमार सहित रितेश कुमार, तारा देवी, नीलम कुमारी, राज कुमार, पूनम, तमना, सोमा और कई अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

पति-पत्नी के बीच सामंजस्य जरूरी : पं. चमन

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। शहर के बाबा विश्वकर्मा मंदिर में चल रहे गणेश कथा के छठे दिन कथा व्यास श्री चमन शर्मा ने कहा कि जो कोरोना बीमारी आई थी, वह महामारी के साथ-साथ एक जन सुधार व्यवस्था भी थी, जो प्रभु द्वारा की गई थी। दुनिया में जहां सब के पास प्रभु का सिमरन करने, बुजुर्ग माता-पिता का हाल पूछने का और इस प्रकृति को सहेजने का समय नहीं था, तब प्रभु ने सब को एकदम से अभी कार्यों से मुक्त कर दिया ताकि सभी लोग प्रभु का सिमरन करें और अपने पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों को निभा सकें। उन्होंने कहा कि घर में सुख-समृद्धि तभी आ सकती है, जब पति-पत्नी में पूर्ण सामंजस्य हो। यदि यह पहिये एक बराबर नहीं चलेंगे तो तलाक रूपी दुर्घटनाएं जो आज कल हो रही हैं, उनसे बचा जा सकता है। समिति के प्रधान मदन राणा ने बताया कि आज ठीक 4 बजे श्री गणेश विसर्जन लुहणू घाट में किया जाएगा, जिसमें आप सभी शहरवासी सादर आमंत्रित हैं।

बिलासपुर जिले में जरूरतमंदों के लिए मानवता की मिसाल बनी रेडक्रॉस सोसायटी

आपदा प्रभावितों को लगातार सहायता पहुंचा रहे समिति के सदस्य

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। जिला बिलासपुर में रेडक्रॉस सोसायटी लगातार मानवीय सेवाओं का नया आयाम गढ़ रही है। आपदा राहत से लेकर सामाजिक सरोकारों तक, संस्था की गतिविधियां जन-जन तक राहत और सहारा पहुंचाने का कार्य कर रही हैं।

आपदा के समय त्वरित मदद : हाल की भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाओं में रेडक्रॉस टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला। प्रभावित परिवारों को तिरपाल, कीचन सेट, बाल्टी, कंबल आदि वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा वालंटियर जिले के सभी स्थानों से वालंटियर के माध्यम से सूचना एकत्रित कर आपदा ग्रस्त लोगों को राहत पहुंचाने का काम कर रही है। व्यक्तिगत रूप से वालंटियर्स मदद कर रहे हैं।

आपदा रक्षक, रेडक्रॉस वालंटियर्स एवं आपदा मित्र और इंटर एजेंसी ग्रुप इसी प्रकार के व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित की जा रही हैं। डिस्ट्रिक्ट इंटर एजेंसी ग्रुप, जिसमें जिले की रेडक्रॉस सोसासटी, सत्या साईं समिति, निरंकारी मंडल बिलासपुर, राधा स्वामी, ब्रह्म कुमारी, वृद्धजन सभा बिलासपुर, मानव सेवा संस्थान बरठीं, कहलूर हिम्कल्प फाउंडेशन, पीपल फाउंडेशन घुमारवीं, मानव विकास संसथान, चेतना, सनातन सेवा समिति शाहतलाई, युवक मंडल मझेड़, युवक मंडल धारटटोह सहित अन्य संस्थाएं जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य कर रहे हैं।

मानवता के लिए सामाजिक कार्यक्रम : वृद्धजनों और दिव्यांग व्यक्तियों के सहयोग के लिए रेडक्रॉस सोसायटी के स्पर्श कार्यक्रम के माध्यम से काम कर रही है, जिसमें जिले के दूर दराज की 76 पंचायतों के 19 क्लस्टर बनाए हैं, जहां पर अलिमकों के सहयोग से सहायक उपकरण उपलब्ध करवा रही है। अभी तक 800 दिव्यांग और वृद्ध लोगों को सहायक उपकरण दिए जा चुके हैं।

आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करते रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य।

क्या बोले अध्यक्ष

रेडक्रॉस सोसायटी बिलासपुर के अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुंचे। चाहे आपदा राहत हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों या सामाजिक उत्थान के कार्य, संस्था हमेशा अग्रसर रही है और आगे भी पूरी निष्ठा के साथ सेवा करती रहेगी। हमारा संकल्प है कि किसी भी आपात स्थिति में कोई भी परिवार असहाय न रहे। समाज की सामूहिक भागीदारी से ही हम इन मानवीय सेवाओं को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में क्या है योगदान

रेडक्रॉस द्वारा नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किए जाते हैं। हाल ही में आयोजित शिविर में 150 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो जिला अस्पताल और जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदान साबित होगा। इसके अलावा निशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप और दवाइयों का वितरण भी किया गया।

शिक्षा, जागरूकता अभियान

स्कूली बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा, स्वच्छता और नशा उन्मूलन पर विशेष अभियान चलाए गए। युवाओं को समाजसेवा से जोड़ने के लिए 'यूथ रेडक्रॉस और जूनियर रेडक्रॉस' सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

बुजुर्गों के लिए रेडक्रॉस सोसायटी लगाएगी 4 कैंप

वृद्धजनों के लिए आई स्क्रीनिंग 4 कैंप क्रमशः 5 सितंबर को पंचायत स्लाओं (घुमारवीं), 9 सितंबर को श्री साईं मंदिर धरोटी (झंडूता), 11 सितंबर को मातृ अंचल गेस्ट हाउस श्री नयना देवी जी, डाइट जुखाला में लोकल सायर मेले के दौरान 16 सितंबर को लगाया लगाए जा रहे हैं, जिनमें मोतिया बिंद से प्रभावित लोगों को पहचान कर उनकी आखों का इलाज करवाया जाएगा। यह कार्यक्रम निदेशक सनाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से किया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल अवेयरनेस और आयु के कारण वृद्धजनों में मेंटल इलनेस को समझने के लिए केयर गिवर को प्रशिक्षण इत्यादि उपलब्ध करवाए जाते हैं।

झंडूता तहसील कार्यालय की छत टपकने से परेशानी

गोपाल कपिल, अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता उपमंडल के आनंदघाट में स्थित तहसील कार्यालय की छत भारी बारिश के कारण बुरी तरह टपक रही है। छत की जर्जर स्थिति के चलते कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों और काम करवाने आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को कार्यालय के अंदर भी छाता लेकर अपना काम करवाना पड़ रहा है। कार्यालय में पानी टपकने से महत्वपूर्ण दस्तावेजों के खराब होने का भी खतरा बना हुआ है। इस संबंध में झंडूता की तहसीलदार कुनिका अर्ष ने बताया कि छत की मरम्मत के लिए फंड का इंतजार किया जा रहा है।

भारी बारिश से पखर में श्याम लाल का घर क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, शाहतलाई। विकास खंड झंडूता की पंचायत धनी के गांव पखर में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। गांव निवासी श्याम लाल सुपुत्र गुलाबा राम का मकान और आस-पास की जमीन बारिश के चलते बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जमीन में गहरी दरारें पड़ गई हैं, जिससे घर पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच गया है। श्याम लाल, जो एक बेहद गरीब परिवार से संबंध रखते हैं, ने बताया कि हमारा सारा सामान उठाकर पड़ोसियों के घर में शरण लेनी पड़ी। स्थानीय पंचायत उप-प्रधान मुकेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रशासन से इस गरीब परिवार के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की। त्रासदी की घड़ी में मिनर्वा स्टडी सर्कल बनेगा विद्यार्थियों का सहारा

बारिश से टोबका में कई मकान खतरे की जद में

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं उपमंडल की पंचायत कोठी के गांव टोबका में लगातार हो रही बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यहां एक परिवार का रसोईघर ढह गया, जबकि पास में स्थित एक मकान पर भी खतरा मंडरा रहा है। गनीमत यह रही कि हादसे के समय रसोईघर के अंदर कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। बारिश से हुए नुकसान का बुधवार को पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने मौके पर जाकर जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी और सरकार व प्रशासन से प्रभावित लोगों को तुरंत राहत देने की मांग की। गांव के राजिंदर सिंह के मकान पर भी खतरा मंडरा रहा है। लगातार बारिश से मकान की दीवारों में दरारें आ गई हैं। परिवार इस समय दहशत में है और हर वक्त घर गिरने का डर सता रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों की तुरंत मदद करने, उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध करवाने और बरसात से हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की है।

जायजा आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने पहुंचे सांसद अनुराग ठाकुर

प्रभावितों को दिलाया हरसंभव मदद का भरोसा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हमीरपुर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर मंगलवार को बिलासपुर जिले के विभिन्न आपदा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले श्री नयना देवी जी क्षेत्र का रुख किया, जहां हाल ही में हुई भारी बरसात और भूस्खलन से लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। सांसद ने प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।

इसके बाद अनुराग ठाकुर ने कनफारा और मंडयाली क्षेत्र का भी दौरा किया। यहां उन्होंने ग्रामीणों से सीधी बातचीत कर उनके द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों को समझा। लोगों ने उन्हें अपने ढह चुके घरों, बर्बाद हुई फसलों और टूटे संपर्क मार्गों की परेशानियों से अवगत कराया। सांसद ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी और किसी को भी संकट की घड़ी में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाई जाए तथा प्राथमिकता के आधार पर जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई जाए।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि आपदा से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार मिलकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि स्थानीय स्तर पर उठाई गई समस्याओं को तुरंत उच्च स्तर तक पहुंचाकर समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे।

इस मौके पर श्री नयना देवी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रणधीर शर्मा तथा जिला भाजपा के अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल, जिला परिषद उपाध्यक्ष मानसिंह धीमान सहित अन्य भी उनके साथ मौजूद रहे।

नयना देवी विधानसभा क्षेत्र में हुए नुकसान का जायजा लेते अनुराग ठाकुर।

पूर्व डीजीपी आईडी भंडारी पंचतत्व में विलीन

मझासु श्मशानघाट पर राजकीय सम्मान से किया गया अंतिम संस्कार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक आईडी भंडारी का मंगलवार को बिलासपुर जिले के सदर विधानसभा क्षेत्र स्थित मझासु श्मशानघाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सतलुज के तट पर आयोजित इस विधि में उनके पुत्र सूर्य भंडारी ने मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पुत्री इशिता भंडारी सहित परिजन भावुक पल के साक्षी बने। इस अवसर पर विधायक नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र हरदीप बावा, हिमुडा के निदेशक जितेन्द्र चंदेल, पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग, उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप धवल, एसडीएम घुमारवीं राजीव कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्व मौजूद रहे। अन्य गण्यमान्यजनों एवं प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों ने उन्हें रीत अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पुलिस की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। आईडी भंडारी के रूप में एक कर्तव्यनिष्ठ, साहसी, निर्भीक, मृदुभाषी अधिकारी थे। भंडारी के निधन से हर कोई दुखी है, जिनके जाने से प्रदेश को अपूर्णीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई कर पाना असंभव है।

मूलरूप से बिलासपुर जिले के घुमारवीं उपमंडल के मझासु गांव के रहने वाले 1982 बैच में आईपीएस अधिकारी बने व विभिन्न पदों पर रहते हुए शानदार सेवा की। वह 2013 में हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक बने और 2014 में सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति के बाद भंडारी बिलासपुर जिला व प्रदेश की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर समाजसेवा में डट गए।

74 वर्षीय भंडारी अपने परिवार में पत्नी सहित एक पुत्र व पुत्री को छोड़ गए हैं। ज्ञात रहे आईडी. भंडारी राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के पूर्व छात्र भी रहे हैं। वह विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे।

आईडी भंडारी को नालागढ़ के विधायक हरदीप बावा अंतिम श्रद्धांजलि देते हुए।

भारी बारिश से चंबा बेहाल, नुकसान का आकलन करना मुश्किल : नैय्यर

आरके सहगल, अनंत ज्ञान

चंबा। चंबा जिला बीते कई दिनों से लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण बुरी तरह प्रभावित है। जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और कई स्थानों पर फ्लैश फ्लड की घटनाएं भी रिपोर्ट की गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चंबा सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज नैय्यर ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया।

विधायक नैय्यर ने कहा कि इस बार हुई भारी बारिश से नुकसान इतना अधिक हुआ है कि इसका सटीक आकलन करना अभी संभव नहीं है। खासकर औद्योगिक क्षेत्र में भी भारी नुकसान सामने आया है। सोमवार और मंगलवार की बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए तथा कई परिवारों को गहरी परेशानी में डाल दिया।

विधायक नीरज नैय्यर प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का जायजा लेते हुए।

उन्होंने बताया कि प्रशासन लगातार राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। वहीं, नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या भी सामने आई है क्योंकि चंबा के भीतर ऑप्टिक फाइबर लाइनों को नुकसान पहुंचा है। इसके कारण संचार व्यवस्था कुछ समय के लिए प्रभावित रही। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की।

नैय्यर ने यह भी कहा कि स्थिति से निपटने के लिए सेना का सहयोग भी लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पठानकोट आर्मी बेस से संपर्क किया गया है और हेलीकॉप्टर राहत कार्यों के लिए स्टैंडबाय पर रखे गए हैं। जैसे ही मौसम में सुधार होगा, राहत एवं बचाव कार्यों को और तेज किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चाहे राष्ट्रीय राजमार्गों की बहाली हो या पंचायत स्तर पर प्रभावित परिवारों तक मदद पहुंचाना, प्रशासन हर स्तर पर मुस्तैदी से काम कर रहा है। उनका स्पष्ट कहना था कि सरकार और प्रशासन की पूरी प्राथमिकता इस समय प्रभावित लोगों को सुरक्षित रखना और उन्हें राहत प्रदान करना है। चंबा की मौजूदा स्थिति यह दर्शाती है कि प्राकृतिक आपदा ने जिले के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को गहराई से प्रभावित किया है। हालांकि प्रशासन, सेना और स्थानीय प्रतिनिधि मिलकर हर संभव कदम उठा रहे हैं ताकि प्रभावितों को समय पर सहायता मिल सके।

चंबा जिले की सड़कें क्षतिग्रस्त, बहाली कार्य जारी

जनजीवन अस्त-व्यस्त, प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की

अनंत ज्ञान, चंबा

लगातार हो रही भारी बारिश ने जिले के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और जलभराव के चलते कई स्थानों पर सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक संपर्क मार्गों पर भी आवाजाही बाधित हो रही है। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की टीमें युद्ध स्तर पर बहाली कार्य में जुटी हुई हैं, लेकिन लगातार बारिश के कारण काम में कठिनाई आ रही है।

प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से फिलहाल परहेज करें। बरसात के कारण जगह-जगह सड़कें धंस रही हैं और भूस्खलन की आशंका बनी हुई है, जिससे हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकल रहे हैं, उन्हें प्रशासन ने सावधानी बरतने की सख्त हिदायत दी है। डीसी चंबा ने बताया कि मशीनरी और मजदूर लगातार प्रभावित इलाकों में काम कर रहे हैं। प्राथमिकता के आधार पर मुख्य मार्गों को बहाल किया जा रहा है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और आपातकालीन सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रह सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंचायत स्तर पर टीमों को सक्रिय किया गया है, ताकि बीमार, बुजुर्ग और जरूरतमंद लोगों तक सहायता समय पर पहुंचाई जा सके। फिलहाल प्रशासन ने सभी नागरिकों को सतर्क रहने, मौसम विभाग द्वारा जारी किए जा रहे अलर्ट का पालन करने और किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करने की सलाह दी है।

चंबा जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सड़क पर हुए भूस्खलन से लोगों को हो रही परेशानी।

इस वर्ष सराहन में नहीं लगेगा पारंपरिक छिंज मेला: मनोज

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल प्रदेश में हाल में आई प्राकृतिक आपदा ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस आपदा की मार से चंबा जिला भी अछूता नहीं रहा। इसी पृष्ठभूमि में सराहन गांव में प्रतिवर्ष देसी 25 (9 सितंबर) को आयोजित होने वाला ऐतिहासिक छिंज मेला (दंगल) इस बार नहीं लगाया जाएगा। जिला परिषद सदस्य मनोज कुमार मनु ने जानकारी देते हुए बताया कि खराब मौसम और आपदा की स्थिति को देखते हुए जनहित में यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस मेले का आयोजन हमेशा गांव और आसपास के क्षेत्र के लिए एक उत्सव और परंपरा का प्रतीक रहा है, लेकिन इस बार परिस्थितियों को देखते हुए लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने यह भी अपील की कि जिस तरह लोग हर वर्ष इस मेले में आर्थिक सहयोग और योगदान करते थे, इस बार वही सहयोग अपने आसपास आपदा से प्रभावित या जरूरतमंद परिवारों की मदद में लगाएं। यह समय एक-दूसरे का सहारा बनने और सामाजिक एकजुटता दिखाने का है। मनोज कुमार मनु ने कहा कि भगवान ने चाहा तो अगले वर्ष यह मेला पहले से भी अधिक धूमधाम और उत्साह के साथ आप सबके सहयोग से मनाया जाएगा। फिलहाल आवश्यकता इस बात की है कि हम सब घर पर सुरक्षित रहें और संकट की इस घड़ी में अपने आसपास के पीड़ित परिवारों को सहारा दें। सराहन में यह निर्णय केवल परंपरा स्थगित करने का नहीं, बल्कि मानवीय और सामाजिक संवेदनशीलता उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है। यह संदेश देता है कि उत्सव तब ही सार्थक है जब समाज के सभी लोग सुरक्षित और संतुष्ट हों।

जांघी घार से सुरक्षित निकाले 44 श्रद्धालु पठानकोट रवाना

मणिमहेश यात्रा के भक्तों को निकालने में प्रशासन की तत्परता व सामूहिक प्रयास सराहनीय

अनंत ज्ञान, चंबा

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण श्री मणिमहेश यात्रा के दौरान कई श्रद्धालु जगह-जगह फंस गए थे। प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए बुधवार को जांघी घार से सुरक्षित निकाले गए 44 श्रद्धालुओं को पैदल मैहला पुल तक पहुंचाया और वहां से हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की मुफ्त बस सेवा के माध्यम से पठानकोट रवाना किया। यह राहत कार्य दोपहर 1:35 बजे संपन्न हुआ।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि फंसे हुए किसी भी श्रद्धालु को कठिन परिस्थिति में असहाय नहीं छोड़ा जाएगा। आपदा प्रबंधन दल, स्थानीय प्रशासन और परिवहन निगम के सामूहिक प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर श्रद्धालु को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया जाए।

श्रद्धालुओं ने प्रशासन की तत्परता और मदद की सराहना करते हुए कहा कि कठिन हालात में मिली सहायता उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। प्रशासन ने भी दोहराया कि यात्रियों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी दिशा में हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

मणिमहेश यात्रा के फंसे श्रद्धालुओं को प्रशासन ने दी राहत

अनंत ज्ञान, चंबा। मणिमहेश यात्रा के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन से उत्पन्न आपदा की घड़ी में चंबा प्रशासन श्रद्धालुओं के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। कठिन हालातों के बीच फंसे यात्रियों को न केवल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है, बल्कि उनके लिए रहने की व्यवस्था, भोजन, पानी और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं भी मुहैया करवाई जा रही हैं। सबसे बड़ी राहत यह है कि जिन श्रद्धालुओं का अपने घर-परिवार से संपर्क टूट गया था, प्रशासन ने उनके लिए विशेष प्रबंध कर प्रियजनों से बातचीत कराने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। इससे श्रद्धालु और उनके परिवार दोनों मानसिक रूप से आश्वस्त हो पाए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को ऐसे कठिन समय में रहने, खाने और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं मिलना उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वहीं अपने परिजनों से संपर्क स्थापित होते ही उनके चेहरे पर राहत और कृतज्ञता साफ झलक रही थी। गौरतलब है कि इस बार प्राकृतिक आपदाओं के कारण प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवक सेवा-भाव और मानवीय संवेदनशीलता के साथ हर संभव सहायता में जुटे हुए हैं।

मणिमहेश यात्रा में संचार सेवाओं की कमी से श्रद्धालु हुए परेशान

अनंत ज्ञान, धरवाला

हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक और प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा, जो 16 से 31 अगस्त तक आयोजित की गई, इसमें इस वर्ष श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भगवान शिव के दर्शनों और पवित्र झील में स्नान के लिए देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालु खराब मौसम और संचार सेवाओं की कमी से जूझते रहे।

शनिवार से मंगलवार तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण जगह-जगह भूस्खलन हुआ, सड़कें बाधित हो गईं और बिजली-पानी की भी भारी समस्या उत्पन्न हो गई। उपायुक्त चंबा मुकेश रेप्सवाल ने मौसम खराब होने के चलते यात्रियों को यात्रा न करने की सलाह दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वर्ष 1995 में भी ऐसी स्थिति बनी थी, लेकिन उस समय मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं आम नहीं थीं।

श्रद्धालुओं ने नाराजगी जताई कि इस मुश्किल घड़ी में अपनों से संपर्क न हो पाना सबसे बड़ी पीड़ा थी। एयरटेल और जियो जैसी निजी कंपनियां पहले से पैसे वसूलने के बावजूद नेटवर्क देने में विफल रहीं। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि डिजिटल लेन-देन पर जोर देने वाले समय में नेटवर्क और इंटरनेट की अनुपलब्धता विडंबना है।

भारी बारिश, भूस्खलन और प्रशासनिक चुनौतियां

बीएसएनएल और लैंड लाइन पर बढ़ा भरोसा

लोगों का कहना है कि निजी कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए बीएसएनएल जैसी पुरानी सेवाओं को मजबूत करना होगा। कई श्रद्धालुओं ने सुझाव दिया कि लैंडलाइन जैसी पुरानी व्यवस्था को भी फिर से बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि निजी कंपनियों का नेटवर्क बिजली जाते ही ठप हो जाता है।

विधायक डीएस ठाकुर ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

अनंत ज्ञान, डलहौजी

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक तबाही का आलम देखने को मिल रहा है। विशेषकर डलहौजी विधानसभा क्षेत्र में हालात बेहद गंभीर हैं। यहां कई जगहों पर सड़कें टूट गईं, भवन क्षतिग्रस्त हुए और लोगों की आजीविका पर भी गहरा असर पड़ा है।

डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डीएस ठाकुर ने बुधवार को बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारी बारिश से मेरी विधानसभा क्षेत्र में हुए नुकसान का सही आकलन लगाना बेहद कठिन है। हालात इतने विकट हैं कि हर क्षेत्र में प्रभावित परिवारों और संस्थानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। विधायक ठाकुर ने भलेई स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया, जहां बारिश से विद्यालय भवन को नुकसान पहुंचा है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने पार्टी के बूथ अध्यक्ष की दुकान पर भी जाकर नुकसान का जायजा लिया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

विधायक डीएस ठाकुर भलेई स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को बारिश से हुए नुकसान का निरीक्षण करते हुए।

इसी क्रम में ठाकुर ने कांडी क्षेत्र का भी दौरा किया। वहां उन्होंने बारिश से प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि सरकार तथा प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल दौर में किसी भी परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

विधायक ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों के लिए राहत कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे संयम और धैर्य बनाए रखें तथा खतरे की आशंका वाले क्षेत्रों से दूरी बनाकर रखें।

बारिश और जाम के बीच मंदिर कमेटी की लंगर सेवा जारी

30 से अधिक सदस्य दिन-रात कर रहे सेवा

बालक राम, अनंत ज्ञान

पंडोह। हिमाचल प्रदेश में बारिश के कारण लॉकडाउन चल रहा है। प्रदेश का महत्वपूर्ण फोरलेन सड़क मार्ग पिछले 10 दिनों से बंद चल रहा है। इस कारण पंडोह के सात मील से हणोगी, दवाडा तक लगभग 1200 छोटे बड़े वाहन फंसे हुए हैं। इनके चालकों व अन्य लोगों के खाने पीने के लिए जिला प्रशासन 3 राहत शिविरों के माध्यम से लंगर चला रहा है। मगर यह पर्याप्त नहीं है, इसलिए माता भैरवा मंदिर कमेटी सात मील और अप्पर पंडोह के सदस्यों द्वारा दोनों स्थानों पर अलग-अलग अटूट लंगर व्यवस्था चलाई गई है। जिसमें ये कमेटियां अपने शानदार समन्वय के साथ सात मील से डयोड तक हर गाड़ी तक दो वक्त का बहुत हैलदी और स्वादिष्ट लंगर खिला रही है। यह पुनीत कार्य लगातार 9 दिन से चल रहा है। जिसमें सात मील मंदिर कमेटी के 30 समर्पित सदस्य दिन रात सेवा दे रहे हैं। अब तक 9000 से अधिक लोगों को निशुल्क भोजन परोस चुके हैं। दिन में दो समय सुबह और शाम तकरीबन 1200 लोगों को गर्मागर्म ताजा खाना खिलाया जा रहा है। इस लंगर सेवा में सात मील गांव के सभी युवा, बुजुर्ग, महिलाएं सहयोग कर रहे है। इस सेवा में सबसे खास बात यह है कि लंगर सेवा सिर्फ एक स्थान पर नहीं, बल्कि जाम में फंसे हर एक यात्रियों तक पहुंचाई जा रही है। लाउडस्पीकर से बोल कर खाना परोसा जा रहा है, ताकि कोई भी व्यक्ति छुट ना जाए। दो गाड़ियों में सवार दो विशेष टीमें पूरे हाईवे पर घूम-घूम कर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचा रही हैं, जबकि अप्पर पंडोह स्थित माता भैरवा के भंडार में दूसरी कमेटी सदस्यों द्वारा गांव के युवाओं और महिलाओं के सहयोग से लंगर पकाया जा रहा है। कमेटी द्वारा गाड़ी में भोजन डाल कर नौ मील से कैंची मोड़ डयोड तक हर गाड़ी तक लंगर सेवा परोसी जा रही है। यह लंगर मंदिर कमेटी के आर्थिक और श्रमदान के सहयोग से दिया जा रहा है। जो काबिले तारीफ है। मंदिर कमेटी के प्रधान नरेश शर्मा ने बताया कि हमारी कमेटी द्वारा शुरू की गई लंगर सेवा तब तक जारी रहेगी जब तक सड़क मार्ग पर खड़े वाहन अपने गंतव्य की ओर नहीं निकल जाते।

जबकि भैरवा मंदिर कमेटी सात मील के सदस्य सौरव गुलेरिया उर्फ़ कान्हा बताते हैं कि हमारा उद्देश्य है कि कोई भूखा न रहे। इसलिए हम खुद उनके पास जाकर उन्हें खाना खिला रहे हैं। यह सिर्फ लंगर नहीं, एक सेवा है। इन्सानियत के मानव सेवा ही धर्म है। उन्होंने कहा कि हम कुछ नहीं कर रहे हैं यह सब माता भैरवा की कृपा है। मातारानी की कृपा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों का बहुत बड़ा सहयोग मिल रहा है। कोई सब्जी काट रहा है, कोई रोटियां बेल रहा है, कोई पैकिंग कर रहा है। कोई हमें राशन दे रहा है, तो कोई पैसे दे रहा है। हर कोई मातारानी की इस सेवा को अपना सौभाग्य मानकर योगदान दे रहा है। हर रोज लगभग 2 प्रकार की सब्जी और दाल, लगभग 1000 रोटियां और 1 क्विंटल 20 किलो चावल बनाए जाते है। जो 2-4 लोगों के बश में नहीं है। पुरा गांव इस सेवा में जुटा हुआ है। हमने आज तक ऐसा सेवा भाव और तत्परता नहीं देखी है। आज जब समाज में व्यक्तिगत स्वार्थ और भागदौड़ भरा जीवन आम हो गया है। माता त्रिपुर भैरवा मंदिर कमेटी की यह सेवा न केवल एक प्रेरणा है, बल्कि मानवता की जीवित मिसाल भी है। ऐसे प्रयास हमें याद दिलाते हैं कि धर्म का असली रूप सेवा है। हर कहीं इस लंगर और सेवा भाव की जम कर प्रशंसा हो रही है। माता भैरवा इनके सेवा भाव को बनाए रखने।

लंगर तैयार करने में जुटे माता त्रिपुर भैरवा मंदिर कमेटी सात मील के सदस्य।

सूडोकू नवताल- 7542 (सरल)

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7541 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

उपायुक्त जतिन ने हरोली स्कूल का किया निरीक्षण

हरोली स्कूल में छात्रों के साथ उपायुक्त जतिन लाल संवाद करते हुए।

अनंत ज्ञान, ऊना

उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने बुधवार को राजकीय उत्कृष्ट केंद्र प्राथमिक विद्यालय हरोली का दौरा कर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की सभी कक्षाओं का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से संवाद कर उनके आत्मविश्वास और उत्साह की सराहना की।

बच्चों ने विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर बेहद उत्साह और आत्मविश्वास के साथ दिए, जिससे उपायुक्त जतिन लाल काफी प्रभावित हुए। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि ऐसे उत्साही और आत्मविश्वासी विद्यार्थी किसी भी शिक्षण संस्थान का गौरव होते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्रों पर मधुर प्रस्तुतियां भी दीं, जिसने कार्यक्रम को और भी आनंद और उत्साह से भर दिया। उपायुक्त ने शिक्षकों के समर्पण और मेहनत की भी विशेष सराहना की तथा बाल मस्तिष्कों के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इसके बाद, उपायुक्त ने हरोली पुस्तकालय और पंजावर में स्थापित राजीव गांधी सेवा केंद्र पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष और विद्यार्थियों से संवाद कर पुस्तकालय की सुविधाओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि पुस्तकालय ग्रामीण क्षेत्रों में ज्ञानवर्धन का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, और प्रशासन इनके सुचारू संचालन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर जिला परिषद के उपाध्यक्ष ओंकार नाथ कसाना, बीडीओ हरोली राजेश्वर भाटिया, शिक्षा सुधार समिति के महासचिव सुच्चा सिंह कंग सहित अन्य मौजूद रहे।

चंडीगढ़-मनाली एनएच खुला

अनंत ज्ञान, पंडोह। चंडीगढ़-मनाली एनएच अभी अभी शुरू हो गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा सबसे पहले कुल्लू के लिए गैस, पेट्रोल डीजल के टैंकरों को भेजा गया। रात भर सड़क मार्ग में फंसे सभी 1200 वाहनों निकाला जाना है। पुलिस चौकी प्रभारी पडोह अनिल कटोच ने जानकारी देते हुए कहा का आज शाम 7.40 पर 5 वें दिन वाहनों की आवाजाही संभव हो पाई है। बता दें कि यह सड़क मार्ग पिछले 10 दिनो से बाधित है। मात्र 12 घंटे ही वाहनों की आवाजाही हो सकी थी। बुधवार को पांचवें दिन के बाद सुने सड़क मार्ग पर फिर से रौनक लौट आई है।

सड़क मार्ग में फंसे 1200 वाहन निकाले

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

वीरवार, 4 सितंबर 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** भाद्रपद, **तिथि** द्वादशी (04:10) : **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा (11:44), **पक्षः** शुक्ल, **योग :** सौभाग्य (03:22), **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11:54-12:45)। **राहुकाल** (01:54-03:29)।

विशेष दिन

- 4 सितंबर : वामन जयंती आज।
- 4 सितंबर : दुग्ध व्रत आज।
- 4 सितंबर : ओणम पर्व आज होगा पूर्ण।

मेषः लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

वृषः सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं।

मिथुनः प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क: शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

सिंहः शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कन्याः परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

तुलाः स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृश्चिकः लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

धनुः सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा।

मकरः स्वविवेक से कार्य करें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा।

कुंभः प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा।

मीनः श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

अदालती नोटिस
व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पामलपुर जिला काँगड़ा हि.प्र. ।
किस्म मुकद्दमा तकसीम
मुकद्दमा न. 57/22
तारीख पेशी-10.09.2025
दिलवर सिंह बनाम मोहित आदि
समन बनामः- 1. मोहित पुत्र 2 रुचिता पुत्री 3 कल्पना विध्वा विजेन्द्र प्रशाद 4 वचन राणा पुत्र 5 सरोज 6 सुनीता पुत्रियां जगजीत सिंह 7 कपिल पुत्र शक्ति 8 अजय पुत्र बृज भूषण निवासी महाल घुग्गर, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हि. प्र.
विषयः- भूमि तकसीम खाता न. 210 खतौनी न.293 खसरा न. 768/362 रकवा तादादी 0-08-93 हैक्ट. स्थित महाल खिलडू मौजा विन्द्रावन, तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. जमाबन्दी वर्ष 2016-17
उपरोक्त मुकद्दमा इस न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें प्रतिवादी को कई बार समन किये गये परन्तु साधारण तरीके से तामील न हो रही है। अतः अब इश्तहार द्वारा प्रतिवादी उपरोक्त को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी एतराज पेश करना हो तो वह दिनांक 10.09.2025को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।
आज दिनांक 01.09.2025 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जा हुआ।
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।

अदालती नोटिस
व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पामसपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।
किस्म मुकद्दमा तकसीम
मुकद्दमा नं. 69/24
तारीख पेशी- 09.09.2025
जग्गो राम बनाम पिन्की देवी आदि
समन बनामः- 1. पिन्की देवी पुत्री दुलो राम 2 शकुन्तला देवी पुत्री दुलो राम 3 रमन कुमार पुत्र किम्मत राम पुत्र लाल चन्द राम निवासी महाल खिलडू मौजा बिन्द्रावन, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हि. प्र.
विषयः- भूमि तकसीम खाता न. 210 खतौनी न.293 खसरा न. 768/362 रकवा तादादी 0-08-93 हैक्ट. स्थित महाल खिलडू मौजा विन्द्रावन, तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. जमाबन्दी वर्ष 2016-17
उपरोक्त मुकद्दमा इस न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें प्रतिवादी को कई बार समन किये गये परन्तू साधारण तरीके से तामील न हो रही है। अतः अब इश्तहार द्वारा प्रतिवादी उपरोक्त को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी एतराज पेश करना हो तो वह दिनांक 09.09.2025को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।
आज दिनांक 01.09.2025 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर जिला काँगड़ा हि.प्र.।

‘संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और यह आपको ऊंचाई से गिरा भी सकती है, इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें। –स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

शक्ति का द्वंद्व

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि राज्यपाल बिलों को पेंडिंग नहीं रख सकते निश्चित रूप से उन राज्यों के लिए सुकूनभरी खबर है, जिनके बिल वाकई काफी लंबे अरसे से लटके पड़े हैं। इन राज्यों में विशेषकर पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल शामिल हैं, जहां राज्यपालों ने अपनी शक्तियों का प्रयोग कर इन बिलों को जान-बूझकर लटकाए रखा। यह स्थिति न केवल संवैधानिक परंपराओं के खिलाफ रही, बल्कि इससे राज्य सरकारों के कामकाज पर भी नकारात्मक असर पड़ा। ऐसे में राज्यों का यह कहना कि कानून बनाने में राज्यपालों का कोई रोल नहीं होता और वे केवल औपचारिकता निभाते हैं कई मायनों में सही प्रतीत होता है। दरअसल, विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सातवें दिन हुई सुनवाई में न्यायाधीशों ने बकायदा कहा कि राज्यपाल बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। यह टिप्पणी अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि लंबे समय से राज्यपालों की भूमिका को लेकर बहस होती रही है।

संविधान की धारा-200 में राज्यपाल के लिए संतोष जैसी कोई शर्त नहीं है। अगर विधानसभा से पास बिल राज्यपाल को भेजा जाता है, तो उन्हें उस पर हस्ताक्षर करना ही होगा या फिर उसे राष्ट्रपति को भेजना होता है। लगातार रोके रखना संविधान की भावना के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि अगर राज्यपाल मनमर्जी से बिल अटका दें तो यह लोकतंत्र को असंभव बना देगा। यह बात इसलिए भी अहम है, क्योंकि भारत का लोकतांत्रिक ढांचा इस बात पर आधारित है कि जनता द्वारा चुनी हुई सरकारें नीतियां बनाएं और विधानसभा में बहुमत से पास किए गए विधेयकों को कानून बनने का अधिकार मिले। यदि यह अधिकार राज्यपाल की मर्जी पर टिका हो तो लोकतंत्र की आत्मा ही कमजोर हो जाएगी।

सुक्खू सरकार की ओर से विधानसभा से पारित करवाए गए 15 बिल अभी तक फंसे हुए हैं। बड़ी बात यह है कि ये बिल वर्ष 2023 से 2025 के बीच के हैं। सुक्खू सरकार ने 14वीं विधानसभा में कुल 73 बिल पारित किए हैं, जिनमें से 58 मंजूरी के बाद कानून बन गए हैं, लेकिन 15 विधेयकों को अभी भी मंजूरी का इंतजार है। इनमें से कुछ बिल राजभवन में फंसे हैं और कुछ को राष्ट्रपति से मंजूरी नहीं मिल पाई है। विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने हाल ही में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट से इस बारे में फैसला आ चुका है। अब यदि तीन महीने के भीतर इन पर फैसला नहीं होता है तो इन्हें पारित किया हुआ माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कर जो व्यवस्था दी है वह वाकई काबिलेतारीफ है।

इस फैसले से निश्चित रूप से राज्यपालों और सरकारों में चले आ रहे शक्ति के द्वंद्व का अंत होगा और जो ऊर्जा एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लग रही थी, वह अब राज्यों के विकास में लगेगी। यह मसला केवल हिमाचल, पश्चिम बंगाल या तेलंगाना तक सीमित नहीं है। देश के कई राज्यों में इसी तरह की परिस्थितियां सामने आती रही हैं। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के राज्यपालों के सरकारों के साथ झगड़े किसी से छिपे नहीं हैं। कई बार देखा गया है कि चुनी हुई सरकारें अपनी प्राथमिकताओं को लागू करना चाहती हैं, लेकिन राज्यपालों के स्तर पर उन्हें अड़चनें झेलनी पड़ती हैं। यह परंपरा न केवल असंवैधानिक है, बल्कि लोकतांत्रिक भावनाओं के भी प्रतिकूल है। लोकतंत्र में संघीय ढांचे का सम्मान करना लाजिमी है। केंद्र और राज्य, दोनों की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं।

राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे जनता द्वारा चुनी हुई सरकार की राह में रोड़े अटकाएं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इस लिहाज से ऐतिहासिक है कि अब राज्यपालों को भी अपने कर्तव्यों की सीमाएं समझनी होंगी। लोकतंत्र की बुनियाद पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध फैसलों पर टिकती है। यदि विधेयक वर्षों तक लटके रहें तो इससे लोकतंत्र की धार कुंद हो जाती है। विकास योजनाओं पर असर पड़ता है, जनता का विश्वास कमजोर होता है और संवैधानिक संस्थाओं के बीच टकराव बढ़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाकर सही मायनों में लोकतंत्र को मजबूती दी है।

यह भी गौर करने वाली बात है कि संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल को केवल औपचारिक भूमिका दी थी। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में स्पष्ट किया था कि राज्यपाल का पद कार्यपालिका के अधीन होगा, स्वतंत्र नहीं, लेकिन व्यवहार में कई बार राज्यपालों ने खुद को सत्ता के समानांतर केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए घातक है। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने की सीमा तय कर दी है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि बिलों के अटकने का सिलसिला थमेगा। इससे राज्यों की सरकारों को राहत मिलेगी और जनता तक विकास योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचेगा। केंद्र और राज्य के बीच सामंजस्य बनेगा और राजनीतिक टकराव कम होंगे। अब यदि राज्यपाल और सरकारें आपसी टकराव छोड़कर विकास की ओर कदम बढ़ाएं तो निश्चित ही इसका लाभ आम नागरिक को मिलेगा। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ

दादा भाई नौरोजी को ‘भारतीय राजनीति का पितामह’ कहा जाता है। वह दिग्गज राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद और विचारक भी थे। 1845 में एल्फिंस्टन कॉलेज में गणित के प्राध्यापक हुए। यहां के एक अंग्रेजी प्राध्यापक ने इन्हें ‘भारत की आशा’ की संज्ञा दी। जब दादाभाई 4 वर्ष के थे, तब उनके पिता का देहांत हो गया। उनकी मां ने निर्धनता में भी बेटे को उच्च शिक्षा दिलाई। उच्च शिक्षा प्राप्त करके दादाभाई लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज में पढ़ाने लगे थे। लंदन में उनके घर पर वहां पढ़ने वाले भारतीय छात्र आते-जाते रहते थे। उनमें गांधी जी भी एक थे। मात्र 25 बरस की उम्र में एलफिनस्टोन इंस्टीट्यूट में लीडिंग प्रोफेसर के तौर पर नियुक्त होने वाले पहले भारतीय बने। ■

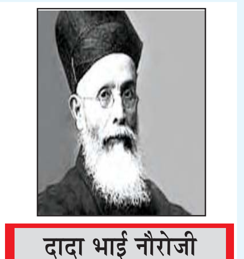

दादा भाई नौरोजी
जन्म : 4 सितंबर, 1825
मृत्यु : 30 जून, 1917

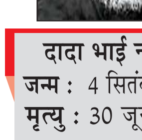

कविता

मानवीय मूल्यों का विलुप्त होता उजाला

दुर्गा शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, अभिलाषी यूनिवर्सिटी

कभी इस धरती पर रिश्तों की धूप नरम और सुनहरी थी,
हर आंगन में अपनापन, हर दिल में करुणा की लहरें बहती थीं।
आज भीड़ है, रोशनी है, पर उजाला जैसे खो गया है,
सन्नाटों के बीच इंसान इंसान से कहीं दूर हो गया है।
जीवन की गाड़ी अब रफ्तार से भागती है, पर दिशा का पता किसी को नहीं।
धन और पद की चकाचौंध में, सत्य, ईमान और दया जैसे पीछे छूट गए कहीं।
संयुक्त परिवार के पेड़ अब टहनियों में बंट गए,
बुजुर्गों की कहानियां, आशीष, सब कोनों में सिमट गए।
बचपन अब दादी की गोद में नहीं, स्क्रीन की चमक में पनपता है,
संस्कारों की धुन, जैसे धीरे-धीरे मौन में लुप्त होता है।
सोशल मीडिया के रंगीन पर्दे पर हम मुस्कुराते हैं,
पर आंखों में मिलने वाली सच्ची चमक भूल जाते हैं।
लाइक्स और कमेंट की गिनती में, दिल की धड़कनों की गिनती रह जाती है अधूरी।
किताबों में ज्ञान है, पर संवेदना कम है, प्रतिस्पर्धा में जीत है, पर अपनापन कहीं गुम है।
शिक्षा का लक्ष्य सिर्फ रोजगार न हो, बल्कि इंसान के भीतर का इंसान भी मजबूत हो।
परिवर्तन की शुरुआत घर से करें, बच्चों को फिर से कहानियों में सच और दया के रंग भरें।
हाथ बढ़ाएं, सिर्फ मदद के लिए नहीं,
बल्कि यह जताने के लिए कि हम अब भी एक-दूसरे के हैं।
मानवीय मूल्य कोई विरासत नहीं जो खुद-ब-खुद चलती रहे,
ये एक दीपक हैं, जिन्हें हर पीढ़ी को अपने हाथों जलाना पड़ेगा।
वरना भौतिक प्रगति के इस अंधेरे में, हम अपने ही चेहरे पहचानना भूल जाएंगे।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

बेनकाब हो चुकी पाकिस्तान की परमाणु गीदड़ भभकी

उर्दू के नामवर शायर ‘सआदत हसन मंटो’ ने कहा था कि ‘मजहब जब दिलों से निकल कर दिमाग में चढ़ जाए तो जहर बन जाता है’। मजहब की बुनियाद पर पाकिस्तान को वजूद में लाने तथा वजूद में आने के बाद वहां अपनी हुकूमत को कायम रखने के लिए सियासी हुक्मरानों व मजहबी रहनुमाओं ने अपनी आग उगलती तकरीरों से पाकिस्तानी आवाम के मजहबी जज्बातों को भड़काने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ‘एक हाथ में एटम बम और एक हाथ में कुरान’ पाकिस्तान में मजहबी रहनुमाओं का यह जुमला सरेआम सुना जा सकता है। सन् 1933 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में कानून के तालिब-ए-इल्म चौधरी रहमत अली ने अपनी पाम्पलेट में ‘लफ्ज ए पाकिस्तान’ की तखलीक करके मजहब के आधार पर भारत विभाजन का एक नफरती मजमून लिख डाला था।

प्रताप सिंह पटियाल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

सन् 1943 में उर्दू के शायर ‘असगर सौदाई’ ने नारा दिया था। ‘पाकिस्तान का मतलब क्या। ला इलाहा इल्लल्लाह मुहम्मद रसूल अल्लाह’। असगर सौदाई के उस मजहबी कलमे को मोहम्मद अली जिन्ना की जमात मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की तामीर के लिए एक युद्धघोष बना लिया। सन् 1945 के दौर में प्रांतीय एसेंबलियों के इंतेखाब में मुस्लिम लीन ने आवाम को उसी मजहबी कलमे का हवाला देकर वोट मांगे तथा दलील दी कि यदि मुस्लिम लीग को वोट नहीं दिया तो निकाह व नमाज ए जनाजा भी नहीं पढ़ाया जाएगा। सन् 1958 में पाकिस्तान में फौजी हुकूमत नाफिज करने वाले जनरल अयूब खान ने पाक आवाम को मजहबी ‘कलमा’ का हवाला देकर भड़काया था कि ‘हिंदू’ इस कायनात की सबसे कायर कौम है। सन् 1965 की भारत-पाक जंग के दौरान एक मजलिस में अयूब खान ने फरमाया था कि हिंदोस्तान नहीं जानता कि उसने किस कौम को ललकारा है। अयूब खान ने पाक फौज को उकसाया कि पाकिस्तानी एक लड़ाकू नस्ल हैं जो भारत के हिंदुओं को आसानी से हरा देंगें, लेकिन जब भारतीय सेना ने पलटवार करके लाहौर सेक्टर पर तिरंगा फहरा दिया तो पाक सेना घुटनों के बल बैठ गई।

पाकिस्तान की आबरू बचाने के लिए अयूब खान ने अपने वजीरे खारजा जुल्फिकार अली भुट्टो को अक्काम-ए-मुत्तहिदा की चौखट पर भेजकर भारत से जंगबंदी की गुहार लगाई थी। 16 अप्रैल 2025 को इस्लामाबाद में आयोजित पाकिस्तानी आप्रवासी इजलास में पाक सिपहसालार आसिम मुनीर ने जिन्ना की एक नफरती तहरीर को दोहरा कर कहा था कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते।

अपनी हिकारत भरी तकरीर में आसिम मुनीर ने भी अपने मजहबी कलमा का जिक्र करके कहा था कि इंसानी तारीख में सिर्फ दो रियासतें ‘कलमा ए तौहीद’ की बुनियाद पर वजूद में आई हैं। पहली रियासत ए तैयबा यानि मदीना तथा दूसरी पाकिस्तान। मुनीर ने पाकिस्तान को रियासत-ए-मदीना बनाने का दावा भी किया था तथा इजलास में मौजूद लोगों को आगाह किया कि अपने बच्चों को पाक सेना की कहानियां जरूर बताऐं। मुनीर की उस जिहादी तकरीर से आतंक के आकाओं को काफी हद तक हिमायत हासिल हुई। नतीजन 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में पाक परस्त आतंकियों ने 26 बेगुनाह पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। आतंकियों ने भी पर्यटकों को हलाक करने से पहले कलमा पढ़ने को कहा था। जो नहीं पढ़ सके उन्हें गोली मार दी।

पहलगाम की आतंकी कत्लोगारत के रद्देअमल में भारतीय सेना ने जब ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत पलटवार करके पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर बारूद बरसा कर सैकड़ों पाक सैनिकों तथा आतंकियों को जहन्नुम की परवाज पर भेजा तो भारत के हवाई हमलों से खौफजदा होकर पाकिस्तानी आवाम भी कलमा पढ़कर अपनी सलामती की दुआ मांग रही थी। ब्रह्मोस मिसाइलों की गर्जना से खौफजदा होकर आसिम मुनीर किसी बंकर में पनाह लेकर कलमा पढ़ रहा था। रोचक बात यह है कि पाकिस्तान को रियासत-ए-मदीना बनाने की वकालत करके सत्ता की बुलंदी पर पहुंचे साबिक वजीरे आजम इमरान खान को पाक सेना उनकी बेगम बुशरा के साथ सलाखों के पीछे भेज चुकी है। जहां तक पाक सेना की बहादुरी का सवाल है तो सन् 1971 में बांग्ला देश में पाक जरनैल ‘आमीर अब्दुल्ला खान नियाजी’ द्वारा नब्बे हजार पाक सैनिकों सहित भारतीय सेना के आगे आत्मसमर्पण की तस्वीरों को पूरी दुनिया देख चुकी है। दरअसल मजहबी मिजाज का आसिम मुनीर सन् 1986 में पाक जरनैल ‘जिया उल हक’ के दौर में पाक सेना में भर्ती हुआ था। जिया उल हक ने पढ़े लिखे युवाओं के बजाए कट्टरपंथी परवरिश व मजहबी तालीम वाले युवाओं को पाक सेना में अफसर बनाने को तरजीह दी थी।

पाक सेना की उस मदरसा छाप सैन्य भर्ती को ‘जिया भर्ती’ के नाम से जाना जाता है। भारतीय सेना द्वारा सन् 1947-48, सन 1965 तथा सन् 1971 की जंग में पाकिस्तान की शर्मनाक शिकस्त का हिस्सा रहे जिया उल हक ने अपने दौरे हुकूमत में पाक सेना के आदर्श वाक्य ‘इत्तेहाद, यकीन, तंजीम’ को तब्दील करके ‘ईमान, तकवा, जिहाद फी सबीलिल्लाह’ कर दिया था। ये अल्फाज मजहबी कट्टरपंथ की पैरवी करते हैं। जिया उल हक भी भारत को परमाणु जंग की धमकी देता था। सन् 1999 में परवेज मुशर्रफ ने कारगिल में पाक फौज की घुसपैठ को यह सोच कर अंजाम दिया था कि पाकिस्तान के परमाणु बम के डर से शायद भारत पलटवार नहीं करेगा। मगर भारत के शिद्दत भरे हमलों के बाद पाक फौज को बचाने के लिए पाक वजीरे आजम नवाज शरीफ को अमेरिका की शरण में जाना पड़ा था। इसीलिए कहा जाता है कि पाकिस्तान को ‘अल्लाह, आर्मी और अमेरिका’ ही चलाते हैं। अत: यदि अमेरिका की सरजमीं से आसिम मुनीर ने भारत को परमाणु गीदड़ भभकी दी है तो ये नई बात नहीं है। अमेरिका की कठपुतली बन चुके पाकिस्तान के हुक्मरान भारत को धमकी देकर दुनिया में साबित करते आए हैं कि पाकिस्तान में उनका भी वजूद है।

बहरहाल भारतीय सेना तथा मरकजी हुकूमत का रुख साफ है कि भारत परमाणु बम की धमकी से नहीं डरेगा, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए भारतीय सेना किसी भी हद तक जा सकती है। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। लिहाजा पाकिस्तान को चार युद्धों में धूल चटाने वाली विश्व की चौथी ताकतवर भारतीय सेना पर देशवासियों को गर्व होना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

हर मानव जीवन में विशेष स्थान रखता है अध्यापक

भारतवर्ष में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है इस अवसर पर बहुत से सम्मान समारोह भी किए जाते हैं, लेकिन शिक्षक की महिमा शिक्षक दिवस तक ही सीमित न रह जाए इसके लिए हमें गहराई से विचार करना होगा, क्योंकि आए दिन टीवी चैनलों और समाचार पत्रों में देखने और सुनने को मिलता है कि कहीं पर अध्यापक पर हमला किया गया तो कहीं मारपीट की गई जिससे शिक्षक वर्ग ही नहीं, बल्कि पूरा समाज कलंकित होता है, इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि घिनौनी हरकतें न करें वे शिक्षक को इस तरह सम्मान दें जिस तरह गुरुकुल में दिया जाता था और मेरा शिक्षक समाज से भी आग्रह है कि वे छात्रों की भावनाओं को पूरी तरह से समझे ताकि वह कोई भी ऐसी घिनौनी हरकत पर न उतरे यही नहीं वे अपने बच्चों की तरह उसी नजर से देखें जिस तरह वे अपने बच्चों को देखते हैं और किसी भी तरह का अपराध करने से बचे। शिक्षक का हर मानव के जीवन में विशेष स्थान होता है।

प्रो. मनोज डोगरा
बड़सर, हमीरपुर

यह शिक्षक ही है, जो किसी मनुष्य को इंसान बनाता है। शिक्षक का स्थान मानव जीवन में भगवान और माता-पिता से भी ऊपर है। यही वजह है कि शिक्षक के बारे में जितना भी कहा जाए कम ही है। तभी तो स्वयं कबीर दास इस विषय पर कहते हैं ‘सब धरती कागज करूं, लिखनी सब बनराय।

सात समुद्र की मसि करूं, गुरु गुण लिखा न जाय॥’ इसका अर्थ यह है कि यदि संपूर्ण पृथ्वी को कागज के रूप में परिवर्तित कर दिया जाए, साथ ही सातों समुद्र की स्याही बना ली जाए और क्यों न सभी जंगलों की कलम भी बना ली जाए, लेकिन इसके बावजूद शिक्षक की महिमा का संपूर्ण गुण-गान किया जा सके, यह मुमकिन नहीं है। भारत में प्राचीन काल से ही गुरु-शिष्य की परंपरा का बहुत अधिक महत्व रहा है। हमारी संस्कृति के निर्माण में गुरु-शिष्य परंपरा का बहुत अधिक योगदान है। मानव के जीवन निर्माण के सभी स्तंभों में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। शिक्षक हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि शिक्षक केवल शिक्षक ही नहीं होते वह मार्गदर्शक नेता और प्रभावशाली परिवर्तन करता होते हैं कहा जाता है कि इंसान की सबसे पहली गुरु उसकी माँ होती है, जो अपने बच्चों को जीवन प्रदान करने के साथ-साथ जीवन के आधार का ज्ञान भी देती है। इसके बाद अन्य शिक्षकों का स्थान होता है।

किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करना बहुत ही विशाल और कठिन कार्य है। व्यक्ति को शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उसके चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण करना उसी प्रकार का कार्य है, जैसे कोई कुम्हार मिट्टी से बर्तन बनाने का कार्य करता है।

भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जन्म दिवस अर्थात 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस मनाने की इच्छा जताई थी। शिक्षक मनुष्य का एक ऐसा रूप है जिसका व्याख्यान शब्दों में करने लगे तो शब्द कम पड जाएं शिक्षक की महत्वता को अनेक विद्वानों के मतों से समझने का प्रयास करे तो महान संत कबीरदास ने गुरु के महत्वता का इस तरह से व्याख्यान किया है-गुरु गोविंद दोऊ खड़े का के लागु पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

बवंडर, जिसे तूफान या चक्रवात भी कहा जाता है, एक प्राकृतिक आपदा है जो तब बनता है जब समुद्र की सतह का तापमान बहुत अधिक हो जाता है। जब गरम समुद्री हवा ऊपर उठती है, तो उसकी जगह ठंडी हवा नीचे आती है। यह लगातार प्रक्रिया एक चक्रवातीय गति उत्पन्न करती है। धरती के घूमने की वजह से यह हवा घूमने लगती है और बबंदर का रूप ले लेती है। बबंदर आमतौर पर समुद्र में बनता है और जब वह ज़मीन की ओर बढ़ता है तो भारी बारिश, तेज़ हवाएं और बाढ़ लाता है। इसका असर बहुत खतरनाक हो सकता है, जिससे जन-धन की हानि होती है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से आजकल बबंदरों की तीव्रता और संख्या दोनों बढ़ रही हैं।

–साहिल, शिमला

राष्ट्र के सच्चे नागरिकों को घड़कर आगे लाता है शिक्षक

बहुत ही कम ऐसे व्यक्तित्व वाले लोग(विद्वान ,शिक्षाविद्,दार्शनिक व सर्व धर्म विचारक) राजनीति में देखने को मिलते हैं जैसे कि हमारे शिक्षा विद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन रहे हैं। विश्व इतिहास में कोई बिरली ही ऐसी मिसाल होगी। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर ,1888 को ब्राह्मण परिवार में माता श्रीमती सीताम्मा व पिता सर्वपल्ली विरस्मियाह के यहां तिरुतनी गांव में हुआ था।

डॉ. कमल के प्यासा
लोअर समखेतर, मंडी

तिरुतनी गांव चिनेई के जिला चितूर में पड़ता है। उस समय(1960 तक) यह गांव तिरुतनी आंध्र प्रदेश में पड़ता था। डॉ. राधा कृष्णन के चार भाई व एक बहन थी। इनके नाम के आगे सर्वपल्ली इसलिए लगाया जाता है,क्योंकि इनके पुरखे पीछे सर्वपल्ली क्षेत्र से संबंध रखते थे। इनकी प्रारंभिक शिक्षा 1896 ई. से 1900 तक तिरुतनी के लुर्थन मिशन स्कूल तिरुपति में हुई थी। फिर 1900 से 1904 तक की शिक्षा, बैंगलोर से प्राप्त करने के पश्चात आगे की शिक्षा के लिए वे मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज चले गए। 1902 में मैट्रिक की परीक्षा को अच्छे अंकों में पास करके(छात्रवृत्ति के साथ) आगे की शिक्षा वैसे ही जारी रखी। 8 मई ,1903 को जब बालक राधा कृष्णन की आयु अभी 14 वर्ष की ही थी तो इनकी शादी10 वर्ष की लड़की सिवाकामू से करवा दी, क्योंकि उस समय छोटी आयु में ही शादी करवा देते थे।

1907 में छात्र राधा कृष्णन स्नातक की परीक्षा (कला संकाय) में प्रथम स्थान प्राप्त करके मनोविज्ञान, इतिहास व गणित विषयों में विशेष योग्यता टिप्पणी के साथ सफल रहे और फिर से छात्रवृत्ति भी प्राप्त की। 1908 में डॉ. राधा कृष्णन के यहां बेटी का जन्म हुआ और उसका नाम सुमित्रा रखा गया। 1909 में दर्शनशास्त्र में एमए कर लेने के पश्चात अपनी शिक्षा को आगे जारी रखने के लिए इन्होंने कुछ समय के लिए ट्यूशन पढ़ाने का काम भी किया और फिर इसके शीघ्र बाद 1918 में मैसूर में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हो गए ,बाद में वहीं प्रोफेसर के रूप में कार्य करने लगे। इसके साथ ही साथ भारतीय दर्शन का प्रचार-प्रसार अपने भाषणों व लेखों के माध्यम से दूर-दूर तक करने लगे। इसी मध्य उन्होंने समस्त वेदों व उपनिषदों का गहनता से अध्ययन करके भारतीय दर्शन का विस्तार से प्रचार-प्रसार करते रहे। विद्वान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वर्ष 1931 से 1936 तक आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यरत रहे। फिर 1939 से लेकर 1948 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्य देखते रहे। साथ ही साथ 1936 से 1952 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राध्यापक का कार्य भी करते रहे, इस मध्य वर्ष 1946 में इनकी नियुक्ति यूनेस्को में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में हो गई। वर्ष 1947 से 1949 तक डॉ. राधा कृष्णन संविधान निर्माण समिति के सदस्य भी रहे।

आगे वर्ष 1949 से 1952 तक भारत के राजदूत के रूप में मास्को (रूस) में कार्यरत रहे। वर्ष 1960 तक डॉ. साहिब ने आंध्र प्रदेश के गवर्नर के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 1952 से देश के पहले उपराष्ट्रपति के रूप में भी अपनी सेवाएं देते रहे। इसके पश्चात वर्ष 1962 से 1967 तक देश के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अपने देश की सेवा में समर्पित रहे। इसके साथ ही साथ वर्ष 1953 से 1962 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में उपकुलपति का कार्य भी देखते रहे। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की कई एक उपलब्धियां रही हैं, जिनमें वर्ष 1954 का भारत रत्न सम्मान भी आ जाता है। दसवीं करने से पूर्व, 12 वर्ष की आयु में जब इन्होंने पवित्र पुस्तक बाइबल के कुछ अंशों को पूरी तरह से कंठस्थ कर लिया तो इनका बड़ा मान सम्मान किया जाने लगा और बाद में इन्हें विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। इसके पश्चात इन्हें कई संस्थानों व विश्वविद्यालयों से मानद डिग्रियां व सम्मान भी दिए गए और दर्शन शास्त्र ,भारतीय संस्कृति, धर्म व मनोविज्ञान पर भाषणों के लिए भी आमंत्रित किया जाता रहा।

मैनचेस्टर व लंदन में इनको भाषणों के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। एक बार जब डॉ. राधाकृष्णन जी से उनके विद्यार्थियों ने ,उनके जन्म दिन को मनाने की बात की तो डॉ. साहिब ने कह दिया कि जन्मदिन तो चलते ही रहते हैं तुम आज के दिन को, इसे शिक्षक दिवस के रूप में मना लो अच्छा रहेगा, तभी से डॉ. राधाकृष्णन जी के जन्मदिन को अध्यापक दिवस के रूप में मनाने लगे हैं। डॉ. राधाकृष्णन ने 40 वर्ष तक अपनी सेवाएं एक अध्यापक के रूप में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में देकर न जाने कितने ही विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करके उन्हें अपने चिंतन से अवगत करवाया है। उनका कहना था कि विद्यार्थी ही शिक्षा का केंद्र होता है, इसलिए विद्यार्थियों में नैतिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, सामाजिक व व्यवसायिक आदि मूल्यों का संचरण अवश्य होना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि सुख दुख दोनों साथ ही चलते हैं, स्थिति हमेशा एक सी नहीं रहती परिवर्तन चलता रहता है। मृत्यु परम सत्य है, इसके लिए सभी बराबर हैं, क्या अमीर तो क्या गरीब। इंसान को सादगी का जीवन व्यतीत करना चाहिए, संतोष रखकर सभी धर्मों का आदर करना चाहिए। विश्व शांति और मानवतावादी विचारों का अनुसरण करना चाहिए तथा समस्त विश्व में एक जैसी शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। कुछ भी हो, कभी भी हो, लेकिन राष्ट्र निर्माता तो एक अध्यापक ही होता है जो तराश-तराश कर और जी तोड़ परिश्रम के साथ राष्ट्र के सच्चे नागरिकों को घड़कर आगे लता है और अपने आप में गर्व अनुभव करता है। इसके लिए अध्यापक दिवस पर मेरा अपने सभी गुरुजनों को कोटि कोटि नमन।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रणनीति व संवाद:तियानजिन में भारत-चीन के बदले समीकरण

चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 25वें शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच गर्मजोशी भरी और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बातचीत ने न केवल भारत-चीन संबंधों में संभावित सुधार का संकेत दिया है, बल्कि वैश्विक और क्षेत्रीय भू-राजनीति में एक नए बदलाव की ओर भी इशारा किया है। यह यात्रा वर्ष 2020 में गलवान घाटी में हुए सैन्य संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पहली आधिकारिक चीन यात्रा थी, जिसे दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय वार्ता की बहाली के रूप में देखा जा रहा है।

प्रो. रतन नेगी
कुल्लू (हि. प्र.)

इस सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ सहित अन्य सदस्य देशों के नेता भी उपस्थित थे। शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना वर्ष 2001 में रूस और चीन द्वारा मध्य एशिया में एक स्थिर और शांतिपूर्ण सीमा बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी। वर्ष 2017 में भारत और पाकिस्तान इसके पूर्ण सदस्य बने, जिसमें रूस और पाकिस्तान को भारत की सदस्यता में शामिल करवाने में चीन की प्रमुख भूमिका रही।

वर्तमान में, एससीओ विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देता है। इसके अलावा, एससीओ सदस्य देशों के पास विश्व के कुल तेल भंडार का लगभग 20 प्रतिशत भी है। शुरुआत में यह संगठन ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर केंद्रित था, वहीं अब यह वैश्विक व्यापार तनाव और आर्थिक दबावों पर चर्चा का एक प्रभावी मंच बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यह मुलाकात वर्ष 2018 के बाद पहली आमने-सामने की मुलाकात थी, जो लगभग 50 मिनट तक चली। यह केवल औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि एक गंभीर, व्यवहारिक और रणनीतिक वार्ता थी। इसमें कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली, चीनी पर्यटकों के लिए वीज़ा प्रक्रिया में ढील, सीमा व्यापार और हवाई सेवाओं की बहाली जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही, व्यापार घाटे को कम करने, आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने और आपसी विश्वास व सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। शी जिनपिंग ने इस वार्ता में चार मुख्य बिंदुओं पर ज़ोर दिया—रणनीतिक संवाद और विश्वास को मजबूत करना, पारस्परिक लाभ के लिए सहयोग का विस्तार करना, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों को बढ़ावा देना और साझा हितों की रक्षा के लिए बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना।

प्रधानमंत्री मोदी की यह चीन यात्रा निस्संदेह भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में एक रचनात्मक और आशाजनक पहल है। एससीओ मंच पर भारत की सक्रिय भागीदारी और संतुलित कूटनीति न केवल उसे वैश्विक शक्ति संतुलन के केंद्र में बनाए रखने में सहायक है, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका को और अधिक सशक्त और निर्णायक भी बनाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

कुंडनी गांव में पहाड़ी दरकने से तबाही, संकट में 22 परिवार

10 मकान जमींदोज; दो मवेशियों की मलबे में मौत, एसडीएम ने प्रभावितों को अस्थायी ठिकाना करवाया उपलब्ध

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर उपमंडल की नेर घरवासड़ा ग्राम पंचायत के कुंडनी गांव में लगातार बारिश के बीच मंगलवार रात एक बड़ा हादसा पेश आया। पहाड़ी के धसकने से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। इस आपदा ने 22 परिवारों को सीधा खतरे की जद में ला दिया है, जबकि 10 मकान पूरी तरह से धराशायी हो चुके हैं। हादसे में दो मवेशियों की दबकर मौत हो गई।

भारी बारिश के कारण बस्सी विद्युत परियोजना के रेजर वायर के नीचे बसा यह गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि रेजर वायर से पानी का रिसाव लगातार हो रहा था, जिसके चलते जमीन कमजोर हुई और पहाड़ी दरक गई। इसी आशंका को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से जांच की मांग भी उठाई है। रातभर करीब 32 परिवारों ने खौफ के साए में समय गुजारा। कई लोग अपना सामान तक नहीं निकाल पाए और मजबूरन खुले आसमान के नीचे ठहरने को विवश हो गए।

सुबह होते ही आसपास के लोगों ने राहत कार्यों में हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने एक-दूसरे की मदद कर घरों से सामान और मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बीसो देवी, नेत्र सिंह, प्रेमचंद, रमेश कुमार सहित कई प्रभावित परिवारों ने बताया कि उनकी जीवन भर की कमाई से बनाए घर अब मलबे में तब्दील हो चुके हैं। ग्रामीणों का दर्द यह है कि वे अपनी ही मिट्टी से उजड़कर अब अनजाने ठिकानों पर शरण लेने को मजबूर हैं। एसडीएम जोगिंद्रनगर मुनीश चौधरी ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को सुरक्षित निकालकर खुद्दर में स्थित सोनी एन्क्लेव होटल में अस्थायी ठिकाना मुहैया करवाया गया है। यहां उनके रहने, खाने और बिस्तर की पूरी व्यवस्था की गई है। राजस्व विभाग को नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं तथा राहत मैनुअल के तहत प्रभावितों को हरसंभव सहायता दी जाएगी।

थाना प्रभारी जोगिंद्रनगर ने बताया कि सुबह से ही पुलिस टीम घटनास्थल पर मुस्तैदी से कार्य कर रही है और हर जरूरतमंद को सहायता प्रदान की जा रही है।

कांग्रेस नेता जीवन ठाकुर व भाजपा नेता मेघना लोगों को ढांढस बंधाते हुए।

नेताओं ने पीड़ितों को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

इस आपदा की सूचना मिलते ही राजनीतिक दलों के नेता भी पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। कांग्रेस नेता जीवन ठाकुर ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सराज की तर्ज पर प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया जाए। पूर्व विधायक सुरेंद्र पाल, भाजपा प्रवक्ता पंकज जम्वाल और मंडल अध्यक्ष संजय कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में हाथ बंटाया। वहीं, विधायक प्रकाश राणा ने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए सरकार से भूमि उपलब्ध कराने की अपील की है। पूर्व मंत्री ठाकुर गुलाब सिंह ने भी सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की है ताकि ग्रामीणों को स्थायी राहत मिल सके।

भूस्खलन के प्रभावित परिवारों को प्रशासन ने दी फौरी राहत

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

उपमंडल के अंतर्गत कुंडनी गांव में हुए भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को प्रशासन द्वारा त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। प्रशासन ने भूस्खलन में पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए घरों के परिवारजनों को कुल 93 हजार रुपये की फौरी राहत प्रदान की है इसके अतिरिक्त, ऐसे आठ परिवार जो वर्तमान में अपने रिश्तेदारों के घरों में शरण लिए हुए हैं, उन्हें प्रशासन की ओर से राशन किट उपलब्ध करवाई गई है ताकि उन्हें दैनिक आवश्यकताओं में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। वहीं, प्रशासन ने राहत कार्यों के तहत कुल 77 प्रभावित व्यक्तियों को राहत शिविर में शिफ्ट करने की व्यवस्था की है। राहत शिविर में ठहरने वाले सभी लोगों के लिए भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम जोगिंदर नगर मनीष चौधरी ने बताया कि प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका भी शीघ्र ही सर्वेक्षण किया जाएगा और नियमानुसार उन्हें भी राहत राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। एसडीएम ने यह भी आश्वासन दिया कि किसी भी प्रभावित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और प्रत्येक स्तर पर उन्हें आवश्यक मदद पहुंचाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

भारी बारिश से रद्द हुआ 20 भादों का शाही स्नान

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। उपमंडल जोगिंद्रनगर के बनाड़ और नागचला में हर वर्ष भाद्रपद मास की बीसवीं तिथि को आयोजित होने वाला परंपरागत शाही स्नान इस बार नहीं होगा। लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों-नालों के बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीष चौधरी ने बताया कि बड़ी संख्या में जुटने वाली भीड़ की सुरक्षा सर्वोपरि है। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए इस वर्ष यह आयोजन रद्द कर दिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे प्रशासन के निर्णय में सहयोग दें और घर पर रहकर श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना करें। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन के इस कदम को जरूरी और उचित बताते हुए कहा कि आपदा जैसी परिस्थितियों में एहतियात और सतर्कता सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

गणेश महोत्सव में धर्म के साथ सेवा का संगम

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर गणेश महोत्सव कमेटी और गणेश युवक मंडल ने इस बार धार्मिक आस्था के साथ समाजसेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया। महोत्सव के अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रखते हुए आपदा प्रभावित परिवारों तक भी जोड़ा गया। कमेटी के प्रधान सचिन सूद ने बताया कि कुंडनी गांव के पीड़ित परिवारों के लिए भंडारे से तैयार भोजन को पैक कर राहत शिविरों और प्रभावित घरों तक पहुंचाया गया। इस सेवा कार्य में गणेश युवक मंडल की टीम ने सक्रिय सहयोग देते हुए समय पर भोजन पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाई। सचिन सूद ने कहा कि धार्मिक आयोजन तभी सार्थक बनते हैं जब इनसे जरूरतमंदों को वास्तविक सहायता मिले। स्थानीय लोगों और प्रभावित परिवारों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे संकट की घड़ी में मानवीय सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

नवाचार एवं सशक्तिकरण मेला आज

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर में 4 सितंबर को राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत नवाचार एवं सशक्तिकरण मेला आयोजित किया जाएगा। मिनी सचिवालय प्रांगण में सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस मेले में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी जीवन ठाकुर मुख्य अतिथि होंगे। मेले का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं और स्व-सहायता समूहों को मंच प्रदान कर आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में अनेक स्व-सहायता समूह और स्थानीय उद्यमी अपने स्टॉल लगाएंगे, जिनमें घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प, व्यंजन, पौधशाला और नवाचार आधारित सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। महाविद्यालय की प्रोफेसर कोमुदी शर्मा ने बताया कि यह मेला न केवल उद्यमियों को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि ग्रामीण स्तर पर हो रहे छोटे-छोटे नवाचारों को भी सामने लाने का अवसर देगा। इससे स्व-सहायता समूहों को विपणन का मंच मिलेगा, उनकी आय बढ़ेगी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम मजबूत होंगे।

10 तक सचेत रहने की आवश्यकता: प्रकाश

अनंत ज्ञान, नेरचौक। नेरचौक में ज्योतिष और कष्ट निवारण केंद्र के ज्योतिषाचार्य प्रकाश चंद्रा ने दावा किया है कि ग्रहों के बन रहे योगों से आने वाला समय देश व प्रदेश के लिए बहुत भी गंभीर है। उन्होंने दावा किया कि 4 से लेकर 10 सितंबर तक भूकंप आदि आपदा आने की संभावना बनी हुई है, इसलिए लोगों को सचेत रहने की आवश्यकता है। प्रकाश चंद्रा ने कहा कि वर्तमान में बारिश के कारण जमीन हलहली हो चुकी है, ऐसे में लोगों को सचेत रहने की आवश्यकता है।

विद्यार्थियों का किया जा रहा ज्ञानवर्धन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला मंडी के सभी प्राथमिक सरकारी विद्यालयों में मेरी पुस्तक मेरी कहानी अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय पठन अभियान के लक्ष्यों और समग्र शिक्षा के दृष्टिकोण के अनुरूप बच्चों में आन्नददायक पठन की आदतों का विकास करना है और विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना एवं पुस्तकों के महत्व को जीवन से जोड़ना है। यह अभियान 15 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगा। यह जानकारी जिला पुस्तकालय समन्वयक मीना ठाकुर ने दी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पुस्तक पठन, प्रतिज्ञा वाचन, लगातार पढ़ने का आयोजन (रीड ए थॉन) इत्यादि गतिविधियां प्रतिदिन करवाई जा रही हैं। इन गतिविधियों में डीएलएड प्रशिक्षु बढ़-चढ़कर के हिस्सा ले रहे हैं।

समय पर चयन प्रक्रिया शुरू न करने पर सवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी का परीक्षा विभाग एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मुद्दा परीक्षा नियंत्रक की रिटायरमेंट को लेकर है। बीते माह 31 तारीख को परीक्षा नियंत्रक सेवानिवृत्त हो गए, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने न तो इसकी पूर्व सूचना दी और न ही नए नियंत्रक की चयन प्रक्रिया शुरू की। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विभाग का दौरा कर खाली कुर्सी देखकर सवाल उठाए कि जब तिथि पहले से तय थी तो समय रहते चयन क्यों नहीं किया गया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चिराग ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय में पहले से ही स्टाफ की कमी और विभागीय अनियमितताएं बनी हुई हैं, ऐसे में परीक्षा नियंत्रक का पद अत्यंत महत्वपूर्ण है। इकाई अध्यक्ष विशाल गुलेरिया ने कुलपति से मांग की कि तत्काल विज्ञापन जारी कर नए परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति की जाए ताकि परीक्षा विभाग का कार्य प्रभावित न हो।

मंडी में 9 राहत शिविर स्थापित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

मंडी उपमंडल प्रशासन भारी बरसात के कारण आई आपदाओं में बेघर हुए लोगों के लिए हर संभव मदद प्रदान कर रहा है। प्रभावित परिवारों के ठहरने और खाने-पीने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए मंडी उपमंडल में कुल 9 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। एसडीएम सदर मंडी रूपिंद्र कौर ने बताया कि यह शिविर पंचायत भवन मंडी, जिला पंचायत रिसोर्स केंद्र सदयाणा, लक्ष्मी नारायण मंदिर पंडोह, जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह, पंडोह स्कूल, आईआरबी पंडोह, आर्मी ट्रांजिट कैंप 239, विपाशा सदन भ्यूली व जिप भवन भ्यूली में स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पंचायत भवन मंडी में 26 प्रभावितों में से 20 लोग जेल रोड से और 6 गुरुद्वारा क्षेत्र से ठहरे हैं। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर सदयाणा में 17 व जिप भवन भ्यूली में 3 प्रभावित लोग आश्रय ले रहे हैं।

▶ प्रभावितों के ठहरने, खाने पीने और स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी व्यवस्था

वहीं नवोदय विद्यालय पंडोह में 80, पंडोह स्कूल में 100, आईआरबी पंडोह में 200, आर्मी ट्रांजिट कैंप 239 में 52 और विपाशा सदन भ्यूली में 50 लोगों के ठहरने की क्षमता उपलब्ध है।

एसडीएम ने बताया कि बरसात के चलते मंडी से कुल्लू के बीच फोरलेन मार्ग बाधित होने की स्थिति में भी ड्राइवरों और यात्रियों के लिए ठहरने तथा भोजन की व्यवस्था की गई है। एसडीएम ने बताया कि रोजाना 500 से 1000 से अधिक लोगों को राहत शिविरों और उनके वाहनों तक भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। वाहन चालकों को मोबाइल वैन के माध्यम से उनके स्थान पर ही भोजन पहुंचाया जा रहा है।

बाग-मसेरन सड़क पर 200 मीटर लंबी दरार

वाहनों की आवाजाही खतरे के बीच जारी, पानी निकासी न होने से धंस रही सड़क

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

उपमंडल सरकाघाट के बाग-मसेरन सड़क मार्ग पर सड़क के बीचो-बीच लगभग 200 मीटर लंबी गहरी दरार पड़ने से क्षेत्रवासियों में दहशत फैल गई है। दरार लगातार चौड़ी हो रही है और सड़क धीरे-धीरे धंस रही है। इस कारण वाहनों की आवाजाही खतरे के बीच हो रही है। लोग मजबूरीवश जोखिम उठाकर अपने वाहन इस मार्ग से निकाल रहे हैं। यदि बरसात का क्रम इसी तरह जारी रहा तो आने वाले दिनों में सड़क पूरी तरह से बैठ सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग ने सड़क निर्माण के समय पानी की निकासी के लिए उचित नालियां नहीं बनाई थीं, जिसके कारण जगह-जगह वर्षा का पानी सड़क के नीचे रिसता है और धीरे-धीरे सड़क कमजोर होकर धंसने लगी है। यही वजह है कि मसेरन तक के इस मार्ग पर छोटे-मोटे भूस्खलन आम हो गए हैं और सड़क अक्सर अवरुद्ध रहती है।

▶ ग्रामीणों ने विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग की

ग्रामवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार विभाग को इस समस्या से अवगत करवाया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। नतीजतन सड़क की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है और किसी बड़े हादसे का खतरा हमेशा बना रहता है।

ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि शीघ्र ही मरम्मत और पानी की निकासी की पुख्ता व्यवस्था की जाए, ताकि सड़क सुरक्षित हो सके और यात्रियों की जान-माल की रक्षा की जा सके।

सरकाघाट के बाग-मसेरन सड़क मार्ग पर आई दरार से लोगों में दहशत।

पट्टा गांव में घर में आई दरारें, बढ़ा खतरा

लड़भड़ोल क्षेत्र के पट्टा गांव में भारी बारिश के कारण दीवारों में आई दरारें।

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

लड़भड़ोल क्षेत्र के पट्टा गांव में भारी बारिश के कारण सुरेश कुमार के घर को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। दीवारों पर दरारें पड़ गई हैं। सुरेश कुमार की पत्नी जमुना देवी ने बताया कि बारिश के कारण घर की दीवारों और आसपास की जमीन में गहरी दरारें उभर आई हैं, जिससे उनके घर के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।

उन्होंने बताया कि स्थानीय पटवारी को सूचित कर दिया है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की अपील की है। माकपा नेता व जिला परिषद सदस्य कुशाल भारद्वाज ने कहा कि सुरेश कुमार के घर की दीवारों और आसपास की जमीन में दरारें आने से घर खतरे में आ गया है। उन्होंने प्रशासन से समय रहते परिवार को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आपदा राहत मैन्युअल के तहत परिवार की मदद की जाए और वैकल्पिक स्थान पर शिफ्ट किया जाए।

बारिश से पहलुन गांव में गिरी गोशाला की दीवार

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर उपमंडल के पहलुन गांव में मंगलवार देर रात भारी बारिश ने तबाही मचा दी। गांव के कुशल कुमार की गौशाला की दीवार अचानक गिर गई। हादसे के समय कुशल कुमार किसी काम से हरिद्वार गए हुए थे। घर में उनकी पत्नी अंजू और माता कांता देवी मौजूद थीं। कांता देवी ने बताया कि देर रात अचानक गिरने की तेज आवाज सुनाई दी। जब बाहर आकर देखा तो गौशाला की एक साइड पूरी तरह ढह चुकी थी। हादसे के बाद रात को ही गाय को सुरक्षित जगह पर बांधा गया। वहीं गौशाला में रखे मुर्गो को भी दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया। बुधवार सुबह राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पटवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की और प्रशासन को सौंप दी। प्रभावित परिवार को राहत राशि देने का आश्वासन दिया गया है। कुशल कुमार पेशे से वाहन चालक हैं और परिवार की आजीविका का मुख्य सहारा भी वही हैं। परिवार ने प्रशासन से शीघ्र मदद की उम्मीद जताई है।

उपभोक्ताओं को राहत, थुनाग बालीचौकी में पर्याप्त खाद्यान्न

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंडी ब्रिजेंद्र सिंह पठानिया ने बताया कि आपदा से सर्वाधिक प्रभावित थुनाग और बालीचौकी उपमंडलों में हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के थोक भंडारों में पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध है।

विभाग युद्धस्तर पर कार्य करते हुए प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान तक खाद्यान्न पहुंचा रहा है। अगस्त महीने का राशन उपभोक्ताओं को वितरित किया जा चुका है और सितंबर माह का राशन भी डिपुओं में पहुंचाना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि थुनाग थोक भंडार से जुड़ी 50 उचित मूल्य की दुकानों को अगस्त महीने के लिए आटा 1646.36 क्विंटल, चावल 728.57 क्विंटल, दालें 84.65 क्विंटल, रिफाइंड तेल 15274 लीटर, नमक 57.10 क्विंटल, और चीनी 72.45 क्विंटल भेजा गया है।

▶ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सुचारु आपूर्ति जारी

इसी प्रकार बालीचौकी थोक भंडार से जुड़ी 60 दुकानों को आटा 1713.64 क्विंटल, चावल 1182.30 क्विंटल, दालें 221.52 क्विंटल, खाद्य तेल 19780 लीटर, नमक 41.00 क्विंटल और चीनी 306.20 क्विंटल उपलब्ध करवाई गई है।

बरोट-घटासनी मुख्य सड़क पूरी तरह धंसी

चौहार व छोटा भंगाल घाटी का संपर्क टूटा, खेतों में सड़ने लगी नकदी फसलें

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

बरोट। चौहार घाटी व छोटा भंगाल घाटी में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बरोट-घटासनी मुख्य सड़क मार्ग गुराहला के पास लगभग तीन किलोमीटर दूर पूरी तरह से धंस गया है और ऊहल नदी में समा गया है।

वहीं बरोट बस स्टैंड के पास भी डंगा ढह जाने से यह मार्ग गुराहला से बरोट तक पूर्णत: अवरुद्ध हो गया है, जिससे दोनों घाटियों का संपर्क कट गया है। वाहनों की आवाजाही रुक गई है और बरोट से गुराहला तक लंबी कतारें लगी हुई हैं। निचले क्षेत्रों से आने वाले लोगों को वोचिंग-लपास होते हुए चार किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। बरोट-मियोट और मुल्थान-बड़ा ग्रां सड़क मार्ग भी भूस्खलन के कारण दोबारा बंद हो गए हैं। नकदी फसलें जैसे आलू, गोभी, मूली और धनिया खेतों में तैयार खड़ी हैं, लेकिन सड़कें बंद होने से किसान फसल नहीं बेच पा रहे हैं और भारी नुकसान झेल रहे हैं। गुराहला में ऊपरी पहाड़ी दरक रही है और नीचे ऊहल नदी उफान पर है, जिससे बहाली कार्य में देरी हो रही है। बरोट पंचायत द्वारा बनाई गई सुरक्षा दीवार और क्रेटवाल बह चुके हैं। संजीव कुमार का मकान खतरे की जद में आ गया है और उसका आंगन और डंगा ढह चुका है, साथ ही रसोई और शौचालय में दरारें आ गई हैं।

राजस्व विभाग और पंचायत ने निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की है और सभी प्रभावित परिवारों को अन्यत्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों की ओर से बिक्री के लिए पहुंचाई जा रही खराब गोभी।

पैतृक गांव पहुंचा टैक्सी चालक अनिल कुमार का शव, गम का माहौल

मासूम बेटे ने दी पिता को मुखाग्नि

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

तहसील क्षेत्र की पंचायत बघैर-रकतल के गांव रकतल निवासी मृतक टैक्सी चालक अनिल कुमार का शव बुधवार को उनके पैतृक गांव पहुंचा। शव पहुंचते ही पूरे गांव में माहौल गमगीन हो गया। परिजनों सहित गांववासियों की आंखें नम हो गईं। बीते मंगलवार को मोहाली में अनिल कुमार का शव बरामद हुआ था।

जानकारी के अनुसार, नयागांव कैब चालक अनिल कुमार का अज्ञात हमलावरों ने अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी। जम्मू-कश्मीर के तीन लोगों ने खरड़ से उनकी टैक्सी किराए पर ली थी। इसके बाद उनका मोबाइल अचानक बंद हो गया और वाहन भी गायब मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कई टीमें गठित कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शव गांव पहुंचते ही पिता रमेश चंद, माता रानी देवी और पत्नी सुधा देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों के आंसुओं ने वहां मौजूद सभी लोगों को भावुक कर दिया। तीन वर्षीय मासूम रियांश ने अपने मृतक पिता को कुड श्मशान घाट में मुखाग्नि दी। मासूम को अब भी इस बात का अंदाजा नहीं कि उसके पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। अनिल कुमार के घर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने वालों में जोगिंद्रनगर विधायक प्रकाश राणा, जोगिंदरनगर विकास मंच के संस्थापक केके सकलानी, माकपा नेता कुशाल भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। माकपा नेता कुशाल भारद्वाज ने कहा कि अनिल कुमार की हत्या एक जघन्य अपराध है। उन्होंने कहा कि अनिल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और इलाके का होनहार युवक था। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस हत्या को आतंकवादी वारदात घोषित किया जाए, मृतक को शहीद का दर्जा मिले, परिजनों को राहत राशि दी जाए और मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। गांव में हर ओर शोक की लहर है और लोग इस नृशंस हत्या की कड़ी निंदा कर रहे हैं।

▶ नेताओं व सैकड़ों ग्रामीणों ने दी श्रद्धांजलि, जताया रोष

जलवायु परिवर्तन व अवैज्ञानिक विकास से तबाह हो रहा है हिमाचल: भूपेंद्र सिंह

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

धर्मपुर, सरकाघाट और हिमाचल के अन्य इलाकों में हाल के वर्षों में बरसात के दौरान नुकसान असामान्य रूप से बढ़ गया है। कई लोग इसे दैवीय प्रकोप करार देकर असली कारणों से ध्यान हटाने की कोशिश करते हैं, जबकि असली वजह जलवायु परिवर्तन और अवैज्ञानिक विकास है। यह आपदा कोरोना महामारी के बाद दूसरी दुर्लभ प्राकृतिक घटना साबित हो रही है।

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि इस साल हिमाचल में सामान्य से दोगुनी बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो पिछले सौ वर्षों में सबसे अधिक है। इसकी खास वजह यह है कि मानसून और पश्चिमी विक्षोभ जैसी दो अलग-अलग मौसमीय प्रणालियां एक साथ सक्रिय हुईं। आम तौर पर मानसून गर्मियों में और पश्चिमी विक्षोभ सर्दियों में प्रभावी होता है, लेकिन इस बार मानसून के अंत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से अभूतपूर्व बारिश हुई।

सड़क, हाइडल प्रोजेक्ट और अवैज्ञानिक निर्माण बने कारण

बरसात से तबाही की दूसरी बड़ी वजह लंबे समय से हो रहा अवैज्ञानिक विकास है। फोरलेन और नेशनल हाईवे निर्माण में गलत डीपीआर, स्टीप कटिंग, अनियंत्रित ब्लास्टिंग और डंपिंग ने पहाड़ों को कमजोर किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तक ने स्वीकार किया है कि कई परियोजनाओं की डीपीआर में खामियां हैं। हमीरपुर-सरकाघाट-धर्मपुर-मंडी एनएच इसका ज्वलंत उदाहरण है। सरकारें निर्माण कंपनियों पर कार्रवाई नहीं करतीं, जिससे आपदाएं और गंभीर होती जा रही हैं। यह सब किसी देवता का श्राप नहीं बल्कि वैज्ञानिक और भौतिक कारणों का नतीजा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चेतावनी दी है कि यदि कड़े कदम नहीं उठाए गए तो हिमाचल का भविष्य संकट में पड़ सकता है।

चौहार व छोटा भंगाल घाटी में हांफने लगा जियो नेटवर्क

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। चौहार घाटी और छोटा भंगाल घाटी के दुर्गम गांवों में जियो का नेटवर्क पिछले एक माह से लगातार कमजोर होता जा रहा है। कभी नेटवर्क आता है, तो कभी अचानक गायब हो जाता है। इस आंख मिचौली वाले नेटवर्क ने जियो उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है।

स्थानीय उपभोक्ताओं सुरेश कुमार, रागी राम, विजय कुमार, अंजू, माधवी आदि का कहना है कि शुरू में जब यहां जियो का टावर लगाया गया था, तब नेटवर्क बहुत अच्छा था। परंतु समय के साथ सिग्नल की स्थिति बिगड़ती गई। अब हालत यह है कि मजबूरन कई लोगों को बीएसएनएल और एयरटेल की सिम लेनी पड़ रही है। खलैहल पंचायत के झरवाड़ गांव के ऊपर स्थापित जियो टावर से अब संतोषजनक नेटवर्क नहीं मिल रहा है। खासकर खराब मौसम में जियो पूरी तरह फेल हो जाता है, जबकि अन्य कंपनियों का नेटवर्क चालू रहता है। बरोट और मुल्थान जैसे बाजार क्षेत्रों में भी नेटवर्क की स्थिति खराब बनी हुई है। उपभोक्ताओं ने जियो कंपनी के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि वे जल्द से जल्द तकनीकी खामी को दूर करें ताकि घाटियों के लोगों को दोबारा बेहतर नेटवर्क सुविधा मिल सके।

आस्था हस्तरेखा विशेषज्ञ कैप्टन डॉ. लेखराज शर्मा ने की आपदाओं को लेकर भविष्यवाणी

जगद्गुरु आश्रम कनखल में हुआ चंडी यज्ञ

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जगद्गुरु शंकराचार्य आश्रम कनखल में आपदाओं से मुक्ति के लिए चार दिवसीय चंडी अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अनुष्ठान में जोगिंद्रनगर श्री शारदा ज्योतिष निकेतन के निदेशक और हस्तरेखा विशेषज्ञ कैप्टन पंडित डॉ. लेखराज शर्मा ने यजमान के रूप में भाग लिया। उन्होंने बताया कि जब धर्म का ह्रास होता है, तब प्राकृतिक आपदाएं अपना प्रकोप दिखाती हैं। पर्वतीय राज्यों में नदियों का नालों का रूप ले लेना इसी का उदाहरण है। डॉ. लेखराज शर्मा ने कहा कि आपदाओं का सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है। सितंबर का महीना भी कठिन साबित होगा। इस दौरान पशु-पक्षी, जन-जीवन, जल, वायु और धन पर संकट मंडराता रहेगा। उन्होंने कहा कि मानव लगातार पृथ्वी का शोषण कर रहा है और यही प्राकृतिक प्रकोपों का मुख्य कारण है।

ज्योतिषाचार्य ने यह भी भविष्यवाणी की कि 7 सितंबर को पड़ने वाला चंद्रग्रहण भारत की राजनीति में बड़ा बदलाव लाएगा। इस ग्रहण का असर राशियों पर भी देखने को मिलेगा। वृषभ, धनु और कर्क राशि वाले जातकों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि इस ग्रहण का प्रभाव सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी स्पष्ट होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत-चीन रिश्तों पर भी टिप्पणी की। डॉ. शर्मा ने कहा कि सितंबर में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ेगा, हालांकि संवाद और बातचीत की संभावनाएं भी बनी रहेंगी। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दैहिक, दैविक और भौतिक आपदाओं से बचने का उपाय केवल अनुशासन और यज्ञ है। इसी उद्देश्य से आश्रम में चंडी अनुष्ठान किया गया ताकि मानव जीवन में शांति बनी रहे और प्रकृति का संतुलन कायम हो। यज्ञ अनुष्ठान में ट्रस्ट के महामंत्री रवींद्र भदौरिया, उमाशंकर त्रिवेदी, सत्यनारायण त्रिवारी, आशु रघुवंशी, विनीत शर्मा, अभिषेक कौशिक, गौरव मित्तल, प्रबंधक नारायण शास्त्री, दीपक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं से आपदाओं का असर कम करने और समाज में सुख-शांति की प्रार्थना की।

जगद्गुरु शंकराचार्य आश्रम कनखल में चंडी यज्ञ करने के दौरान डॉ. लेखराज शर्मा।

न्यूज ब्रीफ

धलवाड़ी सहकारी सभा के चुनाव की तिथियां घोषित

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। बुधवार को द धलवाड़ी कृषि सेवा सहकारी सभा के प्रबंधक कमेटी के चुनाव के लिए तिथियां घोषित कर दी गई हैं। जिसके लिए 4 सितंबर को मतदान से संबंधित सभी सूचना सभा परिसर में लगा दी जाएगी नामांकन प्रक्रिया 27 अक्टूबर से शुरू होगी और 31 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। चुनाव 17 नवंबर को होगा। ऋणी सदस्यों को 16 अक्टूबर तक अपनी देय राशि जमा करवानी होगी ताकि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके।

बंगाणा कॉलेज में पीटीए की बैठक 9 को

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान, बंगाणा। अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय, बंगाणा में अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की बैठक अब 9 सितंबर प्रातः 11 बजे आयोजित की जाएगी। पीटीए सचिव डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि यह बैठक मूलतः 6 सितंबर 2025 को प्रस्तावित थी, परंतु उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आपदा को देखते हुए 7 सितंबर तक सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का निर्णय लिया गया। इसी कारण बैठक की तिथि परिवर्तित की गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश ठाकुर ने सभी अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे 9 सितंबर को होने वाली इस बैठक में समय पर उपस्थित होकर अपने रचनात्मक सुझाव अवश्य प्रदान करें।

महाराणा प्रताप कॉलेज में पीटीए बैठक स्थगित

अनंत ज्ञान, अंब। महाराणा प्रताप राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय, अंब में प्रस्तावित अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की बैठक को अपरिहार्य कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया है। यह बैठक 4 सितंबरको अपराह्न 2 बजे आयोजित की जानी थी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दर्शन कुमार ने बताया कि आगामी आदेशों तक बैठक को स्थगित किया गया है। उन्होंने अभिभावकों व संबंधित पक्षों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि अगली बैठक की तिथि शीघ्र ही सूचित की जाएगी।

हिमाचल कल्याण सभा दिल्ली ने आपदा पर दुख जताया

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमाचल प्रदेश में हाल ही में हुई भारी वर्षा, भूस्खलन और प्राकृतिक आपदाओं से हुए भारी जानमाल के नुकसान के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए हिमाचल कल्याण सभा (पंजी.) दिल्ली ने राहत कार्य में योगदान देने का सराहनीय कदम उठाया है। सभा द्वारा एकत्रित की गई सहायता राशि का चेक हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के राहत कोष में प्रदान किया गया। यह चेक रेजिडेंट कमिश्नर (हिमाचल प्रदेश) अजय कुमार यादव को हिमाचल भवन, मंडी हाउस, नई दिल्ली में सौंपा गया। इस अवसर पर सभा के प्रधान राकेश शर्मा, डिप्टी रेजिडेंट कमिश्नर मयंक शर्मा सहित सभा के पदाधिकारी के.एम. लाल, सुरजीत चंदेल, बक्शी राम, शीशराम पाल, राजेंद्र ठाकुर और प्रेम चंद विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा के प्रधान राकेश शर्मा ने बताया कि संस्था अपना वार्षिक उत्सव 'हिमाचल मेला' एवं हिमाचली धाम (भंडारा) 23 नवंबर 2025 को बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित करने जा रही है। उन्होंने रेजिडेंट कमिश्नर एवं डिप्टी रेजिडेंट कमिश्नर (हि.प्र.) को इस भव्य समारोह में सादर आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों एवं सांसदों को भी सादर निमंत्रण दिया जाएगा।

दौलतपुर चौक कॉलेज में पढ़ाया नशे के खिलाफ पाठ

अनंत ज्ञान, दौलतपुर चौक। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय दौलतपुर चौक में बुधवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति एवं निवारण विषय पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में कार्यकारी प्राचार्य डॉ. लीना शर्मा ने शिरकत की, जबकि शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रो. डॉ. सुनील रियात कार्यक्रम अध्यक्ष रहे। मुख्य वक्ता के रूप में ब्रह्माकुमारी शाखा अंब की अधिकारी डॉ. किरण शर्मा ने छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और सकारात्मक जीवनशैली तथा ध्यान को अपनाने पर बल दिया। उनके साथ बहन रीतू, बहन सोना माता और भाई प्रवीण भी मौजूद रहे।

टेबल टेनिस में दिव्या सूद और पवन रहे प्रथम

अनंत ज्ञान, अंब। महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय अंब में शारीरिक शिक्षा विभाग एवं स्पोर्ट एंड योग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में टेबल-टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 16 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संयोजक डॉ. पवन कुमार पटियाल ने बताया कि लड़कों में प्रदीप कुमार ने प्रथम स्थान, विनय शर्मा ने द्वितीय स्थान और नवीन सूद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों में दिव्या सूद ने प्रथम स्थान, श्रेया तिवारी ने द्वितीय स्थान और देविका शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में प्राचार्य महोदय प्रो. दर्शन कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. लेफ्टिनेंट अनिल वर्मा भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता की सफलता के लिए डॉ. पवन कुमार पटियाल और उनकी टीम को बधाई दी गई।

प्लाहटा पंचायत की पूर्व प्रधान राजकुमारी का निधन

अनंत ज्ञान, जोल। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत प्लाहटा की पूर्व प्रधान राजकुमारी (75) का मंगलवार देर शाम 8:30 बजे लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। राजकुमारी के निधन पर पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय वॉलीबाल फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर, प्लाहटा पंचायत के प्रधान दीपांकर कंवर, उपप्रधान शक्ति सिंह, पूर्व उपप्रधान कर्म सिंह, पूर्व प्रधान ज्ञानचंद, समस्त पंचायत सदस्य, कैप्टन सुभाष कौंडल, कुटलैहड़ सेवा संगठन के पदाधिकारी मास्टर रमेश शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोगों ने दुख जताया है।

दोबड़ पंचायत में पांच रिहायशी मकान खाली करवाए

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के अंतर्गत पंचायत दोबड़ में बीते दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने एक बार फिर कहर बरपाया है। क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन और दरारें आने से लोगों के मकान असुरक्षित हो गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पंचायत दोबड़ के पांच रिहायशी मकानों को खाली करवाकर परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। फिलहाल, ग्रामीण प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर हैं, लेकिन उनके घरों के भविष्य और पुनर्वास को लेकर चिंता बनी हुई है।

आपदा प्रभावितों को दी सहायता राशि

अनंत ज्ञान, बंगाणा। सुगड़ियाल पंचायत के ग्रामवासियों ने मानवीयता की मिसाल पेश करते हुए बाढ़ पीड़ितों की मदद हेतु 78,052 रुपए की सहयोग राशि कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो को सौंपी। यह राशि पंचायत प्रधान वीना देवी, उपप्रधान अरुण मनकोटिया, समाजसेवी बालकृष्ण शर्मा के नेतृत्व में एकत्र की गई, जिसमें ग्राम के प्रत्येक परिवार और युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके लिए भुट्टो ने सहयोग के लिए ग्रामवासियों का आभार जताया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र मलांगड़, उपाध्यक्ष राजकुमार मनकोटिया, सूरम सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भुट्टो ने दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचाई राहत सामग्री

अनंत ज्ञान, बंगाणा। पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित दोबड़ गांव का दौरा कर पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने गांव में तिरपाल, राशन किट और बर्तन पहुंचाए, साथ ही नाव के माध्यम से रायपुर-भाखड़ा झील पार कर दुर्गम क्षेत्रों तक राहत सामग्री पहुंचाई। इस दौरान जिला पार्षद कृष्ण पाल शर्मा भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने भुट्टो के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में उनका साथ पाकर उन्हें संबल मिला है। भुट्टो ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

चंबोआ-चड़ोली सड़क मार्ग की हालत बदतर

अनंत ज्ञान, चौकीमन्यार। चौकीमन्यार क्षेत्र में जोल से बंगाणा को जोड़ने वाली चंबोआ-चड़ोली संपर्क सड़क भारी बारिश के चलते बदहाल हो चुकी है। लगातार वर्षा से सड़क 10 से 20 फुट तक धंस चुकी है, जिससे यात्रा करना जोखिम भरा हो गया है। दलदली हालत के कारण दोपहिया और चौपहिया वाहन रोजाना फंस रहे हैं। यह स्थिति न केवल आम लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है, बल्कि स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और आपातकालीन सेवाओं पर भी गंभीर असर डाल रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से सड़क के स्थायी समाधान की मांग की है। बंगाणा लोक निर्माण विभाग के एसडीओ संजीव गौतम ने बताया कि बारिश रुकते ही मजबूत डंगा लगाकर सड़क की मरम्मत करवा दी जाएगी, जिससे लोगों की समस्या का हल हो जाएगा।

गोबिंदसागर झील का जलस्तर बढ़ा, गश्त बढ़ाई

पर्यटकों से की गई सतर्कता बरतने की अपील

विनोद कुमार, अनंत ज्ञान

लठियाणी। लठियाणी में गोबिंदसागर झील का जलस्तर इन दिनों लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि सतर्क हो गए हैं। इस प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण झील के समीप पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ गई है, लेकिन सुरक्षा के लिए जागरूक करना बहुत ही आवश्यक हो गया है।

पंचायत प्रधान जोगिंदर शर्मा, उपप्रधान निर्मल सिंह ठाकुर, पंचायत समिति सदस्य जोगिंदर देव आर्य ने कहा कि अन्य जिलों से आने वाले पर्यटकों से अनुरोध किया है कि वे अपने वाहनों को झील से उचित दूरी पर ही पार्क करें। उन्होंने बताया कि कुछ लोग अपने निजी वाहनों को धोने के उद्देश्य से झील के एकदम नजदीक तक ले जाते हैं, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह जानलेवा भी साबित हो सकता है।पंचायत प्रधान जोगिंदर शर्मा ने बताया कि झील के जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि के कारण जमीन की पकड़ कमजोर हो रही है और पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब वाहन झील में फिसलकर गिर गए। ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सभी से आह्वान किया है कि झील के समीप अत्यधिक सतर्कता रखें। प्रशासन भी इस विषय पर पूरी तरह सतर्क है।

गोबिंदसागर झील लठियाणी में पानी बढ़ने से प्रशासन सतर्क हो गया है।

बंगाणा थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने बताया कि गोबिंदसागर झील में समय-समय पर गश्त बढ़ाई जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके। प्रशासन द्वारा जो दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, उनका पालन करना सभी नागरिकों और पर्यटकों की जिम्मेदारी है। पुलिस थाना प्रभारी रोहित चौधरी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों से अपील की गई है कि यदि वे झील के आसपास किसी भी प्रकार की लापरवाही या खतरे की स्थिति देखें, तो तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचित करें।

सार्वजनिक सुरक्षा हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। गोबिंदसागर झील की सुंदरता का आनंद लें, लेकिन सुरक्षा और नियमों का पालन करते हुए।

पोलियां पुरोहितां में रास्ता धंसा आवाजाही ठप, ग्रामीण परेशान

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

अंब। पोलियां पुरोहितां पंचायत के वार्ड नंबर 3 में लिंक रोड से मोहल्ला पाठयारियां की ओर जाने वाला मुख्य रास्ता हाल ही में हुई भारी बारिश के चलते बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे स्थानीय निवासियों की आवाजाही काफी प्रभावित हो गई है। खासकर स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मोहल्ले के निवासी विविंदर कुमार उर्फ विक्की ने बताया कि लगातार बारिश के कारण उनका मकान भी अब रहने लायक नहीं बचा है, साथ ही इस रास्ते के क्षतिग्रस्त होने के गाड़ियां चलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द समाधान की मांग की है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि रास्ते की मरम्मत और जल निकासी की उचित व्यवस्था करवाई जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके, साथ ही इस क्षेत्र में स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता जताई गई है।

पोलियां परोहितां में बारिश से प्रभावित रास्ता, जिस कारण ग्रामीण परेशान हैं।

किसी की मां पर टिप्पणी करना शोभनीय नहीं : शर्मा

अनंत ज्ञान, ऊना। राष्ट्रीय इंटक के सचिव व प्रदेश इंटक के महासचिव कामरेड जगत राम शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार मोदी का अपनी मां पर टिप्पणी करने से मन आहत हुआ, इसी प्रकार भाजपा मोदी और अन्य लोगों को समझ लेना चाहिए, जब यह लोग गांधी परिवार, नेहरू परिवार पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं तो देश भी इनको बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा सोनिया गांधी को कभी कोई विधवा, कभी जर्सी गाय कभी विदेशी आदि कहते हैं और राहुल गांधी को पप्पू आदि अनेक नामों से प्रचारित करते हैं अब इनको क्यों तकलीफ हो रही है?

उन्होंने कहा कि किसी की मां पर टिप्पणी करना शोभनीय नहीं है। अफसोस की बात यह है कि जो आज देशभक्त बने हुए हैं, ये लोग सार्वजनिक क्षेत्र को खुलेआम कौड़ियों के भाव बेचने के लिए योजनाएं बना रहे हैं और बहुत से संस्थान बेच भी दिए हुए हैं। जगत राम ने कांग्रेसियों व देशभक्त लोगों से कहा जैसे राहुल ने वोट चोरी का मुद्दा उठाकर मोदी को दिन में तारे दिखाए हैं, वैसे देश के लोगों ने भी मोदी को दिन में तारे दिखाने हैं और राहुल गांधी जो लोगों का मार्गदर्शन करते हैं, उस पर भरपूर स्टैंड लें।

बेहलां गांव में भारी बारिश से कई परिवार प्रभावित

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान

बड़ूही। उपमंडल बंगाणा की उपतहसील जोल के अंतर्गत आने वाली टकोली पंचायत के बेहला गांव में भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। लगातार हो रही बरसात के चलते कई गरीब परिवारों के घर और पशुशालाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। प्रभावित परिवार अब प्रशासन और स्थानीय लोगों की मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

गांव के विधि चंद पुत्र रिखी राम का मकान भारी बारिश के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। विधि चंद गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिनके आय के साधन भी सीमित हैं। उनका एक बेटा था जिसकी पहले ही मौत हो चुकी है। वह कहते हैं मेरा मकान पूरी तरह टूट गया है। घर चलाने का कोई साधन नहीं है, बेटा भी अब इस दुनिया में नहीं है। अब समझ नहीं आ रहा कि परिवार को कहां ले जाऊं।

इसी प्रकार जोगिंदर पुत्र बंतु राम के मकान में गहरी दरारें आ गई हैं। जोगिंदर दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का गुजर-बसर करता है, लेकिन अब उसका घर रहने योग्य नहीं रह गया है। वे बताते हैं दिहाड़ी मजदूरी से गुजारा होता है, अब घर में गहरी दरारें पड़ गई हैं। रात को परिवार लेकर किस तरह रहूं, यह बड़ी चिंता है। वहीं, मोहिंदर पुत्र बंतु राम, जो बीपीएल श्रेणी से संबंध रखते हैं, उनकी पशुशाला पूरी तरह गिर गई है। उनका कहना है पशुशाला गिर जाने से हमारे जानवर खुले में खड़े हैं। बारिश में उन्हें बचाना मुश्किल हो रहा है।

बेहलां गांव में आपदा से भवन को खतरा।

प्रभावित लोगों ने प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

बारू राम पुत्र जम्भा राम की पशुशाला के पास भारी भूस्खलन हुआ है। लाहासा गिरने से पशुशाला और पास का मकान खतरे की जद में आ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। इसके अलावा सुनील राणा पुत्र मेघा सिंह का मकान भी खतरे में है। उनके घर के साथ लगती पहाड़ी दरक गई है और मकान की एक दीवार हवा में लटक गई है। सुनील राणा ने बताया मकान की दीवार हवा में लटक रही है। कभी भी पूरा हिस्सा गिर सकता है। परिवार की सुरक्षा को लेकर डर बना हुआ है।

टकोली पंचायत की प्रधान ममता देवी ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों को पंचायत स्तर पर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा हमने हालात का जायजा लिया है। पंचायत की ओर से हरसंभव मदद दी जाएगी, लेकिन प्रशासन से तुरंत राहत पहुंचना बहुत जरूरी है। इस संबंध में नायब तहसीलदार जोल अश्वनी धीमान ने बताया कि हलका पटवारी को नुकसान का आकलन करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद प्रभावित परिवारों को प्रशासनिक राहत मुहैया करवाई जाएगी।

ऊना जिले में 334 करोड़ के नुकसान के बीच राहत व बहाली कार्यों में जुटा जिला प्रशासन

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में डीसी जतिन लाल ने दी जानकारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को शिमला से ऑनलाइन माध्यम से ऊना जिले समेत प्रदेश के सभी जिलों में भारी बारिश और भूस्खलन से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन राहत व बहाली कार्यों में पूरी तत्परता से जुटा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे तथा प्रभावित परिवारों को शीघ्रतम राहत उपलब्ध कराने का काम इसी तत्परता से जारी रखें। उपायुक्त ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार जिले में कुल 334 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसमें लोक निर्माण विभाग को 185 करोड़, जलशक्ति विभाग को 125 करोड़ तथा बिजली विभाग को 24 करोड़ रुपए का नुकसान शामिल है। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग सभी स्थानों पर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग भदसाली क्षतिग्रस्त हुआ है, जबकि अन्य सभी प्रमुख मार्ग बहाल किए जा चुके हैं। कुछ संपर्क मार्ग भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं, जिनकी बहाली युद्धस्तर पर की जा रही है।

अंब और बंगाणा उपमंडलों में कुछ रिहायशी मकानों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। प्रभावित परिवारों को फौरी राहत प्रदान की गई है तथा और मदद के लिए मामलों को शीघ्र स्वीकृति हेतु भेजा जाएगा। बैठक में उपायुक्त के साथ पुलिस अधीक्षक अमित यादव और सभी विभागों के प्रमुख उपायुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में उपस्थित रहे तथा वर्चुअल रूप से बैठक से जुड़े थे।

कुटलैहड़ में हर पीड़ित को मिलेगी सहायता : विवेक

अनंत ज्ञान, बंगाणा। कुटलैहड़ विस क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। बीते मंगलवार शाम तक ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक क्षेत्र में कुल 100 करोड़ 28 लाख 75 हजार रुपए का नुकसान दर्ज किया गया है। बारिश से जहां कई परिवार बेघर हो गए हैं, वहीं निजी व सरकारी ढांचा भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि बंगाणा प्रशासन लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार से पीड़ित परिवारों को हरसंभव राहत व सहायता मुहैया कराएंगे। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि कुटलैहड़ में बारिश और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक कुछ लोगों की भी मौत हुई है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की हरसंभव सहायता की जाएगी।

कुठेड़ा जसवालां में दुकान के ताले तोड़कर नकदी व महंगे मोबाइल फोन किए चोरी

अनंत ज्ञान टीम, गगरेट/पंजावर

उपमंडल गगरेट में शुरू हुआ सिलसिलेवार चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले से हुई चोरी की घटनाओं पर से पुलिस पर्दा उठा नहीं पाई है कि अब अज्ञात चोरों ने कुठेड़ा जसवालां में एक दुकान के ताले तोड़कर नकदी व महंगे मोबाइल हैंडसैटों पर हाथ साफ कर दिया। यही नहीं बल्कि दुकान पर रखा अन्य सामान भी अज्ञात चोर ले उड़े। घटना की जानकारी मिलते ही गगरेट पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कुठेड़ा जसवालां में अज्ञात चोरों का निशाना बनी रोमी कम्न्युकेशन के मालिक राकेश कुमार ने बताया कि मंगलवार सायं जब वह दुकान बंद करके घर गए तो सब ठीक था। बुधवार सुबह जल्दी उठकर वह घर से दूध लेने जा रहे थे और जैसे ही दुकान के समीप पहुंचे तो दुकान के ताले टूटे देखकर दंग रह गए। चोरों ने दुकान के ताले तोड़े और शटर उठाकर अंदर प्रवेश कर गए। र

ाकेश कुमार के अनुसार दुकान में गल्ले में रखे पच्चीस हजार रुपये व तीन मंहगे मोबाइल फोन सैट व काफी मोबाइल एसेस्रीज गायब थी। इसकी सूचना गगरेट पुलिस को दी गई। मौका पर आई पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और दुकान से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी जांचे लेकिन अज्ञात चोरों का पता नहीं चल पाया है। इससे पहले भी क्षेत्र में सिलसिलेवार कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक पुलिस किसी भी चोरी की वारदात का पटाक्षेप नहीं कर पाई है। चोरी की बढ़ती वारदातों से लोग सहमे हुए हैं। उधर पुलिस की मानें तो मामले की जांच की जा रही है।

गगरेट पहुंचते ही विधायक कालिया राहत कार्यों में जुटे

अनंत ज्ञान, गगरेट

विधानसभा का शीतकालीन सत्र समाप्त होते ही विधायक राकेश कालिया अपने विधानसभा क्षेत्र गगरेट में पहुंचकर प्रलंयकारी बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के साथ राहत कार्यों को अंजाम देने में जुट गए हैं। बुधवार को विधायक राकेश कालिया ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समूचे विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया और बरसात से लोगों को मिले जख्मों को देखने के लिए उनके पास पहुंचे। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को बरसात से हुए नुकसान का पूरा आकलन कर डाटा तैयार कर प्रदेश सरकार को भेजने के आदेश देने के साथ राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बरसात के चलते जिनके आशियाने गिरे हैं, उन्हें पहले ही मुख्यमंत्री साढ़े सात लाख रुपए देने का ऐलान कर चुके हैं और समूचे प्रदेश को ही आपदा ग्रस्त राज्य घोषित कर डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट लागू किया गया है। प्रदेश भर में भयंकर बरसात ने गहरे जख्म दिए हैं तो विधानसभा क्षेत्र गगरेट में भी लोगों को बरसात ने खून के आंसू रोने पर विवश कर दिया है।

विधायक राकेश कालिया नुकसान का जायजा लेते हुए।

113 वर्षीय रत्नी देवी की याददाश्त के हुए कायल

गगरेट। प्राकृतिक आपदा से मिले जख्मों का आकलन करने जब विधायक राकेश कालिया मरवाड़ी गांव पहुंचे तो वहां उन्हें 113 वर्षीय वृद्धा रत्नी देवी भी मिली। रत्नी देवी को भारत-पाक विभाजन, द्वितीय विश्व युद्ध सहित कई प्राकृतिक आपदाएं याद हैं। रत्नी देवी कहती हैं कि इतनी उम्र हो गई, लेकिन ऐसी भयानक त्रासदी कभी नहीं देखी जो इस बार अंबर से बरसी है। रत्नी देवी की याददाश्त देख राकेश कालिया भी उनके कायल हुए।

उपमंडल गगरेट में ही बरसात से 84 मकान जमींदोज हुए हैं तो तीस गोशालाएं ध्वस्त हुई हैं। कई मकानों के डंगे गिर जाने से उन पर गिरने का खतरा मंडराने लगा है। उन्होंने गोंदपुर बनेहड़ा, मरवाड़ी, ओयल, थप्पलां, अंबोटा सहित कई गांवों का दौरा कर वस्तुस्थिति को जाना।

प्राकृतिक आपदा के बीच किसी भी व्यक्ति को खाने-पीने व रहने की कोई दिक्कत न आए, इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उनके साथ सारा सरकारी अमला उपस्थित था।

समारोह रोटरी संस्थान का विश्व में नि:स्वार्थ भाव से सेवा में अद्वितीय योगदान : ओबरॉय

जरूरतमंद समाज की निरंतर की जा रही मदद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

रोटरी अंतरराष्ट्रीय संस्था विश्व में नि:स्वार्थ भाव से सेवा के हर क्षेत्र में अद्वितीय योगदान कर रही है। यह बात स्थानीय माया होटल में रोटरी क्लब ऊना के पदस्थापना समारोह व गवर्नर आफिशियल विजिट में बतौर मुख्यातिथि अपने संबोधन में रोटरी जिला 3070 के जिला गवर्नर रोटेरियन रोहित ओबरॉय ने कही। जिला गवर्नर रोटेरियन रोहित ओबरॉय ने प्रधान यशपाल सिंह ठाकुर व सचिव रंजीत जसवाल के नेतृत्व में नई टीम को पदस्थापित किया।

उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब ने बेहतर कार्य करते हुए समाज में बेहतर छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि क्लब द्वारा नियमित तौर पर सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता में प्रभावी भूमिका निभाकर जरूरतमंद समाज की मदद की जा रही है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब में हर वर्ष नए लोगों को जोड़ने व नेतृत्व क्षमता निर्माण के प्रयास सराहनीय है। इससे युवाओं को अपनी संस्कृति व संस्कारों से जुड़ने का अवसर मिलता है। रोहित ओबरॉय ने कहा कि हिमाचल, पंजाब व जेएंडके इस समय बड़ी प्राकृतिक आपदा से निपट रहा है, ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि रोटरी का प्रत्येक सदस्य इस विकट समय में आगे बढ़कर अपने समाज व राष्ट्र के लिए सकारात्मक सहयोग करें।

रोटरी क्लब ऊना के पद स्थापना समारोह में उपस्थित गणमान्य।

उन्होंने नई टीम को पीड़ित मानवता की सेवा के कल्याण के लिए चलाए गए विभिन्न प्रकल्पों को गति देने व समाज सेवा के क्षेत्र में नए प्रोजेक्ट शुरू करने का आह्वान किया। क्लब के नवर्निवाचित प्रधान यशपाल सिंह ठाकुर ने भविष्य की योजनाओं का खुलासा किया। नए सचिव रंजीत जसवाल ने नई टीम को सभी के समक्ष इंटरडयूस किया।

कार्यक्रम में रोटेरियन मौनिका सिंह ने मुख्यातिथि जिला गवर्नर रोटे. रोहित ओबराय व रोटे. संजीव अग्निहोत्री ने क्लब प्रधान यशपाल सिंह ठाकुर का जीवन वृत सबके सामने प्रस्तुत किया। नीलम अग्निहोत्री ने मंच संचालन किया। समारोह के मुख्यातिथि रोटे. रोहित ओबराय ने क्लब गतिविधियों में सहयोग के लिए विभिन्न विभूतियों व मीडिया पर्सनस को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में हिमकैप्स ला एवं नर्सिंग कालेज बढ़ेड़ा की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर रोटरी जिला सचिव एचएस जोगी, हिमकैप्स कालेज के चेयरमेन विक्रमजीत सिंह, इन्नरव्हील क्लब ऊना की सचिव अमरजीत बबली, पूर्व प्रधान रमा कंवर, आरसीसी ईसपुर के अध्यक्ष चित विलास पाठक, हिमोत्कर्ष प्रदेश महासचिव डॉ. रविंद्र सूद, जिलाध्यक्ष कर्णपाल सिंह मनकोटिया, जयगोपाल शर्मा, विजय साहनी, हिमोत्कर्ष महिला मंच सदस्य अनीती सूद, मंजू मनकोटिया, सुलोचना ठाकुर, ज्योति चौधरी, अनीता चीटू,रजिता कसाणा,रोटरी क्लब के समस्त सदस्यगण व शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नई टीम को पिन-अप किया रोटरी क्लब ऊना के गरिमामय पदस्थापना समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए निर्वाचित रोटरी क्लब ऊना की नई टीम ने कार्यभार संभाला। इस अवसर पर नए सदस्यों व अन्य सदस्यों को पिनअप किया गया।

प्रदेश राजपूत कल्याण बोर्ड में अरनियाला के भूपिंदर का चयन

अनंत ज्ञान, ऊना

प्रदेश सरकार ने राजपूत समाज के उत्थान एवं कल्याण के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश राजपूत कल्याण बोर्ड का पुनर्गठन किया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित इस बोर्ड में सरकारी और गैर-सरकारी सदस्यों को शामिल किया गया है। पूर्व बीडीसी सदस्य भूपिंदर सिंह राणा पुत्र गुरदास राम निवासी अपर अरनियाला को बोर्ड का सदस्य नामित किया गया है। उनके चयन से ऊना क्षेत्र में खुशी की लहर है।

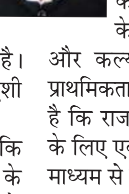

स्थानीय लोगों का मानना है कि उनके अनुभव और समाज सेवा के प्रति समर्पण से राजपूत समाज के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। बोर्ड में विभिन्न विभागों के मुख्य सचिव एवं सचिव स्तर के अधिकारी भी सदस्य बनाए गए हैं, ताकि सरकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। भूपिंदर सिंह ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, ऊना के पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष रणजीत सिंह राणा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जिस विश्वास और जिम्मेदारी के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा है, वे उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान, शिक्षा, युवाओं के रोजगार, सामाजिक न्याय और कल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उनका मानना है कि राजपूत कल्याण बोर्ड समाज के लिए एक मजबूत मंच है, जिसके माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान और हितों की रक्षा की जा सकती है। स्थानीय लोगों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने भी भूपिंदर सिंह के मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। भुपिंद्र सिंह ने कहा कि वे हमेशा बिना किसी राजनीति के समर्पित रहेंगे और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाएंगे।

जाको राखे साइयां मार सके ना कोय

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

रोहित ने दो दिन पहले ही छोड़ा था वह कमरा जो भूस्खलन की चपेट में आया

कुल्लू। एक कहावत है कि जाको राखे साइयां मार सके ना कोय। यह कहावत कुल्लू के इनर अखाड़ा बाजार में भूस्खलन की घटना में सच साबित हुई है। दरअसल, इस घटना में जिन दो कमरों में दो युवक हादसे का शिकार हुए हैं, उसी में से एक कमरे में दो दिन पहले लखनऊ का एक व्यक्ति, जो कि वर्तमान में सपना स्वीट्स में कार्य करता है अपनी पत्नी और 10 माह की बेटी के साथ रहता था, लेकिन किसी कारणवश दो दिन पहले ही उसे मजबूरन कमरा छोड़ना पड़ा था।

कमरा छोड़ने के बाद वह काफी परेशान रहा कि अब नया कमरा एकदम से कहां मिलेगा और ऐसे मौसम में वह नन्हीं सी बच्ची और पत्नी के साथ कहां रहेगा, लेकिन जब उसने अपने मालिक को इस समस्या बारे अवगत करवाया तो उन्होंने उसके लिए कमरे की व्यवस्था की, जिससे उसकी समस्या खत्म हो गई। उक्त व्यक्ति रोहित ने अनंत ज्ञान के साथ अपनी बात साझा करते हुए बताया कि बुधवार सुबह जब उसने भूस्खलन की घटना के बारे में सुना, तो उसके रोंगटे खड़े हो गए। उसने बताया कि शायद अभी मेरा दाना पानी इस संसार में शेष बचा है, तभी तो दो दिन पहले छोटी सी बात को लेकर उन्होंने वह कमरा छोड़ दिया और दूसरी जगह आ गए। रोहित ने

अनंत ज्ञान स्पैशल

भगवान का शुक्रिया जताते हुए कहा कि आज अगर मैं और मेरा परिवार जिंदा है, तो यह सब भगवान की कृपा और माया है। वहीं, रोहित के मालिक व सपना स्वीट्स के एमडी सुरेंद्र मेहत्ता ने इनर अखाड़ा बाजार में पेश आई भूस्खलन की घटना और दो लोगों के दबने पर शोक जताते हुए कहा कि इस बार पूरे हिमाचल में बारिश के कारण बहुत नुकसान हो रहा है। खासकर कुल्लू जिला में भूस्खलन, बादल फटने और नदी नालों का जलस्तर बढ़ने से करोड़ों रुपए की सरकारी व निजी संपति को नुकसान हुआ है लेकिन इनर अखाड़ा बाज़ार में जो जानी नुकसान हुआ है वह बेहद दु:खद घटना है। वहीं, उन्होंने कहा कि उनकी दुकान में कार्य करने वाला लखनऊ का रोहित भी उसी कमरे में रहता था जहां बीती रात भूस्खलन होने से सब कुछ खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि यह सब भगवान की मेहर है उसने जिसको बचाना है उसको बहाने से बचा ही लेता है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले जहां रूम छोड़ने के बाद रोहित के चेहरे पर चिंता की लकीरें दिख रही थीं। वहीं, आज यह खुश है और खुद को भाग्यशाली मान रहा है। उन्होंने कहा कि सच ही कहा है जाको राखे साईंयां मार सके न कोय। वहीं, सुरेंद्र मेहत्ता ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अखाड़ा बाजार पर सभी जगह से खतरा मंडरा रहा है। पहाड़ी के ऊपर से जहां जगह भूस्खलन और नालियों की निकासी और लोगों द्वारा अपने घरों से छोड़े गए सीवरेज के पानी के कारण पहाड़ी के धंसने का खतरा है वहीं, नीचे से ब्यास का भी लगातार खतरा सता रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से शीघ्र ही इस समस्या का कोई समाधान करने की मांग की है। वहीं, इस घटना में मलबे में दबे ब्यासर से संबंध रखने वाले नरेंद्र का किसी और जगह पर किराए का कमरा था, लेकिन वह वहां क्यों और किसके पास आये थे अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बिजली की आंख मिचौनी से लोग हो रहे परेशान

अनंत ज्ञान, मनाली। राष्ट्रीय उच्च मार्ग के साथ लगते शिम गांव व झकड़ी, बुलंग, फोजल, नेरी, काथी कुक्डी इलाके में बिजली न होने के कारण लोगों को भारी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। इस इलाके में पिछले कई दिनों से लोग बिजली की आंख-मिचौनी से तंग आ चुके हैं। स्थानीय निवासी चांद, परवीन, कुलदीप और चमन ने बताया कि फाल्ट यहां से 3 से चार किलो मीटर पीछे फोजल की ओर होता है, मगर उस का खामियाजा दूसरे गांव वालों को भुगतना पड़ता है। लोगों ने कई बार विभाग को यहां स्विच लगाने के लिए आग्रह भी किया, ताकि राष्ट्रीय उच्च मार्ग से लगते गांव शिम व माटीयाना में बिजली स्थिर रह सके। लोगों ने बताया कि शिम गांव के आसपास चारों ओर बिजली झिलमिलाती है, मगर शिम व मटियाना गांव में अंधेरा पसरा रहता है। 28 अगस्त से इस इलाके में पूरी तरह बिजली स्थिर न रहने के कारण लोगों में भारी रोष व्याप्त है। ज्ञात रहे बिजली न होने से यहां बागवान अपनी मशीनों से सेब की ग्रेडिंग भी नहीं कर पा रहे हैं और स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। लोगों ने बिजली बोर्ड से मांग की है कि मटीयाना में स्विच लगाया जाए, ताकि दूसरे गांव वालों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस बारे में सहायक अभियंता बिजली बोर्ड जितेंद्र ठाकुर ने बताया कि फोजल की ओर लाइन में फाल्ट आ गया है। ठीक होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

मठ में जल निकासी और सीवरेज की खराब व्यवस्था, भूस्खलन का कारण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

इनर अखाड़ा बाजार में पहाड़ी से गिर रहा मलबा, जिससे कई घर खतरे की जद में हैं

कुल्लू शहर में कल देर रात हुए विनाशकारी भूस्खलन ने इनर अखाड़ा बाजार क्षेत्र के कई घरों को तहस-नहस कर दिया है।

इससे दो लोगों के दबे होने की आशंका है। इससे निवासियों की लंबे समय से अनदेखी की जा रही सुरक्षा संबंधी चिंताएं उजागर हुई हैं। इस घटना ने एक बार फिर इनर अखाड़ा बाजार के लोगों को डरा कर दिया है, जहां निवासी लंबे समय से भूस्खलन के खतरे के साये में रह रहे हैं वहीं, अब इस घटना के बाद लोग सहम गए हैं और दहशत के साए में हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अखाड़ा बाजार के ऊपर स्थित मठ क्षेत्र में हो रहे अनियमित निर्माण कार्यों को ढलानों के अस्थिर होने और खानेड़ क्षेत्र के लगातार धंसने से यह घटना पेश आई है। उन्होंने बताया कि पिछले भूस्खलनों ने पहले ही इलाके में संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचाया है। लोगों ने आरोप लगाया कि मठ में जल निकासी और सीवरेज की खराब व्यवस्था के कारण सारा पानी नीचे की ओर रिस रहा है।

इससे भूस्खलन जैसी स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि मठ में चट्टान के किनारे बसे कई घरों के मालिक अपनी नालियों को खुला छोड़ देते हैं या उन्हें क्षतिग्रस्त सीवरेज चैंबरों से जोड़ देते हैं। भारी बारिश के दौरान, सीवरेज ओवरफ्लो हो जाता है और पानी मिट्टी में रिस जाता है, जिससे धीरे-धीरे परतें ढीली हो जाती हैं और इनर अखाड़ा बाजार के लगभग 200 निवासियों को खतरा होता है। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि हमारी बार-बार अपील के बावजूद, कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। नगर परिषद और जल शक्ति विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी थोपते रहते हैं, लेकिन खामियाजा लोगों को भरना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने आपदाओं को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मठ क्षेत्र की जल निकासी व सीवरेज प्रणालियों को ठीक से व्यवस्थित करने और संवेदनशील खानेड़ क्षेत्र में तत्काल आरसीसी सुरक्षा दीवारों के निर्माण की मांग की है। लोगों ने इस बात पर भी जोर दिया कि जल निकासी रखरखाव में जिन मकान मालिकों की लापरवाही से यह सब हुआ, उनकी जवाबदेही तय की जाए।

फंसे चरवाहों तक पहुंचाया जरूरत का सामान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

लाहौल-स्पीति के पटसेउ में खराब मौसम के बीच चरवाहों को बचाया गया है। केलांग, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) लाहौल-स्पीति के नेतृत्व में एक त्वरित बचाव अभियान में खराब मौसम के कारण पटसेउ के पास काफी संख्या में चरवाहों के फंसे होने की सूचना मिलने पर एक टीम भेजी गई।

डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने त्वरित कार्रवाई करते सीडीपीओ खुशविंदर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय बचाव दल दो वाहनों में रवाना किया। हालांकि, इस टीम को रास्ते में पत्थर, मलबा और बर्फ गिरने जैसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। यह रेस्क्यू अभियान लगभग छह घंटे तक चला। लगभग 2,100 भेड़-बकरियों के साथ फंसे हुए चरवाहों का पता लगाया गया और उन्हें तत्काल सहायता प्रदान की गई। बचाव दल ने कठिन परिस्थितियों में उनकी सहायता के लिए दर्द निवारक, ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों की गोलियां, एलर्जी-रोधी दवाएं और ओआरएस सहित दवाइयां, साथ ही 200 किलोग्राम ईंधन की लकड़ी और खाद्य सामग्री वितरित की। दुर्भाग्य से इंदर सिंह नामक एक चरवाहे की दो बकरियां मृत पाई गईं। लगातार खराब मौसम चरवाहों की दिनचर्या के लिए चुनौतियां खड़ी कर रहा है। चरवाहों ने आभार व्यक्त करते हुए, जिले में भारी बारिश व प्रकूिल परिस्थितियों के दौरान समय पर हस्तक्षेप व सहयोग के लिए डीसी का आभार व्यक्त किया।

डीसी ने बताया कि बुधवार को एक और टीम गठित की गई है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा अधिकारी व पटवारी शामिल होंगे। यह टीम पटसेउ क्षेत्र में पहुंचकर चरवाहों तक आवश्यक राहत सामग्री वितरित करेगी तथा चरवाहों और उनके झुंड की स्थिति की विस्तृत जांच करेगी। इसके अतिरिक्त सतधारा (उदयपुर) क्षेत्र में फंसे लगभग 30 चरवाहों को प्रशासन और श्री महादेव सेवा संगठन, त्रिलोकिनाथ की ओर से आवश्यक राहत उपलब्ध कराई गई। श्री महादेव सेवा संगठन, त्रिलोकिनाथ के स्वयंसेवकों ने क्षेत्र का दौरा किया, जहां पाया गया कि चरवाहों का भोजन समाप्त हो चुका था, कपड़े पूरी तरह भीग गए थे तथा एक चरवाहा घायल भी था। स्वयंसेवकों द्वारा तत्काल भोजन की व्यवस्था की गई तथा मामले की सूचना एसडीएम उदयपुर को दी गई। प्रशासन की ओर से 10 कंबल, 3 तिरपाल व प्राथमिक उपचार किट उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी। संगठन के 10 स्वयंसेवक पुन: सतधारा जाकर अतिरिक्त भोजन, कंबल वितरित करेंगे।

आवश्यक दवाओं की कोई कमी नहीं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुल्लू डॉ. नागराज पंवर ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाएं प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि उपमंडल बंजार में भी औषधियां स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर बंजार डॉ. नीलम शर्मा ने जानकारी दी कि बंजार ब्लॉक में दवाओं की आपूर्ति 17 जुलाई को केंद्रीय भंडार कुल्लू से प्राप्त कर ली गई थी। इस आपूर्ति को ब्लॉक के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में वितरित कर दिया गया है। सीएमओ ने बताया कि इसके अतिरिक्त सभी स्वास्थ्य संस्थानों के चिकित्सकों को आवश्यकतानुसार आपातकालीन दवाओं को स्थानीय खरीद रोगी कल्याण समिति अथवा जन स्वास्थ्य निधि से करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा जिले में सभी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाई की कोई कमी नहीं है और सभी आवश्यक दवाइयां जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध हैं।

मनाली-कुल्लू वामतट मार्ग बहाल, बारिश का क्रम जारी

अनंत ज्ञान, मनाली

मनाली-कुल्लू वामतट मार्ग बहाल हो गया है। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है। मंगलवार शाम को मनाली अलेऊ के बीच पेड़ गिरने से सड़क बंद हो गई थी। बुधवार को इसे बहाल कर दिया गया है और मनाली नगर वामतट मार्ग में यातायात भी सुचारु हो गया है। मंगलवार को मनालसु में फंसी ट्रैवलर भी निकाल ली गई है। मनालसु नाले में मंगलवार को फिर से आई बाढ़ के कारण मार्ग बंद हो गया है। पीडब्ल्यूडी विभाग इसे बहाल करने में जुटा हुआ है। लाहौल से निकले डेढ़ सौ से अधिक ट्रक पलचान से बाहंग के बीच फंस गए हैं। वशिष्ठ चौक के पास तैयार सड़क फिर से क्षतिग्रस्त हो गई है, जबकि समाहन के पास बनी 70 मीटर खाई अभी भी भरना चुनौती बना हुआ है। बारिश का क्रम बुधवार को पांचवें दिन भी लगातार जारी रहा। बारिश के क्रम से सड़कों की बहाली का कार्य प्रभावित रहा ।

मंगलवार को मनालसु नाले में आई बाढ़ से फंसी गाड़ी को जेसीबी के माध्यम से निकालते हुए।

मनालसु नाले में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़क

मनाली के साथ लगते मनालसु नाले में बाढ़ आने से मनाली गांव का मनाली शहर से संपर्क कट गया है। पुल के पास फंसे टेंपो को हालांकि निकाल लिया गया है, लेकिन क्षतिग्रस्त सड़क के कारण वाहनों की आवाजाही अभी शुरू नहीं हो पाई है। पीडब्ल्यूडी विभाग सड़क बनाने में जुटा है, लेकिन अभी सड़क तैयार नहीं हो पाई है। इस कारण मनाली की उझी घाटी के नौ गांव का संपर्क भी मनाली से टूट गया है। लाहौल से मनाली आने वाले छोटे वाहन भी मनाली गांव में फंसे हुए हैं। पांच दिन से लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर लोगों की दुश्वारियां बढ़ा दी हैं। नदी-नाले उफान पए हैं, जबकि जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें बाधित हो गई हैं। बारिश के कारण घाटी में सड़क बहाली का कार्य पूरी तरह से रुक गया है।

नेहरूकुंड-बाहंग तक फंसे वाहन चालकों की दिक्कत बढ़ी

पांच दिन लाहौल में फंसने के बाद सोमवार को मनाली की ओर आए डेढ़ सौ से अधिक बड़े वाहन नेहरूकुंड से बाहंग तक फंसे हुए हैं। इन वाहनों को मनाली पहुंचने के लिए वशिष्ठ चौक व समाहन के पास टूटी सड़क रोडा बनी हुई है। वशिष्ठ चौक में तो सड़क जल्द बन जाएगी, लेकिन समाहन के पास 70 मीटर खाई बीआरओ के लिए चुनौती बनी हुई है।

विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने सुनी बाढ़ पीड़ितों की व्यथा

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ पतलीकूहल में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का जायजा लेते हुए। साथ हैं अन्य।

पतलीकूहल में बाढ़ से प्रभावित लोगों की समस्याओं को लेकर विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने स्थानीय बाढ़ पीड़ित कमेटी के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि आरसीसी दीवार ने पतलीकूहल को बाढ़ के बड़े खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई आरसीसी दीवार को जल्द ही दोबारा स्थापित किया जाएगा। विधायक गौड़ ने मौके पर पहुंचकर बाढ़ग्रस्त पतलीकूहल और नग्गर पुल का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने पटवारी को तलब कर प्रभावित परिवारों को जल्द राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। लगातार बारिश और ब्यास नदी की प्रचंड धारा ने पतलीकूहल क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया है। हालात ऐसे हैं कि यह पूरा इलाका सब तरफ से कट गया है। नग्गर पुल के पास की सड़क को ब्यास बहाकर ले गई है। शिरड रिजॉर्ट के पास भी सड़क का बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया है, जबकि 14 मील में भी मार्ग बंद पड़ा है। इन सड़कों को बहाल करने के लिए बीते एक हफ्ते से लगी भारी-भरकम मशीनों की मेहनत भी नदी की धार में बह गई। वहीं, पचास करोड़ की लागत से निर्मित देवलोक भी अब जलमग्न हो चुका है। ब्यास नदी ने अपना रुख बदलकर देवलोक को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। इससे स्थानीय लोगों व कारोबारियों में गहरी चिंता व्याप्त है।

संस्थानों को ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के डीसी ने दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। भारी वर्षा से प्रदेश में उत्पन्न हो रही विकट परिस्थितियों और जन सुरक्षा की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए डीसी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने जानकारी दी है कि प्रदेश सरकार द्वारा सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज तथा जिला स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) को 7 सितंबर तक बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए संस्थानों को ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस निर्णय का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि लगातार हो रही भारी बरसात से किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। डीसी किरण भड़ाना ने अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों से अपील की है कि वे प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी किए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत व बचाव कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

दूरसंचार सेवाओं की बहाली शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

भारी बारिश के कारण गंभीर रूप से प्रभावित जनजीवन को सामान्य करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है।

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं को बहाल करने के लिए सरकार गंभीर प्रयास कर रही है, ताकि लोग अपने परिजनों से संपर्क स्थापित कर सकें। 25 और 26 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश के कारण चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिलों में दूरसंचार नेटवर्क को भारी नुकसान पहुंचा। लोगों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 2 सितंबर तक इन जिलों की 65 प्रतिशत क्षतिग्रस्त साइटों को क्रियाशील बनाना सुनिश्चित किया। नेटवर्क आउटेज रिपोर्ट के अनुसार भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण चंबा जिले में एयरटेल, रिलायंस जियो, बीएसएनएल और वोडाफोन-आइडिया द्वारा संचालित कुल 1761 साइटों में से 27 अगस्त तक 1155 (लगभग 66 प्रतिशत) साइटें निष्क्रिय थीं, जिससे संचार सुविधाएं बड़े पैमाने पर बाधित हुईं। संचार सुविधा के अभाव से क्षेत्र में आपातकालीन प्रतिक्रिया में गंभीर चुनौतियां सामने आ रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मुख्यमंत्री सुक्खू के निर्देशों के तहत राज्य सरकार ने बिजली आपूर्ति बहाल करने के त्वरित प्रयास शुरू किए और सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपनी सेवाएं बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार) गोकुल बुटेल ने बताया कि सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप 2 सितंबर तक केवल 374 साइटें ही निष्क्रिय थीं। वर्तमान में चंबा जिले में नेटवर्क में 45 प्रतिशत सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि भरमौर क्षेत्र में बीएसएनएल की दस साइटों में से पांच पर माइक्रो-वेव कनेक्टिविटी के माध्यम से नेटवर्क बहाल कर दिया गया है और शेष साइटों पर भी जल्द ही नेटवर्क बहाल कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक सप्ताह के भीतर ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बहाल होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि भरमौर क्षेत्र में रिलायंस जियो की कनेक्टिविटी 6 सितंबर तक चालू होने की संभावना है, जबकि एयरटेल की 2जी सेवाएं पहले ही बहाल कर दी गई हैं। बुटेल ने बताया कि कुल्लू जिले में 2 सितंबर तक एयरटेल दूरसंचार सेवाओं की 877 साइटों में से 84.9 प्रतिशत क्रियाशील कर दी गई, जबकि रिलायंस जियो की 1173 साइटों में से 65 प्रतिशत दूरसंचार सेवाएं सुचारू रूप से काम कर रही हैं। बीएसएनएल की 391 साइटों में से लगभग 20 प्रतिशत दूरसंचार सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। लाहौल-स्पीति जिले में एयरटेल की 63 साइटों में से 96.8 प्रतिशत दूरसंचार सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, जबकि रिलायंस जियो सर्विसेज की 170 साइटों में से 84.1 प्रतिशत सेवाओं ने 2 सितंबर तक सुचारू रूप से काम करना शुरू कर दिया था।

ट्रांसमिशन लाइन क्षतिग्रस्त होने से बिजली आपूर्ति बाधित

अनंत ज्ञान, मनाली। बिजली बोर्ड के सहायक अभियंता रजत ने जारी प्रेस बयान में कहा कि मुख्य प्रीणी-धुंधी ट्रांसमिशन लाइन को गंभीर क्षति पहुंची है। लगातार खराब मौसम की स्थिति के कारण मनाली के फील्ड स्टाफ को मरम्मत कार्य करने में कठिनाई हो रही है।

उन्होंने कहा कि लाहौल क्षेत्र केवल थिरोट पावर हाउस पर निर्भर है, जो कि जनरेशन विंग की एक इकाई है। हालांकि, थिरोट पावर हाउस में भी बिजली उत्पादन लगातार सिल्ट जमाव, जल उपलब्धता में उतार-चढ़ाव और गिरते पत्थरों से इनटेक स्ट्रक्चर को क्षति हुई है। इस कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि नेटवर्क कनेक्टिविटी की कमी भी चुनौतियों को और प्रभावित कर रही है। इन कठिन परिस्थितियों के बावजूद, एचपीएसईबीएल की टीमें बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। रजत ने बताया कि प्राथमिकता मुख्यालय केलांग को दी जा रही है, ताकि सरकारी कार्यालयों में किसी प्रकार की परेशानी न हो उसके बाद जल व संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने जनता से इस चुनौतीपूर्ण समय में सहयोग और समझ की अपेक्षा की है। एचपीएसईबीएल अपने सभी उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस अप्रत्याशित स्थिति से हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। उन्होंने जनता से संयम रखने व सहयोग की अपील की है।

नुकसान बाढ़ के कारण जल शक्ति विभाग मनाली को भारी नुकसान, दस दिनों से नहीं हुई पानी की सप्लाई

मनाली में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान

मनाली। 26 अगस्त की बाढ़ के बाद से लेकर अभी तक मनाली का जनजीवन सामान्य नहीं हुआ है। पेयजल को लेकर सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले लगभग दस दिनों से मनाली में पानी की सप्लाई नहीं हो रही। सोमवार को पानी छोड़ा गया था, लेकिन मनालसु नदी का जलस्तर बढ़ने से पेयजल योजना को फिर नुकसान पहुंचा है। बाढ़ के कारण जल शक्ति विभाग मनाली को भारी नुकसान हुआ है। 26 को आई बाढ़ के कारण पेयजल योजना को भारी नुकसान पहुंचा है। जलशक्ति विभाग दिन-रात पेयजल लाइन को दुरुस्त करने में जुटा है। सोमवार को योजना लगभग ठीक कर दी गई थी। शहर के लिए लगभग 45 लाख लीटर पानी की सप्लाई की गई थी, लेकिन मंगलवार को बारिश के कारण पेयजल योजना को नुकसान हुआ है। इससे पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। पानी का स्तर घटने के बाद ही योजना में पहुंचे नुकसान का पता चल सकेगा। जलशक्ति विभाग के सहायक अभियंता दीक्षांत शर्मा ने बताया कि सोमवार रात को हुई बारिश से पेयजल योजना को नुकसान पहुंचा है। प्लांट पानी से हर गया है। पानी का का स्तर घटने के बाद पता चलेगा कि कितना नुकसान हुआ है और योजना को पुन: ठीक करने में कितना समय लगेगा।

मनाली में सड़क पर गिरा पेड़, जिससे सड़क मार्ग बाधित हो गया है।

ब्यास नदी के कहर से चारों तरफ पानी ही पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। ब्यास नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से पतलीकूहल और आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। नदी का पानी कई रिहायशी इलाकों और खेतों में घुस चुका है। इससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ रहा है। ब्यास नदी का पानी पतलीकूहल, 15 मील और 14 मील के रिहायशी इलाकों में भर गया है। लोग अपने घरों को छोड़कर रिश्तेदारों या सुरक्षित शिविरों में शरण ले रहे हैं। 15 मील स्थित देवलोक में भी पानी घुसने से काफी नुकसान हुआ है। पतलीकूहल की सब्जी मंडी भी बाढ़ की चपेट में आ गई है। मंडी के अंदर पानी भरने से आढ़तियों ने अपना सामान आनन-फानन में सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। हालांकि, रात में बारिश कुछ कम हुई थी, जिससे नदी का जलस्तर थोड़ा घटा था, लेकिन सुबह फिर से शुरू हुई तेज़ बारिश ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है। नग्गर पुल और उसके पास बसे माहिली गांव पर अभी भी ब्यास नदी का खतरा बना हुआ है। विधायक भुवनेश्वर गौड़ के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने यहां मशीनरी बढ़ा दी है, लेकिन लगातार बारिश व ब्यास नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण राहत और बचाव कार्य में दिक्कत आ रही है।

जलस्तर बढ़ने के कारण फंसे वाहन को जेसीबी के माध्यम से निकाला

मनालसु नाले में बीते दिन फिर से जलस्तर बढ़ने के कारण फंसी गाड़ी को बुधवार को पुलिस द्वारा जेसीबी के माध्यम से निकाला गया है। मनाली में पुलिस जवान सहित सभी संबंधित विभागों के कर्मी लगातार बहाली कार्य में जुटे हुए हैं।

भारी बारिश से सड़कें बाधित, किसानों की सब्जियां अब कार्गो फ्लाइट से पहुंचेंगी बाजार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

लगातार भारी बारिश व फ्लैश बाढ़ से घाटी की सड़कों के बाधित होने के कारण स्थानीय किसानों को अपनी एक्जोटिक सब्जियों को बाजार तक पहुंचाने में कठिनाई हो रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए जिला उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष किरण भड़ाना ने नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों से विशेष समन्वय किया, अब किसानों की ब्रोकली, आइसबर्ग तथा लिलियम फूल जैसे उत्पादों को कार्गो फ्लाइट के माध्यम से दिल्ली सहित अन्य बड़े बाजारों तक पहुंचाए जाएंगे।

किराये का व्यय किसानों को स्वयं वहन करना होगा। जिला उपायुक्त ने बताया कि भारी मानसून के कारण मुख्य मार्ग बाधित होने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था, ऐसे में प्रतिदिन लगभग 1 से 1.5 टन सब्जियों को लेह हवाई अड्डे से कार्गो फ्लाइट के जरिए भेजने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि घाटी के सभी किसान अपने उत्पाद (ब्रोकली आदि) जिला प्रशासन तथा सहायक पंजीयक सहकारी सभाओं से संपर्क कर भेजवा सकते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन किसानों को हर संभव मदद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि उनके उत्पाद समय पर बाजार तक पहुंच सकें और व्यापार को बढ़ावा मिले।

डीसी ने कहा कि प्रशासन किसानों और आम जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह सजग है तथा आवश्यकता अनुसार अन्य मुद्दों का भी जल्द समाधान किया जाएगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर अपनी सब्जियों के परिवहन की सुविधा का लाभ उठाएं।

कार्गो फ्लाइट?

कार्गो फ्लाइट एक ऐसी विमान सेवा होती है, जो केवल माल या सामान ढोने के लिए उपयोग में लाई जाती है, न कि यात्रियों को ले जाने के लिए। इसका उपयोग व्यापारिक वस्तुएं, कृषि उत्पाद, मशीनरी, दवाइयां आदि एक स्थान से दूसरे स्थान तक तेजी से पहुंचाने के लिए किया जाता है। विशेष रूप से आपात या विषम परिस्थितियों में, जैसे सड़क मार्ग बंद हो जाएं, तब कार्गो फ्लाइट एक वैकल्पिक और प्रभावी समाधान प्रदान करती है। इससे समय और नुकसान दोनों की बचत होती है।

सोलन जिले में 72 घंटे हुई बारिश से 96 सड़क मार्ग बंद

राजगढ़, नाहन, सुबाथू और जौणाजी सड़क बंद होने से सोलन से कटे, 24 घंटे में लोक निर्माण विभाग के डूबे 10 करोड़ 71 लाख

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। जिलेभर में तीन दिनों तक जारी रही मूसलाधार बारिश से लोग सहम गए। इससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ।

वहीं, कारोबार और नौकरी पेशा लोगों को खासी दिक्कत पेश आई। करीब 72 घंटे की बारिश ने पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पांच दिनों की इस बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है और मौसम में ठंडक को भी बढ़ा दिया है। बारिश से जहां नेशनल हाईवे को करोड़ों की चपत लगी। वहीं, लोक निर्माण विभाग को भी खासा नुकसान झेलना पड़ा है। बारिश से नेशनल हाईवे-5 बार-बार अवरुद्ध हुआ। कई जगह लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। जिले के 96 संपर्क मार्ग बंद हैं। हालांकि, जानी नुकसान नहीं हुआ। मंगलवार देर रात और बुधवार सुबह से दोपहर तक जारी रही बारिश से सोलन जिले में जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है और लोक निर्माण विभाग की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। इस बारिश के चलते विभाग को एक दिन में ही 10 करोड़ 71 लाख रुपए का नुकसान हो गया है। वहीं, जिले की 96 सड़कें अवरुद्ध हैं, जिन्हें खोलने के लिए विभाग के कर्मचारी फील्ड में डटे हुए हैं, लेकिन भारी बारिश के चलते उन्हें भी कार्य करने में काफी दिक्कतें पेश आ रही है। इस बारिश से एचआरटीसी के भी दो दर्जन से अधिक रूट प्रभावित हुए हैं और जल शक्ति विभाग की परियोजनाओं सहित बिजली बोर्ड को भी नुकसान पहुंचा है। प्रदेश सहित जिले में बरसात का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में स्कूल, कॉलेज 7 सितंबर तक बंद रखने का निर्णय सरकार ने लिया है। झमाझम हो रही भारी बारिश से लोगों को डर लगना शुरू हो गया और इससे लोग घरों में ही दुबके हैं। इस बारिश से कहीं डंगे गिरे हैं, कहीं भूस्खलन हुआ है, तो कहीं मलबा आने से मकान ढह गए हैं या फिर मकानों को खतरा पैदा हो गया है। बारिश से वैसे तो सभी विभागों को खासा नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे अधिक नुकसान लोक निर्माण विभाग को झेलना पड़ा है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे की बारिश में ही अकेले लोनिवि के 10 करोड़ 71 लाख 95 हजार रुपए की चपत लगी है। इनमें सबसे अधिक 4 करोड़ 7 लाख का नुकसान सोलन मंडल को हुआ है, जबकि नालागढ़ व अर्की मंडल को 2 करोड़ 54 लाख 70 हजार व कसौली मंडल को 1 करोड़ 57 लाख 55 हजार का नुकसान पहुंचा है। उधर, बारिश के चलते सोलन डिपो के भी दो दर्जन से अधिक रूट प्रभावित हुए हैं।

जिलेभर में तीन दिनों तक जारी रही मूसलाधार बारिश से सोलन कुमारहट्टी मार्ग पर लैंडस्लाइड से वन वे किया गया ट्रैफिक।

बारिश और भूस्खलन से बंद सड़कों को खोलने का कार्य तेज

बारिश का प्रकोप कुछ ऐसा रहा कि बुधवार तक जिले में कुल 96 मार्ग अवरुद्ध हो गए। इनमें नालागढ़ मंडल में सबसे अधिक 29 मार्ग अवरुद्ध हुए हैं, जबकि अर्की में 27 मार्ग, कसौली में 26 मार्ग और सोलन मंडल में 14 मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों के बंद होने की सूचना के बाद तुरंत ही लोनिवि के कर्मी फील्ड में डटे रहे। मंगलवार दोपहर बाद तक उन्होंने भारी बारिश के बीच भी कुल 59 मार्गों को बहाल कर दिया है। वहीं, 37 मार्ग ऐसे हैं, जो कि अभी भी अवरुद्ध हैं और आने वाले एक-दो दिनों में ही इनके खुलने के आसार हैं।

लोनिवि को 100 करोड़ की चपत

बरसात के इस सीजन में विभाग के चारों मंडलों को खासा नुकसान पहुंचा है, अब तक विभाग को कुल 101 करोड़ 14 लाख 83 हजार रुपए का नुकसान हो चुका है। इसमें सबसे अधिक 32 करोड़ 39 लाख 51 हजार का नुकसान नालागढ़ मंडल को हुआ है। कसौली मंडल भी पीछे नहीं है और अब तक इस मंडल में 31 करोड़ 38 हजार रुपए की चपत लग चुकी है। वहीं, अर्की मंडल में 27 करोड़ 47 लाख 74 हजार व सोलन मंडल में 10 करोड़ 27 लाख 20 हजार का नुकसान हुआ है।

कंडाघाट में बारिश से चारों तरफ नुकसान

अनंत ज्ञान, कंडाघाट। कंडाघाट उपमंडल में पिछले पांच दिनों से लगातार भारी बारिश से चारों तरफ नुकसान होने के साथ लोग परेशानी में हैं। उपमंडल की ग्राम पंचायत झाजा के चौहड़ा गांव में निर्मला देवी का एक मंजिला मकान और गोशाला क्षतिग्रस्त हो गई। तहसीलदार कंडाघाट राजेंद्र कुमार के मुताबिक प्रभावित परिवार को गांव में सुरक्षित जगह पर भेजा गया है और उन्हें 10 हजार की फौरी राहत भी दी गई है। कंडाघाट के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब का भवन और डंगे क्षतिग्रस्त हो गए। सीनियर सेकेंडरी स्कूल कंडाघाट के भवन के साथ सड़क का डंगा मैदान गिर गया। ग्राम पंचायत धंगील के गांव काटल में नाले से आया पानी पत्थर मिट्टी लोगों के घरों में घुस गया। कंडाघाट में निर्मित और निर्माणाधीन फोरलेन का पानी दोलग गांव में खतरे और परेशानी का कारण बना हुआ है। समूचे उपमंडल में अधिकतर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कंडाघाट साधुपुल जुन्गा, चायल-गौड़ा, जनेड़घाट शिलाई साधुपुल, बांजनी आंजी बीनू, चायल-ढबल, चायल-कुफरी सहित दर्जनों सड़कें बंद हैं। किसानों की नकदी फसलें खेतों से मंडियों तक पहुंचाने में बाधा आ रही है। कई जगह बिजली और पेयजल आपूर्ति बाधित रही हैं। पैदल रास्ते, खेतों, घरों के आसपास बहुत से स्थानों पर नुकसान हुआ है। बारिश लोगों की बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। अभी और स्थानों से भी लोगों के मकानों, गोशालाओं को नुकसान पहुंचने के समाचार प्राप्त हो रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

लाना मोही में भूस्खलन से पुश्तैनी मकान चपेट में

अनंत ज्ञान, राजगढ़। विकास खंड राजगढ़ के अंतर्गत आने वाली काथली भरण पंचायत के लाना मोही में देर रात भूस्खलन का एक गंभीर मामला सामने आया। इस हादसे में मोहन सिंह चौधरी का पुश्तैनी मकान भूस्खलन की चपेट में आ गया। गनीमत यह रही कि मकान के अंदर सो रहे लोगों की जान बच गई। जानकारी के अनुसार, यह मकान काफी पुराना था और हाल ही में इसमें मरम्मत का कार्य किया गया था। घटना के समय नीरज चौधरी के ड्राइवर और अन्य लोग घर के भीतर सो रहे थे। अचानक देर रात भारी भूस्खलन हुआ और मकान मलबे की चपेट में आ गया। हादसे से लोग दहशत में आ गए और तुरंत शोर-शराबा मच गया। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाओं में इजाफा हुआ है, जिससे लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। ग्रामीण प्रशासन से प्रभावित परिवार की मदद की गुहार लगा रहे हैं और क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, बिजली और सड़क मार्ग पहले से बाधित होने के कारण लोगों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं।

सोलन में वक्ताओं ने नेत्रदान का महत्व बताया

अनंत ज्ञान, सोलन। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग सोलन ने साई संजीवनी नर्सिंग कॉलेज के सभागार में 40वां राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अलावा सोलन की समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि व साई संजीवनी नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर सीएमओ सोलन डॉ. अजय पाठक ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि साई संजीवनी नर्सिंग कॉलेज व अस्पताल के एमडी डॉ. संजय अग्रवाल विशेषातिथि रहे। एमएमयू अस्पताल व मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. आरके गुप्ता ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस मौके पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित रंजन तलवार, डॉ. सविता अग्रवाल, डॉ. कमल अटवाल, जोनल अस्पताल सोलन की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। साथ ही कवियों ने हिमालय क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा पर भी तीखे प्रकार किए। मंच का संलाचन कृतिका तोमर व राधा चौहान ने किया। इस अवसर पर सीएमओ सोलन डॉ. अजय पाठक ने नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक व्यक्ति का नेत्रदान चार आंखों को रोशनी दे सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में नेत्रदान को लेकर अभी जागरूकता की कमी है, जिसे इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से दूर किया जा सकता है। साई संजीवनी नर्सिंग कॉलेज व अस्पताल के एमडी डॉ. संजय अग्रवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को नेत्रदान के प्रति प्रेरित करना है। हमें नेत्रदान महादान का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों का धन्यवाद भी किया।

लोगों की हरसंभव मदद करने के लिए प्रतिबद्ध

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजगढ़ हिमाचल प्रदेश इस समय भयंकर प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। लगातार हो रही बारिश व भूस्खलन ने प्रदेश के अधिकांश इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। ऐसे कठिन समय में प्रदेश सरकार तो राहत कार्यों में जुटी ही है, साथ ही पच्छाद युवा कांग्रेस भी आपदा प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। पच्छाद युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रम ठाकुर ने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को राशन, स्वास्थ्य सेवाएं, आवागमन या अन्य किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो वे निसंकोच युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और क्षेत्र के प्रत्येक जरूरतमंद तक राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रामकिशन ठाकुर ने भी कहा कि आपदा के इस दौर में हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि पच्छाद क्षेत्र को आपदा ने गहरी चोट पहुंचाई है कई स्थानों पर मकान, सड़कें और खेत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं।

एसडीएम अदालत के आदेशों पर नगर परिषद आई हरकत में

अनंत ज्ञान, नाहन

एसडीएम नाहन राजीव संख्यान की अदालत के उन आदेशों की अनुपालना को लेकर नगर परिषद हरकत में आई है, जिसमें शहर की सुंदर बाग कॉलोनी के एक घर में रखे जा रहे तय संख्या से ज्यादा कुत्तों को खुद ही मालिक द्वारा 7 दिन के भीतर हटाने के आदेश दिए गए थे।

26 अगस्त को एसडीएम नाहन की अदालत ने यह आदेश मोनीषा अग्रवाल बनाम सचिन बिंद्रा एवं अन्य की याचिका के मामले में जारी किए थे। नगर परिषद के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि इस मामले में एसडीएम अदालत के आदेश मिले हैं। इसमें 7 दिन के भीतर सुंदर बाग कॉलोनी स्थित एक निजी आवास में तय संख्या से ज्यादा कुतों को खुद को घर के मालिक ने हटाना है। ऐसा एसडीएम अदालत के आदेशों में है। वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इस मामले नोटिस भेजा जा रहा है कि घर में रखे तय संख्या से ज्यादा कुतों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया जाए। अदालत के आदेशों की अनुपालन करें। अन्यथा अदालत की अवमानना होगी।

अदालत के आदेशों करे तामील करवाने के लिए एमसी, वेटनरी विभाग व पुलिस की ज्वाइंट टीम एक्शन लेंगी। उधर, एसडीएम अदालत के आदेशों के अनुसार अधिकतम 3 कुत्ते ही घरों में रखे जा सकते हैं। आदेशों में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर डॉग फिडिंग पर रोक लगाई गई है, लेकिन शहर में जगह-जगह डॉग फिडिंग जारी है। डॉग फिडिंग प्वाइंट भी अभी नगर परिषद तय करेगी।

श्रीकृष्ण की कथाओं का रसपान कराया

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। पंचायत चाखड़ के अंतर्गत आने वाले गांव आसलू में इन दिनों श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। कथा के छठे दिन कथा वाचक पंडित सुरेंद्र कुमार गर्ग ने भक्तों को श्रीकृष्ण जन्म, बाल लीलाओं और गोवर्धन धारण की कथाओं का रसपान कराया। पंडित सुरेंद्र गर्ग ने कथा के दौरान कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण जीवन में धर्म, सत्य और भक्ति का मार्ग दिखाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर यह संदेश दिया कि हमें प्रकृति और गो सेवा को सर्वोपरि मानना चाहिए। उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि कथा सुनने के साथ-साथ उसके आदर्शों को जीवन में अपनाना ही वास्तविक धर्म है। कथा के दौरान भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा श्रवण के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग मौजूद रहे।

कुनिहार में कार से 2.784 किलो चरस बरामद

अनंत ज्ञान, सोलन

पुलिस थाना कुनिहार की टीम थाना क्षेत्र में गश्त व नाकाबंदी पर मौजूद थी, तो उक्त टीम को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि बडौर घाटी कुनिहार के समीप सुनसान जगह पर एक आल्टो कार खड़ी है, जो बंद है। यदि इसी समय उक्त गाड़ी को खोलकर चैक किया जाए, तो भारी मात्र में मादक पदार्थ चरस बरामद हो सकती है।

इस सूचना पर उक्त टीम द्वारा तवरित कार्रवाई करते हुए उक्त गाड़ी को चैक किया गया, तो कर के डेशबोर्ड के अंदर से 2.784 किलोग्राम चरस बरामद की गई, जिसे गाड़ी का चालक/मालिक द्वारा चरस की इतनी बड़ी मात्रा अवैध रूप से तस्करी करके सप्लाई करने के लिए ले जाई जा रही थी, जिस पर पुलिस थाना कुनिहार में उपरोक्त अभियोग पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान बरामद चरस व मामले में संलिप्त गाड़ी को जब्त करके पुलिस ने कब्जे में लिया। जांच के दौरान तकनीकी जांच के आधार पर उक्त गाड़ी का मालिक का पता करने पर उक्त गाड़ी का पंजीकरण शिव दयाल पुत्र हेम सिंह निवासी गांव काशन डाकखाना सयांज तहसील चच्योट जिला मंडी के नाम से पाया गया है, जिससे संपर्क करने पर उसने बताया कि उसकी उपरोक्त गाड़ी को इन्हीं के गांव का व्यक्ति इससे मांग कर ले गया था। मामले में संलिप्त आरोपी की तलाश की जा रही थी। तलाशी के दौरान पुलिस टीम द्वारा गाड़ी के मालिक से पूछताछ व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर

आरोपी की पहचान करके मामले में संलिप्त आरोपी लितेश कुमार पुत्र मुनि लाल निवासी गांव कासन डाकखाना सैंज तहसील चच्योट जिला मंडी उम्र 22 वर्ष को शिव गुफा कुनिहार के पास से गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि 29 सितंबर को आरोपी लितेश कुमार उक्त गाड़ी में चरस की खेप लेकर मंडी से सोलन लेकर आ रहा था तथा जब यह कुनिहार के समीप पहुंचा, तो वह पुलिस की गाड़ी को देख कर अपनी गाड़ी को सड़क के किनारे बंद करके मौका से भाग गया तथा यह अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए कुनिहार के आसपास ही जंगलों में इधर-उधर छुपता रहा। आरोपी के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले में जांच जारी है।

भूस्खलन प्रभावित इलाकों में पहुंचे तरसेम भारती व्यापारियों का जाना हाल

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश सहित सोलन जिले में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त है। ऐसे में सभी कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। हर रोज रेहड़ी-फड़ी लगाकर रोजी रोटी कमाने वाले लोग भी परेशान हैं।

भारतीय जनता पार्टी रेहड़ी-फड़ी प्रकोष्ठ के संयोजक तरसेम भारती ने बुधवार को सोलन शहर के आसपास के क्षेत्रों में बरसात के कारण हुए भूस्खलन वाले इलाकों पर रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ मुलाकात की और आपदा के इस दौरान उनका कुशलक्षेम पूछा। वहीं, तरसेम भारती ने बताया कि बारिश के कारण व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। विशेषतौर पर रेहड़ी-फड़ी लगातर रोज कमाने वाले लोगों का कार्य काफी ज्यादा प्रभावित हुआ है। रास्ते बंद होने के कारण फल व सब्जियों सब्जी मंडी तक नहीं पहुंच रही हैं। इस कारण रेहड़ी-फड़ी लगाकर सब्जी फ्रूट बेचने वालों का कार्य भी प्रभावित हो रहा है।

खेल बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक : डॉ. शांडिल

अनंत ज्ञान, सोलन

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय व अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि हिमाचल के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने न केवल विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया है, बल्कि विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जानी वाली डाईट मनी में भी वृद्धि की है।

डॉ. शांडिल सोलन विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ममलीग में 14 वर्ष से कम आयुवर्ग के छात्रों की तीन दिवसीय कंडाघाट खंड खेलकूद समापन प्रतियोगिता के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस तीन दिवसीय कंडाघाट खंड खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान 26 स्कूलों के 265 प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि खेल व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र व प्रदेश की छवि को सशक्त बनाने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना व प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर दी जानी वाली पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने पर पुरस्कार राशि 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक जीतने पर पुरस्कार राशि को एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए किया गया है। उन्होंने कहा कि एशियन खेलों व राष्ट्र मंडल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की गई है।

विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल।

उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जाने वाली डाइट मनी में भी आशातीत वृद्धि की गई है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाना है, बल्कि उन्हें भविष्य की चिंता से भी मुक्त करना है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भविष्य में सोलन विधानसभा क्षेत्र की राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ममलीग को राजीव गांधी डे बोर्डिंग विद्यालय के रूप में स्तरोन्नत किया जाएगा। इस कार्य के लिए प्रथम किश्त के रूप में 1.50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रही टीमों को पुरस्कृत किया।

उन्होंने खेल आयोजन समिति को अपनी एच्छिक निधि से 21 हजार रुपए देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में जोन प्रभारी विशाल ठाकुर ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में वॉलीबाल में जेठना, कबड्डी में कंडाघाट, खो-खो में डुमैहर, बैडमिंटन में जेठना व मार्चपास्ट में ममलीग ने खिताब अपने नाम किया।

हर वार्ड में पहुंचाएं पानी के टैंकर: विशाल तोमर

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर में लगातार पांच दिनों से जारी भारी बारिश व भूस्खलन के कारण जलापूर्ति पूरी तरह से बाधित हो चुकी है, जिससे आम नागरिकों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर स्थिति पर चिंता जताते हुए, पूर्व सड़क सुरक्षा क्लब अध्यक्ष विशाल तोमर ने जिला प्रशासन व जल शक्ति विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। विशाल तोमर ने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के अथक प्रयासों की सराहना की, जो दिन-रात काम करके आपूर्ति बहाल करने में जुटे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि लगातार पांच दिनों तक पानी न मिलना आम आदमी के लिए पीड़ादायक है। हर परिवार के पास पानी के टैंकर मंगवाने की आर्थिक क्षमता नहीं होती और न ही यह सभी के लिए संभव है, ऐसे में कई लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं और टैंकरों की कालाबाजारी की खबरें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने डीसी सिरमौर और जल शक्ति विभाग से अनुरोध किया कि प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक-एक पानी का टैंकर तत्काल उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि इस संकट की घड़ी में प्रशासन को आम जनता की बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता देनी चाहिए और लोगों को पीने तथा घरेलू उपयोग के लिए पर्याप्त पानी सुनिश्चित करना चाहिए।

अब जल आपूर्ति विभाग टैंकरों से लोगों को पानी सप्लाई करेगा : डीसी

अनंत ज्ञान, नाहन

भारी बारिश के दौरान पिछले एक सप्ताह से लगातार गिरि उठाऊ पेयजल आपूर्ति योजना के शहर के कई हिस्सों में संकट के मध्यनजर लोगों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अब आईपीएच विभाग की तरफ से टैंकरों के जरिए पेयजल आपूर्ति शुरू होगी।

जिला प्रशासन ने इस कड़ी में टेंडर अवार्ड कर दिया है। डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा ने मीडिया में बताया कि शहर के उन क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति का टैंकर ऑन डिमांड मिलेगा, जहां पेयजल संकट उपजा है। गिरि पेयजल आपूर्ति के बार-बार ध्वस्त होने से मिली जानकारी के अनुसार कुछ हिस्से में कई दिनों से आपूर्ति न होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि आईपीएच विभाग दिन-रात खराब मौसम के बावजूद भी योजना को चालू रखने में जुटा है, लेकिन योजना कई जगह से ध्वस्त होती जा रही है। पेयजल के लिए तरस रहे लोग अपने स्तर पर सैकड़ों रुपए के टैंकर मंगाने पर मजबूर हुए हैं। जिला प्रशासन के इस कदम से लोगों को भारी राहत मिलेगी। डीसी ने बताया कि जल शक्ति विभाग के अनुरोध पर जिला प्रशासन ने पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टैंकर सप्लाई का टेंडर फाइनल कर दिया है। इसके तहत लोगों को यह बताना होगा कि किन क्षेत्रों में टैंकर की आवश्यकता है। प्रत्येक टैंकर में 3,500 लीटर पानी होगा और एक चक्कर के लिए प्रशासन द्वारा 1,400 रुपए का भुगतान किया जाएगा। प्रारंभिक तौर पर 10 से 15 टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन यदि मांग अधिक आई तो वेंडर से बातचीत कर अतिरिक्त टैंकर भी लगाए जाएंगे।

डीसी ने स्पष्ट किया कि टैंकर से केवल जल शक्ति विभाग द्वारा प्रमाणित पेयजल ही दिया जाएगा। डीसी ने बताया कि इस बरसात के दौरान सिरमौर में अब तक जल शक्ति विभाग को अब तक 47.10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, लोक निर्माण विभाग को 76.20 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। जिले में कुल मिलाकर अब तक 136.28 करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है। वर्तमान में जिले में 176 सड़कें बाधित पड़ी हैं।

निर्माण | गिरिपार की भाग्य रेखा एनएच-707 की समस्या का जल्द किया जाए स्थायी समाधान

सड़क बंद रहने से लोग झेल रहे खासी परेशानी

अनंत ज्ञान, शिलाई

सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-707 के कच्ची ढाग में हर वर्ष सड़क धंसने के कारण कई दिनों तक यातायात अवरूद्ध रहता है।

यह समस्या पूर्व सरकार में भी और वर्तमान सरकार में भी देखने को मिल रही है। इस समस्या का समाधान वैकल्पिक मार्ग या फिर इस क्षेत्र के निकटतम अन्य क्षेत्र से सतौन के लिए पुल का निर्माण किया जाएगा, लेकिन यहां देखने का विषय यह है कि इतने वर्षों बाद भी न तो अभी तक कोई बेहतर स्थायी वैकल्पिक मार्ग बन पाया है और न ही सतौन के लिए पुल का निर्माण हो पाया है, जिससे गिरिपार की आमजनता सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। केंद्र सरकार ने गिरिपार को पांवटा से हाटकोटी तक राष्ट्रीय राजमार्ग-707 की सौगात प्रदान की है, जो निश्चित रूप से गिरिपार की जनता के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। इसके बनने से समय की बचत, रोजगार के अवसर व आवागमन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो रही है। क्षेत्र में सड़क अवरूद्ध होने के कारण गिरिपार के किसानों को समय पर फल-सब्जियां मंडियों में पहुंचाने और मरीजों आदि को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि पुल का निर्माण कर स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में गिरिपार की जनता को इस समस्या से निजात मिल सके।

उद्योग मंत्री के खिलाफ लगाए मुर्दाबाद के नारे

एसपी जैरथ, अनंत ज्ञान, नाहन। हिमाचल प्रदेश में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते नेशनल हाईवे 707 पर हो रहे भारी भूस्खलन के चलते शिलाई के समीप पिछले तीन दिनों से करीब 400 से अधिक गाड़ियां फंसी हुई हैं। अभी तक शासन और प्रशासन दोनों सोए पड़े हैं। इस दौरान गुस्साए वाहन चालकों ने उद्योग मंत्री हर्षवर्धन के खिलाफ मोर्चा खोला और जमकर नारेबाजी की। वाहन चालकों का कहना है कि नेशनल हाईवे पिछले तीन दिनों से बंद पड़ा है , लेकिन उद्योग मंत्री ने सड़क बहाली के कोई भी प्रयास नहीं किए हैं। हालत यह है कि जहां पर नेशनल हाईवे बंद है, उसके करीब 10 किलोमीटर के दायरे में न तो कोई खाने-पीने की व्यवस्था है और न ही कोई ठहरने की व्यवस्था है। इसके चलते गाड़ियों में सैकड़ों लोग भूखे-प्यासे 3 दिनों से सड़क खुलने का इंतजार कर रहे हैं। सड़क के दोनों छोर पर सैकड़ों गाड़ियों की लंबी कतारें लगी हैं। गाड़ियों और बसों में तीन दिन से कैद सैकड़ों यात्री सड़क खुलने की राह देख रहे हैं। चौपाल की तरफ जा रहे यात्री ने बताया कि शिलाई क्षेत्र से मंत्री हर्षवर्धन चौहान के लिए बड़े शर्म की बात है कि तीन दिन से बंद सड़क को खुलवाने बिलकुल असमर्थ हैं। रोहड़ू चौपाल की तरफ जा रही बसों और गाड़ियों में सफर कर रहे सैकड़ों लोग अंदर ही कैद हो गए हैं। आसपास न तो कोई खाने-पीने की व्यवस्था है और न ही ठहरने की, ऐसे में बुजुर्ग, महिलाएं व बच्चों को भूखे पेट इंतजार करने के सिवा कोई विकल्प नहीं बचा है। यमुनानगर से जिला शिमला सेब लेने जा रहे मालिकों ने बताया कि पिछले तीन दिन से सड़क खुलने का इंतजार कर रहे हैं, खाने-पीने की समस्याओं को लेकर बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जाम में फसे गुसाए लोगों ने स्थानीय विधायक व प्रदेश में मंत्री के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। हालांकि, तीसरे दिन एसडीएम शिलाई मौके पर पहुंचे और सड़क बहाली का काम शुरू किया। एसडीएम शिलाई जसपाल सिंह ने बताया कि सड़क पिछले तीन दिन से भारी बारिश में हुए भूस्खलन के कारण बंद है। लगातर हो रही बारिश के चलते सड़क से मलबा हटाते समय मशीनों को पहाड़ी से पत्थर का खतरा बना हुआ है, जिस कारण मार्ग को अब तक खोल नहीं पाए हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर सड़क बहाली का काम शुरू कर दिया गया है, जल्द मार्ग आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा।

गुग्गा माड़ी मेला सांस्कृतिक महत्ता के लिए विख्यात : मुकेश

सुबाथू में आयोजित जिला स्तरीय गुग्गा माड़ी मेले के समापन पर मुख्यातिथि व अन्य।

अनंत ज्ञान, सोलन

सोलन जिले के सुबाथू में आयोजित पौराणिक व प्रसिद्ध जिला स्तरीय गुग्गा माड़ी मेला का समापन गत सायं भव्य व हर्षोल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जोगिंद्रा सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक के चेयरमैन मुकेश शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मेले की अंतिम सांस्कृतिक में कलाकारों ने समां बांधा, जिसका दर्शकों ने खूब आनंद लिया।

मुख्यातिथि ने मेले की धार्मिक महत्ता और सांस्कृतिक गौरव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुग्गा माड़ी मेला पौराणिक श्रद्धा व सामाजिक सद्भाव का अद्भुत संगम है। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, समृद्धि व उन्नति की मंगलकामनाएं कीं। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिलता है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द की भावना भी मजबूत होती है।

गुग्गा माड़ी मेला जो अपनी धार्मिक व सांस्कृतिक महत्ता के लिए विख्यात है, उन्होंने इस वर्ष भी सोलन व आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं और आगंतुकों को आकर्षित किया। सुबाथू के ऐतिहासिक मैदान में आयोजित इस मेले में परंपराओं, संस्कृति व सामुदायिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनियां और स्थानीय व्यंजनों ने सभी सभी का मन मोह लिया। आयोजकों को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की।

न्यूज ब्रीफ

एबीवीपी ने रच दिया इतिहास, गौरव बने अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के चुनाव में एबीवीपी ने पहली बार इतिहास रच दिया है। प्रधान पद के लिए पहली बार एबीवीपी ने जीत हासिल की है। गौरव वीर सोहल ने अपने चेहरे के दम पर यह जीत हासिल की है। गौरव वीर सोहल लुधियाना से हैं।

नगर निकायों में भौतिक फाइल प्रक्रिया पर पूर्ण रोक

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में तैनात खजाना व लेखा विभाग तथा स्थानीय लेखा विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे किसी भी प्रकार की भौतिक फाइल प्रक्रिया को बंद करें और बिल प्रक्रिया और अनुमोदन से संबंधित सभी कार्य केवल हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स एचईडब्ल्यूपी पोर्टल के माध्यम से ही किए जाएं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का दायित्व भी है, उन्होंने इस संबंध में एक पत्र जारी किया है। पत्र के अनुसार, सरकार ने पाया है कि फाइलों का भौतिक रूप से आदान-प्रदान न केवल विलंब का कारण बनता है, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से सुशासन स्थापित करने के उद्देश्य को भी बाधित करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य के विभिन्न नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में तैनात खजाना व लेखा विभाग तथा स्थानीय लेखा विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अब किसी भी प्रकार की भौतिक फाइल प्रक्रिया को बंद करें और सभी बिल संबंधी कार्यवाही, अनुमोदन तथा कार्यों की निगरानी केवल एचईडब्ल्यूपी पोर्टल के माध्यम से ही करें। पत्र में कहा गया है कि इन निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

केंद्रीय पेस्केल लागू करने की रखी मांग

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन के अधीन आने वाले सीआईटीसीओ में कर्मचारियों को आज भी पंजाब पेस्केल पर काम करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर सिटको इंप्लाइज वेलफेयर फोरम के अध्यक्ष राजपाल पवार एवं उमेश मणि दीक्षित ने भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा को मेमोरेंडम सौंपा और अपनी समस्याओं से विस्तारपूर्वक अवगत

कराया। पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष को बताया कि चंडीगढ़ एक केंद्र शासित प्रदेश है और यहां की नीतियां, नियम व प्रशासनिक कार्यवाई सीधे केंद्र सरकार के अधीन होती हैं। तीन वर्ष पूर्व केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ प्रशासन में केंद्रीय पेस्केल लागू कर दिया था। इसके बाद चंडीगढ़ प्रशासन के सभी विभागों ने इस आदेश का पालन करते हुए अपने कर्मचारियों पर केंद्रीय पेस्केल लागू कर दिया। यहां तक कि छुट्टियों और अन्य सर्विस रूल्स में भी केंद्रीय पैटर्न को लागू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक और चिंताजनक है कि चंडीगढ़ प्रशासन का ही एक महत्वपूर्ण उपक्रम सीआईटीसीओ अभी तक पंजाब पेस्केल पर ही चल रहा है। इससे कर्मचारियों के बीच असमानता की स्थिति पैदा हो रही है, जब एक ही केंद्र शासित प्रदेश में अलग-अलग संस्थानों में दो तरह के नियम लागू होंगे, तो इससे न केवल कर्मचारियों का मनोबल गिरता है, बल्कि संगठनात्मक पारदर्शिता पर भी सवाल उठते हैं। सिटको इंप्लाइज वेलफेयर फोरम के पदाधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कर्मचारी किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं और यदि उनके साथ भेदभाव होगा, तो कार्य क्षमता और काम के प्रति निष्ठा पर असर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जब चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य विभागों में कार्यरत कर्मचारी केंद्रीय पेस्केल का लाभ उठा रहे हैं, तो सीआईटीसीओ के कर्मचारियों को इससे वंचित रखना न्यायसंगत नहीं है।

कॉलेज चुनावों में एनएसयूआई चंडीगढ़ का शानदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हाल ही में संपन्न हुए कॉलेज चुनावों में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) चंडीगढ़ ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पीजीजीसी सेक्टर-46 कॉलेज से हर्ष शर्मा ने शानदार जीत दर्ज करते हुए प्रेसिडेंट का प्रतिष्ठित पद हासिल किया। वहीं, जीसीसीबीए सेक्टर-50 कॉलेज से आयुष अरोड़ा ने बिना किसी विरोध के प्रेसिडेंट पद पर जीत दर्ज की, जो छात्रों के एनएसयूआई नेतृत्व पर गहरे विश्वास को दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, पीजीजीसी सेक्टर-11 कॉलेज से देव चैनवाल ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और अपनी मेहनत तथा समर्पण से व्यापक सराहना पाई।

इस अवसर पर विजयी नेताओं ने पूर्व पीयूसीएससी अध्यक्ष जतिन सिंह विर्क, मोहाली यूथ कांग्रेस अध्यक्ष शुभ, चंडीगढ़ कांग्रेस महासचिव अजय शर्मा, यूथ कांग्रेस पंजाब महासचिव जसकीरत रत्तिया, रवी प्राशर, प्रिंस व एनएसयूआई चंडीगढ़ टीम के साथ मिलकर चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लकी से भेंट की।

उन्होंने उनका आशीर्वाद लिया और शहरभर में छात्र कल्याण पहलों को और मजबूत करने के संकल्प को दोहराया। एनएसयूआई चंडीगढ़ छात्रों को सशक्त बनाने, उनकी आवाज बुलंद करने और शैक्षणिक संस्थानों में समावेशिता व प्रगति की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्यरत है।

अपराजिता बाली अध्यक्ष निर्वाचित

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय में छात्र परिषद चुनाव बड़े उत्साह और लोकतांत्रिक उमंग के साथ संपन्न हुए। विद्यार्थियों ने अपने प्रतिनिधियों के चयन के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई। मतदान प्रक्रिया सुचारु, निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई, जो कॉलेज की नेतृत्व क्षमता व सहभागी शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कुल 759 विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर नई परिषद के गठन में योगदान दिया। बीए तृतीय वर्ष की अपराजिता बाली अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं, जबकि बीए तृतीय वर्ष की आरुषि बक्षी, बीए द्वितीय वर्ष की ओजस्विता कौर और बीए तृतीय वर्ष की अन्वी ठाकुर क्रमशः उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव चुनी गईं। नवनिर्वाचित सदस्यों ने विद्यार्थियों द्वारा जताए गए विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संस्थान के मूल्यों को बनाए रखने तथा कॉलेज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। विजेताओं को बधाई देते हुए कार्यवाहक प्राचार्या नीना शर्मा ने कहा कि एमसीएम में छात्र परिषद चुनाव लोकतंत्र और नेतृत्व का उत्सव है। उन्होंने कहा कि यह वार्षिक अभ्यास न केवल विद्यार्थियों की सहभागिता को सुदृढ़ करता है, बल्कि उन्हें भविष्य के जिम्मेदार नेताओं के रूप में तैयार करने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने परिषद से आह्वान किया कि वह कॉलेज के साथ मिलकर विद्यार्थियों में नेतृत्व, नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को विकसित करें।

मेयर व आयुक्त ने जलभराव वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

जनता की चिंताओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, नगर निगम की मेयर हरप्रीत कौर बबला और आयुक्त अमित कुमार, आईएएस ने शहर के विभिन्न जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण का उद्देश्य चल रहे मरम्मत और निकासी कार्यों का आकलन करना और लंबे समय से लंबित समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करना था। मेयर ने सबसे पहले सेक्टर 14/15 और 24/25 के बीच स्थित राउंडअबाउट का दौरा किया, जहां सीबीडी स्लैब मरम्मत कार्य प्रगति पर है। उनके साथ नगर निगम के विशेष आयुक्त प्रदीप कुमार, अधीक्षण अभियंता संजय अरोड़ा मौजूद रहे। स्थल पर मौजूद अभियंताओं ने उन्हें बताया कि स्लैब कास्टिंग का कार्य 20 दिन पहले ही पूरा हो चुका है और 7 दिन की क्योरिंग अवधि के बाद बैकफिलिंग का काम शुरू होगा। सुचारु यातायात व्यवस्था बहाल करने पर जोर देते हुए, मेयर ने निर्देश दिए कि कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। इसके बाद बबला सेक्टर 11/15 के बीच स्थित अंडरब्रिज पहुंचीं, जहां बारिश के दौरान अक्सर जलभराव हो जाता है। उन्होंने अभियंताओं को जल्द इस समस्या के समाधान के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि जलनिकासी के लिए पहले से ही उच्च क्षमता वाली मशीनरी तैनात की जा चुकी है।

छह सितंबर तक बंद रहेंगे स्कूल, कॉलेज

लगातार हो रही बारिश और इसके कारण चंडीगढ़ व आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न जलभराव की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि चंडीगढ़ के सभी सरकारी/निजी सहायता प्राप्त उच्च शिक्षा महाविद्यालय तथा सभी तकनीकी शिक्षा संस्थान दिनांक 6 सितंबर तक बंद रहेंगे। हालांकि, महाविद्यालयों के छात्रावास पूर्ववत् खुले रहेंगे। संबंधित प्राचार्य यह सुनिश्चित करेंगे कि छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों की सुरक्षा व स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाए तथा इस संबंध में सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएं।

पीपीपी मोड पर 7 शुगर मिलों में स्थापित होंगे प्लांट

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों में गन्ना पेराई के बाद बचने वाली खोई की गिट्टी बनाकर थर्मल पावर प्लांट को आपूर्ति करने के मकसद से 7 सहकारी चीनी मिलों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके लिए शुगर फेडरेशन जल्द ही विशेष कार्य योजना तैयार करेगा। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के निर्देश पर अब सहकारी चीनी मिलों में चीनी बैग्स पर ऑनलाइन मार्किंग सुनिश्चित की जाएगी। इससे हर बैग का अपना सीरीयल नंबर, बैच संख्या, चीनी उत्पादन व चीनी भराई की तिथि भी दर्ज होगी। इससे व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में शुगर फेडरेशन और इससे जुड़ी सहकारी चीनी मिलों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

हरियाणा को एमबीबीएस की 200 सीटों की मिली सौगात

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयास रंग लाए और उनके पत्र लिखने के मात्र 13 दिन में हरियाणा को एमबीबीएस की 200 सीटों की सौगात मिल गई, अब हरियाणा के जो प्रतिभावान विद्यार्थी नीट के एग्जाम में मेरिट में आए थे, उनका अपने प्रदेश में ही एडमिशन लेने का सपना साकार हो सकेगा। आरती सिंह राव ने भिवानी और कोरियावास (महेंद्रगढ़) मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100-100 सीटों पर एडमिशन की अनुमति देने पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने गत 19 अगस्त को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिख कर नवनिर्मित पंडित नेकीराम शर्मा गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज भिवानी तथा महर्षि च्यवन मैडिकल कॉलेज कोरियावास (महेंद्रगढ़) में एमबीबीएस में इसी शैक्षणिक सत्र में एडमिशन के लिए अनुमति देने का अनुरोध किया था। इस मामले में त्वरित संज्ञान लिया गया, जिसकी बदौलत इन दोनों कॉलेजों में 100-100 सीटों पर एडमिशन के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से अनुमति पत्र मिल गया है। आरती सिंह राव ने कहा कि अब इन दोनों कॉलेजों में जहां नीट के एग्जाम में मेरिट में आने वाले हरियाणा के युवाओं को अपने प्रदेश में ही अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने का सपना साकार होगा, वहीं इन कॉलेजों के शुरू होने से मेडिकल कॉलेज के अलावा आस-पास के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

त्रिग्या एडुवेंचर ने थ्राइव स्कॉलरशिप एग्जाम की घोषणा की

परीक्षा 30 अक्तूबर से 4 नवंबर तक कई केंद्रों पर और ऑनलाइन भी आयोजित की जाएगी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

त्रिग्या एडुवेंचर, आईआईटी-जेईई और एनईईटी (नीट) परीक्षा की तैयारी कराने वाली एक ऐसी संस्था है जो तेजी से उभर रही है। त्रिग्या एडुवेंचर ने अपनी प्रमुख स्कॉलरशिप एग्जाम थ्राइव-2025 के आयोजन की घोषणा की है।

थ्राइव का आयोजन 30 अक्तूबर से 4 नवंबर तक चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला और हिमाचल प्रदेश में किया जाएगा। यह परीक्षा ऑनलाइन भी दी जा सकती है। दलजीत सिंह, जो एक पूर्व आईआईटीयन हैं और त्रिग्या एडुवेंचर के सह-संस्थापक और मेंटर भी हैं, उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में थ्राइव को मिली प्रतिक्रिया से हम काफी खुश हैं। यह अब उत्तर भारत में अपने आईआईटी या मेडिकल के सपने को साकार करने के इच्छुक छात्रों के लिए सबसे

भरोसेमंद प्रवेश द्वारों में से एक बन गया है। कार्यक्रम के प्रमुख लाभों के बारे में बात करते हुए, दलजीत सिंह ने कहा कि छात्रों के लिए इसके लाभों में ट्यूशन फीस पर 100 फीसदी तक की स्कॉलरशिप, नकद पुरस्कार, साइंटफिक टुअर्स और उत्तर भारत स्तर पर मान्यता; योग्यता प्राप्त करने वाले जरूरतमंद छात्रों के लिए स्पेशल स्कॉलरशिप व आईआईटी-जेईई और नीट कोचिंग में दशकों के सिद्ध सफलता वाले मेंटरों का मार्गदर्शन शामिल है। शैलेश गुप्ता, जो भी एक पूर्व आईआईटीयन हैं और त्रिग्या के सह-संस्थापक और मेंटर भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान केवल अंकों पर नहीं, बल्कि प्रत्येक छात्र को व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन देने पर है।

बड़े कमर्शियल कोचिंग संस्थानों के विपरीत, हम छोटे बैचों में काम करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी छात्र पीछे न छूटे। गुप्ता ने कहा कि कक्षा आठवीं और बारहवीं के कई छात्र नकद पुरस्कारों के साथ-साथ ट्यूशन फीस पर 100 फीसदी स्कॉलरशिप के पात्र होंगे। टॉप स्कोर करने वाले छात्रों के अलावा, थ्राइव परीक्षा में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर ट्यूशन फीस पर आकर्षक स्कॉलरशिप्स भी मिलेंगी।

देश-विदेश

पंजाब में सतलुज-घग्गर उफान पर

कृषि मंत्री शिवराज और कांग्रेस नेता राहुल आज करेंगे दौरा

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश को आपदा प्रभावित घोषित करते हुए सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और स्कूल-कॉलेजों की छुट्टियां 7 सितंबर तक बढ़ा दी गई हैं। सतलुज, घग्गर और रावी नदी के उफान से कपूरथला, जालंधर और पटियाला समेत कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। जालंधर में सतलुज नदी के ओवरफ्लो से 30 गांवों में पानी घुस गया। वहीं, बरनाला जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। हादसा मोड़ नाभा गांव में हुआ। इस हादसे में मकान में सो रहे पति-पत्नी की मौत हो गई। घटना रात करीब 11 बजे की है। मकान में करनैल सिंह (60), उनकी पत्नी नरेंद्र कौर (55) और उनका 12 वर्षीय बेटा सो रहे थे। कई प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीण खुद बांध मजबूत करने और बचाव कार्यों में जुटे हैं, वहीं प्रशासन, सेना और एनडीआरएफ राहत और रेस्क्यू में लगे हुए हैं।

कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द और स्कूल-कॉलेज 7 सितंबर तक बंद

वहीं, पंजाब के लिए आप सांसद राघव चड्डा ने सांसद निधि से 3.25 करोड़ रुपए जारी किए हैं। उधर, बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की।

पंजाब के हालात का जायजा लेने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल 4 सितंबर को पंजाब दौरे पर आ रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली में यमुना का पानी खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान (205 मीटर) के ऊपर 207 मीटर पर बह रही है। नदी के पास बना लोहे का पुल बंद किया गया है। यमुना बाजार-तिब्बती बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट समेत निचले इलाकों में पानी भरा है। यहां से 10 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। वहीं, हरियाणा के अंबाला में बुधवार को टांगरी नदी फिर से ओवरफ्लो हो गई। नदी का पानी अंबाला की कॉलोनियों में 2-2 फुट तक पानी घुस चुका है। इनमें न्यू लक्की नगर, न्यू अमन नगर और प्रीत कॉलोनी शामिल हैं। न्यू गणेश नगर, न्यू प्रीत नगर, न्यू टैगोर गार्डन, परशुराम कॉलोनी, आजाद नगर, अर्जुन नगर, कमल नगर, स्कूल कॉलोनी, विकासपुरी, न्यू कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी में भी पानी भर गया है। (अनंत ज्ञान)

रूस ने यूक्रेन पर 500 ड्रोन व दो दर्जन मिसाइलें दागीं

एजेंसी, कीव

रूस ने मंगलवार देर रात यूक्रेन पर 500 से ज्यादा ड्रोन और करीब दो दर्जन मिसाइलें एक साथ दागीं। इस हमले का सबसे ज्यादा निशाना नागरिक ढांचा, खासतौर पर ऊर्जा संयंत्र बने हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब सर्दियों का मौसम नजदीक आ रहा है और तीन साल से जारी युद्ध ने यूक्रेन की बिजली और हीटिंग व्यवस्था को पहले ही बुरी तरह प्रभावित कर रखा है। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि हमले का केंद्र पश्चिमी और मध्य यूक्रेन रहा। इस दौरान कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वीडियो संदेश में बताया कि रूस की तरफ से ड्रोन हमलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब दिनदहाड़े भी हमले किए जा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

पुतिन पर कोई अंतरराष्ट्रीय अंकुश नहीं : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला रूस की दम दिखाने की कोशिश है। उन्होंने चेतावनी दी कि व्लादिमीर पुतिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह दिखाना चाहते हैं कि उन पर कोई अंकुश नहीं है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपनी निर्दयता और दंड से बचने की मानसिकता दिखा रहे हैं। रूस को यह आक्रामकता इसलिए जारी है, क्योंकि उसकी युद्ध अर्थव्यवस्था पर पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं है। उन पर किसी का अंकुश नहीं है।

दिल्ली में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन 6-7 को

एजेंसी, नई दिल्ली

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 28वां राष्ट्रीय अधिवेशन 6 और 7 सितंबर को अध्यात्म साधना केंद्र, छतरपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अधिवेशन में मारवाड़ी समुदाय के देश के चोटी के उद्योगपति एवं सामाजिक क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले लोग हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन दिल्ली के प्रसिद्ध उद्योगपति पवन कुमार गोयनका राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगे। गोयनका कोलकाता में आयोजित चुनावों में वर्ष 2025 से 2027 सत्र के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। अधिवेशन में 25 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की 400 शाखाओं से 600 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में मिल्ककोज के चेयरमैन डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल, बीकानेरवाला ग्रुप के डायरेक्टर संजय अग्रवाल, रूपा गारमेंट्स के प्रमोटर पद्मश्री प्रहलाद राय अग्रवाल, टीटी बनियान समूह के प्रमोटर रिखब चंद जैन, गंगा रियलिटी होम्स के प्रमोटर्स अशोक गर्ग एवं सतीश गर्ग, केएलजे ग्रुप के चेयरमैन केएल जैन, रुंगटा माइंस-रुंगटा स्टील ग्रुप के चेयरमैन नंदलाल रुंगटा, बोथरा फाउंडेशन के चेयरमैन शुभकरण बोथरा, जेकेजे ज्वेलर्स के प्रमोटर संजय मोसून, जीएन हॉस्टल के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश अग्रवाल, त्रिवेणी इम्पेक्स ग्रुप के चेयरमैन अरुण पंसारी सहित देश के चोटी के उद्योगपति हिस्सा लेंगे। अधिवेशन की पूर्व संध्या पर 5 सितंबर की शाम को प्रसिद्ध गायक संजय मित्तल, शुभम रूपम द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम होगा। (अनंत ज्ञान)

अमेरिकी टैरिफ अनुचित और अन्यायपूर्णः देवगौड़ा

एजेंसी, बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति और उनकी मल्टी-अलाइनमेंट रणनीति की खुलकर सराहना की है। अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए टैरिफ को अनुचित और अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि मोदी सरकार की दूरदृष्टि और सक्रिय कूटनीति से आने वाले समय में भारत को बड़े लाभ होंगे। एचडी देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा कि अमेरिका की यह टैरिफ पॉलिसी जल्द ही धर्म और न्याय के दबाव में बदलने को मजबूर होगी। क्योंकि भारत के पास दुनिया में सबसे अनोखा आर्थिक, जनसांख्यिकीय और लोकतांत्रिक संतुलन है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत अपने सभ्यता मूल्यों के साथ दुनिया में नई पहचान बनाएगा। (अनंत ज्ञान)

मराठा आंदोलनः आजाद मैदान से 125 टन कचरा निकला

एजेंसी, मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बुधवार को बताया कि 29 अगस्त से 2 सितंबर तक चले मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान आजाद मैदान और उसके आसपास के इलाकों से 125 मीट्रिक टन से ज्यादा कचरा निकला। 5 दिनों तक कुल 466 कर्मचारी सफाई में लगे हुए थे। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि 29 अगस्त को आंदोलन के पहले दिन मैदान से चार मीट्रिक टन कचरा निकला था। 30 अगस्त को 7 मीट्रिक टन, 31 अगस्त और 1 सितंबर को 30-30 टन कचरा जमा हुआ था। 2 सितंबर को सबसे ज्यादा 57 टन कचरा मिला। दूसरी तरफ, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से पूछा कि प्रदर्शनकारियों पर मुंबई में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप है। इसकी भरपाई कौन करेगा?

अरशद मदनी बोले- बेदखली अभियान दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी, गुवाहाटी। असम के गोलपाड़ा में हिमंता सरकार द्वारा चलाए जा रहे बेदखली अभियान के बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सात सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। अध्यक्ष अरशद मदनी ने कहा कि बेदखली अभियान सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित नियमों के अनुसार होने चाहिए। मदनी ने कहा कि असम सरकार को बेदखली के लिए व्यवस्था के भीतर काम करना चाहिए, न कि इसे नफरती ढंग से करना चाहिए। हालांकि, असम के सीएम सरमा ने मौलाना मदनी की टिप्पणी का खंडन किया और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सरमा ने कहा कि मदनी कौन है, क्या खुदा है। कांग्रेस है तभी मदनी की बहादुरी है। भाजपा के समय में मदनी की बहादुरी का कोई सबूत नहीं है। (अनंत ज्ञान)

पहली बार नॉर्थ कोरिया के बाहर दिखीं किम की बेटी

एजेंसी, बीजिंग। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन के साथ चीन की विक्ट्री परेड में उनकी बेटी किम जू ए भी पहुंचीं। यह पहला मौका था जब किम जू को देश के बाहर देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जू ए को किम जोंग का उत्तराधिकारी माना जाता है। जू 12 साल की हैं। वह 2022 से अपने पिता के साथ सैन्य परेड, हथियार परीक्षण और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होती रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग के तीन बच्चे हैं, जिनमें किम जू के अलावा एक बेटा है। उनकी एक और संतान है, जो लड़का है या लड़की, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। (अनंत ज्ञान)

पुतिन के सामने फिर इयरफोन नहीं लगा पाए शरीफ

एजेंसी, तियानजिन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच मुलाकात का वीडियो एक बार फिर से वायरल है। पुतिन से बात करते वक्त शरीफ अपना इयरफोन ठीक से नहीं लगा पाए। यह वाकया मंगलवार को बीजिंग में पुतिन से मुलाकात के दौरान हुआ। उन्होंने शरीफ को इयरफोन पहनने का तरीका समझाने की कोशिश की। इस दौरान वे मुस्कुराते भी नजर आए। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें शहबाज शरीफ के कानों से ट्रांसलेशन इयरफोन बार-बार फिसल रहा है, वह उनसे लग नहीं पा रहा। इसके बाद, पुतिन अपना हेडसेट उठाकर उन्हें पहनने का तरीका दिखाने की कोशिश करते हैं। (अनंत ज्ञान)

पवन खेड़ा की पत्नी के पास भी 2 वोटर आईडीः भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाजपा और चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच भाजपा ने बुधवार को दावा किया है कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ ही उनकी पत्नी के पास भी दो वोटर आईडी हैं।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा का नाम तेलंगाना की खैरताबाद और दिल्ली की नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में है। मालवीय ने कहा, 'यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि कांग्रेस नेताओं की वोट चोरी की रणनीति है। जो लोग आम नागरिकों पर वोट चोरी का इल्जाम लगाते हैं, वही खुद कई जगहों पर वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराते हैं।'

अमित मालवीय ने इससे पहले मंगलवार को पवन खेड़ा के भी दो वोटर कार्ड होने का दावा किया था और इसको लेकर डिटेल भी शेयर की थी। वहीं, दिल्ली के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने पवन खेड़ा को नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि दो जगह की वोटर लिस्ट में नाम दर्ज होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। (अनंत ज्ञान)

विक्ट्री-डे विक्ट्री-डे परेड में माओ जैसी ड्रेस में पहुंचे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, कहा-

चीन किसी की धमकियों से डरने वाला नहीं

एजेंसी, बीजिंग

दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने पर चीन में बुधवार को विक्ट्री-डे परेड का आयोजन किया गया। चीन इके राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राजधानी बीजिंग के थियानमेन चौक पर परेड की सलामी ली। जिनपिंग के भाषण के बाद सैन्य परेड निकाली गई। जिनपिंग ने कहा कि चीन किसी की धमकियों से नहीं डरता और हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने लोगों से इतिहास याद रखने और जापान के खिलाफ लड़ने वाले सैनिकों को सम्मान देने की अपील की। (अनंत ज्ञान)

चीन की ये मिसाइलें देंगी अमेरिका को चुनौती

चीन की विजय दिवस परेड में पहली बार वाईजे-15, वाईजे-17, वाईजे-19, और वाईजे-20 हाइपरसोनिक मिसाइलों को पेश किया गया। ये मिसाइलें चीन की नौसेना ताकत को बढ़ाने वाली उन्नत हथियार प्रणालियां हैं, जिन्हें विशेष रूप से जहाजों पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये मिसाइलें ताइवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना और उसके सहयोगियों के लिए चुनौती के रूप में काम करेंगी।

ये हथियार दिखाए

परेड में 100+ हथियार, 45+ सैन्य टुकड़ियां और 100+ विमान देखे गए। इनमें से कई हथियार पहली बार दुनिया के सामने आए। इन हथियारों की खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर स्वदेशी हैं। इसमें अंतरिक्ष में हमला करने वाली मिसाइल, बिना पायलट के उड़ने वाला फाइटर जेट, पानी के अंदर चलने वाला ड्रोन समेत कई आधुनिक इक्यूपमेंट शामिल हैं। शी जिनपिंग ने अपने भाषण में कहा कि ये हथियार और विमान चीन की सैन्य ताकत और बेहतर टेक्नोलॉजी को दिखाते हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

भांबरी पहली बार ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में, माया जूनियर वर्ग से बाहर

एजेंसी, न्यूयॉर्क। युकी भांबरी अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जिन्होंने माइकल वीनस के साथ अमेरिकी ओपन पुरुष युगल के अंतिम आठ में जगह बनाई। भारत के भांबरी और न्यूजीलैंड के वीनस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने जर्मनी के केविन क्रावीत्ज और टिम पुएत्ज की जोड़ी को एक घंटे 23 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-4 से हराया। अब उनका सामना क्रोएशिया के निकोला मेकटिच और अमेरिका के राजीव राम से होगा। चोटों से प्रभावित अपने एकल कैरियर में 33 वर्ष के युकी कभी पहले दौर से आगे नहीं जा सके थे। युगल में वह इस साल फ्रेंच ओपन और विम्बलडन के तीसरे दौर तक पहुंचे। इस बीच प्रतिभाशाली माया राजेश्वरन रेवती जूनियर वर्ग के दूसरे दौर में ब्रिटेन की दूसरी वरीयता प्राप्त हन्नाह क्लगमैन से 6-7, 6-4, 3-6 से हारकर बाहर हो गईं। वह युगल वर्ग में भी अपनी जोड़ीदार लाइमा सिनाली के साथ चौथी वरीयता प्राप्त लूना व्लाडसन और जेलाइन वेंड्रोम के हाथों 2-6, 2-6 से हारकर बाहर हो गईं। हितेश चौहान और कृष त्यागी भी लड़कों के युगल वर्ग के दूसरे दौर में हार गए। (अनंत ज्ञान)

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाज कड़ी चुनौती का करेंगे सामना

एजेंसी, लिवरपूल। भारतीय मुक्केबाज वीरवार से यहां शुरू हो रही विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पिछली बार के प्रदर्शन में सुधार या उसकी बराबरी करने के उद्देश्य से रिंग पर उतरेंगे, लेकिन उनकी राह आसान नहीं होगी, क्योंकि उन्हें दुनिया के शीर्ष स्तर के मुक्केबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। पहली बार इस प्रतियोगिता का आयोजन विश्व मुक्केबाजी की नई शासी संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के तत्वावधान में किया जाएगा और इसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग के मुकाबले एक साथ होंगे। भारतीय मुक्केबाज इस वर्ष के शुरू में विश्व मुक्केबाजी कप से अच्छा प्रदर्शन करके लौटे हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप का स्तर काफी ऊंचा होता है, जिसमें 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इनमें पेरिस ओलंपिक के 17 पदक विजेता भी शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

सुम्मी कालीरमन पर डोपिंग अपराध के लिए दो साल का प्रतिबंध

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की 2021 विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप में चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले कांस्य विजेता टीम की सदस्य सुम्मी कालीरमन को 2024 में किए गए उनके डोपिंग अपराध के लिए नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने 22 वर्षीय सुम्मी को पिछले वर्ष तब अस्थायी तोर पर निलंबित किया था जब उनका प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमीफीन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया था। नाडा के नवीनतम अपडेट के अनुसार उन पर प्रतिबंध की अवधि पिछले वर्ष 14 अक्तूबर से शुरू हो गई है। उन्होंने भुवनेश्वर में 2024 फेडरेशन कप में रजत पदक जीता था और उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 53.18 सेकंड है। नाडा के एडीडीपी द्वारा प्रतिबंधित किए गए ट्रैक एवं फील्ड के अन्य खिलाड़ियों में लंबी दूरी के धावक श्रीराग एएस और रेशमा दत्ता केवटे हैं, जिन पर क्रमशः पांच और चार वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। (अनंत ज्ञान)

सानिया की खूबसूरती की दुनिया दीवानी

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा टेनिस से संन्यास के बाद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हैं। उनकी खूबसूरत तस्वीरों को लोग खूब पसंद करते हैं। सानिया के इंस्टाग्राम पर 13.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

बेंगलुरु भगदड़ आरसीबी के इतिहास का सबसे दुखद दिन

पहली बार बोले विराट कोहली, ट्रैजडी में बदल गया खुशी का मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

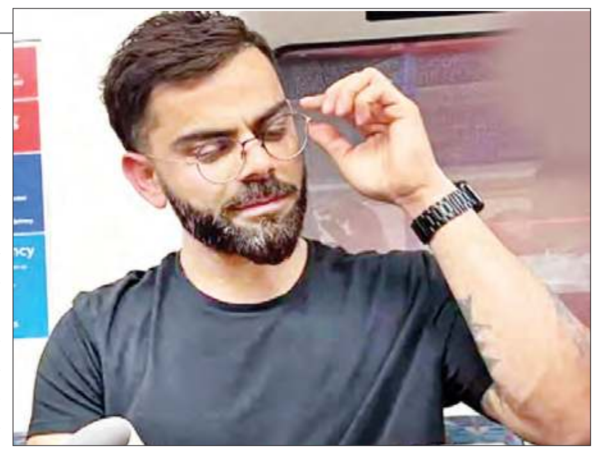

भारतीय क्रिकेट टीम और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली ने 4 जून को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर विक्ट्री परेड के दौरान हुई भगदड़ को अपनी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे दुखद दिन बताया।

इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई प्रशंसक घायल हुए थे। यह घटना उस समय हुई, जब आरसीबी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने का जश्न मना रही थी। आरसीबी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कोहली के हवाले से कहा गया कि जीवन में कुछ भी आपको 4 जून जैसे दिल तोड़ने वाले पल के लिए तैयार नहीं करता। यह हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, लेकिन यह एक त्रासदी में बदल गया।

कोहली ने आगे कहा कि मैं उन परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया और उन प्रशंसकों के लिए जो घायल हुए। उनकी हानि अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम एक साथ सावधानी, सम्मान और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे। (अनंत ज्ञान)

क्या हुआ था 4 जून को?

4 जून को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की पहली आईपीएल जीत का जश्न मनाने के लिए लगभग 2.5 लाख प्रशंसक जमा हुए थे। आरसीबी ने सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों को जश्न में शामिल होने का न्योता दिया था, जिसके बाद भारी भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण भीड़ बेकाबू हो गई। कर्नाटक सरकार ने आरसीबी को जिम्मेदार ठहराया था 17 जुलाई को कर्नाटक सरकार की जांच रिपोर्ट में आरसीबी को हादसे का जिम्मेदार ठहराया गया था। इसमें विराट कोहली का भी जिक्र था। रिपोर्ट में कहा था कि आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए परमिशन नहीं ली थी। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा था कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती थी।

मरने वालों में सारे 35 साल से कम, तीन टीनएजर

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले सभी लोग 35 साल से कम उम्र के थे। सबसे छोटी पीड़िता 13 साल की दिव्यांशी थी। मरने वालों में तीन टीनएजर और छह युवा थे, जिनकी उम्र 20 से 30 साल के बीच थी। ये सभी लोग अपने दोस्तों के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने आए थे। कुछ लोग बेंगलुरु से थे, तो कुछ दूसरे जिलों से आए थे, लेकिन भारी भीड़ और अव्यवस्था के कारण जश्न एक दुखद हादसे में बदल गया। हादसे में 11 लोगों की मौत हुई और 33 घायल हुए। आरसीबी पीड़ित परिवार को 25-25 लाख देने का ऐलान किया है आईपीएल फ्रेंचाइजी आरसीबी ने 4 जून की विक्ट्री परेड में जान गंवाने वाले सभी 11 लोगों के परिवार को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। साथ ही भगदड़ में जान गंवाने वाले फैंस की याद में मेमोरियल बनाएगी। जहां आरसीबी के सबसे जुनूनी फैंस के नाम, उनकी कहानियां और उनसे जुड़ी चीजों को संजोकर रखा जाएगा।

भारत को झटका

डिफेंडर झिंगन चोट के कारण काफा नेशंस कप से बाहर

एजेंसी, हिसोर (ताजिकिस्तान)

भारत के स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ईरान से 0-3 से मिली हार के दौरान लगी चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया।

ईरान छह अंक लेकर शीर्ष पर है। भारत की आगे बढ़ने की उम्मीदें अफगानिस्तान के खिलाफ मैच पर टिकी हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने एक्स पर लिखा,''डिफेंडर संदेश झिंगन को ईरान के खिलाफ भारत के काफा नेशंस कप 2025 मैच के दौरान चोट लगी थी। वह आज भारत लौट जाएंगे।'' (अनंत ज्ञान)

धोनी की तरह 'कैप्टन कूल' बनना चाहती हैं पाक कप्तान फातिमा सना

एजेंसी, नई दिल्ली

मात्र 23 वर्ष की उम्र में आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप में पाकिस्तान की कप्तानी करने जा रही फातिमा सना भारत के विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं और उन्हीं की तरह 'कैप्टन कूल' बनने की ख्वाहिश भी रखती हैं। अप्रैल में हुए क्वालीफायर्स में अपराजेय रहने वाली पाकिस्तानी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले वनडे विश्व कप में अपने अभियान का आगाज दो अक्तूबर को कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ करेगी।

बोलीं-विश्व कप में कप्तानी करने पर थोड़ा नर्वस होना लाजिमी

फातिमा ने लाहौर में एक इंटरव्यू में कहा,''विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने पर शुरू में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है, लेकिन मैं बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हूं।'' उन्होंने कहा,''मैंने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैंने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है। उनके इंटरव्यू भी देखे तो काफी कुछ सीखने को मिला।''

बचपन से आस्ट्रेलियाई धुरंधर एलिसा पैरी की मुरीद यह हरफनमौला उनके और विराट कोहली के कारण आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच भी देखती आई हैं। उन्होंने कहा,''रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु मेरी पसंदीदा टीम है विराट और एलिसा पैरी की वजह से। आरसीबी के आईपीएल सफर से काफी कुछ सीखने को मिला खासकर विराट का मैदान पर रवैया और फिटनेस काबिले तारीफ है।'' कराची में 11 वर्ष की उम्र में अपने भाइयों के साथ स्ट्रीट क्रिकेट खेलकर शुरुआत करने वाली फातिमा ने कभी सोचा भी नहीं था कि वह एक दिन विश्व कप में कप्तानी करेंगी। (अनंत ज्ञान)

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल

श्रेयस, जायसवाल और ठाकुर पर रहेगी निगाह

एजेंसी, बेंगलुरु

श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे। अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया, लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे।

जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है, लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

दूसरी ओर शार्दुल ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं। यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। (अनंत ज्ञान)

अल्काराज, जोकोविच की सेमीफाइनल में होगी टक्कर

जिरि लेहेका को हराकर अमेरिकी ओपन पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी, न्यूयॉर्क

स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने जिरि लेहेका को 6-4, 6-2, 6-4 से हराकर अमेरिकी ओपन पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच से होगा। दो साल पहले यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद से अल्काराज हार्डकोर्ट पर पहली बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

अल्काराज अमेरिकी ओपन जीतते हैं तो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर होंगे काबिज

जोकोविच ने उन्हें आस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में हराया था। अगर अल्काराज अमेरिकी ओपन खिताब जीतते हैं तो एटीपी रैंकिंग में यानिक सिनेर को पछाड़कर शीर्ष पर काबिज हो जाएंगे। जोकोविच ने टूर्नामेंट में आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को क्वार्टर फाइनल में हराया और जीतने के बाद फ्रिट्ज की हौसलाअफजाई कर रहे प्रशंसकों की ओर चुंबनों की बौछार कर दी। जोकोविच ने 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। पिछले साल के उपविजेता फ्रिट्ज के खिलाफ जोकोविच का जीत का रिकॉर्ड 11-0 का है। जोकोविच रिकॉर्ड 53वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, जिसमें से फ्लशिंग मीडोज पर 14वीं बार उन्होंने अंतिम चार में जगह बनाई। जोकोविच ने कहा,''आखिर में तो जीत मायने रखती है। मुझे गर्व है कि मैंने जुझारूपन दिखाया। मैं काफी जुनून के साथ खेलता हूं और मुझे खेल का मजा आ रहा है।'' (अनंत ज्ञान)

जेसिका पेगुला भी जीतीं, सेमीफाइनल में बनाई जगह

महिला वर्ग में जेसिका पेगुला ने बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-3 से हराकर अपने कैरियर के दूसरे ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। वह पिछले साल यहां फाइनल में एरिना सबालेंका से हार गई थी। इस बार सबालेंका से उनका सामना सेमीफाइनल में होगा क्योंकि मार्केटा वोंड्रूसोवा ने चोट के कारण सबालेंका को वॉकओवर दे दिया। आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में, फ्रेंच ओपन के तीसरे और विम्बलडन के पहले दौर से बाहर होने वाली पेगुला बिना कोई सेट गंवाए अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सेरेना विलियम्स (2011 से 2014) के बाद पहली महिला खिलाड़ी हैं। अन्य मुकाबलों में दो साल बाद ग्रैंडस्लैम में लौटी अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स और लैला फर्नांडिज की जोड़ी महिला युगल क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा से 1-6, 2-6 से हारकर बाहर हो गईं।

टेस्ट क्रिकेट में किसी भी समय नई गेंद लेने की हो अनुमति : कुक

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने सुझाव दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में टीमों को 160 ओवर के भीतर किसी भी समय नई गेंद लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, जबकि मौजूदा नियम के अनुसार 80 ओवर के बाद ही नई गेंद लेनी होती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 2018 में संन्यास लेने वाले कुक ने कहा कि इस बदलाव से खेल के सबसे बड़ा प्रारूप अधिक रोमांचक और रणनीतिक हो जाएगा।

नियम के अनुसार 80 ओवर के बाद ही लेनी होती है नई गेंद

उन्होंने 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट के दौरान कहा, ''मैं टेस्ट क्रिकेट में एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा। आप 160 ओवरों में जब चाहें नई गेंद ले सकते हैं। आपको उन 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें मिली हैं और आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवर के बाद नई गेंद ले सकते हैं।'' इंग्लैंड के एक अन्य पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसी पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट में भी अन्य खेलों की तरह किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी उतारने का प्रावधान होना चाहिए।

उन्होंने हाल में समाप्त हुई भारत-इंग्लैंड सीरीज का उदाहरण दिया, जिसमें ऋषभ पंत ने पांव में फ्रेक्चर होने के बावजूद बल्लेबाजी की, जबकि उनकी जगह फील्डिंग करने के लिए उतरे ध्रुव जुरेल ने केवल विकेटकीपिंग की।

वॉन ने कहा, ''मान लीजिए कि मैच की पहली पारी में ऋषभ पंत के हाथ में चोट लग जाती है। वह बल्लेबाजी तो कर सकते हैं, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सकते। मौजूदा नियमों के अनुसार भारत ध्रुव जुरेल जैसे किसी अन्य विकेटकीपर को तब तक नहीं उतार सकता, जब तक कि वह कन्कशन (सिर में चोट लगने पर बेहोशी की स्थिति) का मामला न हो।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास कन्कशन के लिए सब्स्टीट्यूट का प्रावधान है तो फिर चोट लगने पर सब्स्टीट्यूट उतारने का प्रावधान क्यों नहीं है। अन्य खेलों में ऐसा होता है। इससे खेल की आपसी प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है।'' (अनंत ज्ञान)

भारत में अल्पकालिक भूमिका के लिए तैयार हैं अनुभवी डच कोच ओल्टमेंस

एजेंसी, राजगीर

नीदरलैंड के महान कोच और भारतीय पुरुष टीम के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक रोलेंट ओल्टमेंस भारत में फिर से काम करने को तैयार हैं, लेकिन पूर्णकालिक जिम्मेदारी नहीं निभाना चाहते।

भारतीय पुरुष टीम के साथ पांच साल तक हाई परफार्मेंस निदेशक और मुख्य कोच रह चुके 71 वर्ष के ओल्टमेंस को लगातार खराब प्रदर्शन के बाद 2017 में हटाया गया था। उन्होंने तब कहा था कि भारत में काम करना आसान नहीं है, खासकर खेलों में। यहां एशिया कप में चीन की टीम के साथ आए

ओल्टमेंस ने कहा कि वह पूर्णकालिक भूमिका नहीं चाहते, लेकिन किसी भी राष्ट्रीय टीम के साथ सलाहकार के तौर पर अल्पकालिक भूमिका के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा,''पूर्णकालिक कोच को लंबे दौरों पर जाना होता है और लंबे अनुबंध भी होते हैं। मैं अब वह नहीं चाहता। मेरा फोकस अल्पकालिक अनुबंधों पर है।''

यह पूछने पर कि क्या वह भारत में फिर काम करना चाहेंगे, उन्होंने कहा,''कौन जानता है, कुछ कह नहीं सकते।'' भारत से जाने के बाद ओल्टमेंस मलेशिया और पाकिस्तान के साथ भी काम कर चुके हैं। ओल्टमेंस ने एशिया कप में भारत को प्रबल दावेदार बताया है, लेकिन भारतीय हॉकी के बारे में ज्यादा बोलने से इनकार किया। उन्होंने कहा,''भारत एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। इसके अलावा मैं भारत के बारे में ज्यादा नहीं बोलना चाहता।'' (अनंत ज्ञान)

ट्राई सीरीज — पाक की एशिया कप से पहले हुई बुरी हालत, जादरान-अटल की 113 रन की साझेदारी

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हराया

एजेंसी, शारजाह

शारजाह में खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रनों से हराकर अपनी पिछली हार का बदला ले लिया। यूएई ट्राई-नेशन सीरीज 2025 के चौथे मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 170 रनों का लक्ष्य दिया था। जवाब में पाकिस्तान 20 ओवरों में 151 तक ही पहुंच पाई। सलमान अली आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम की ये इस टूर्नामेंट की पहली हार है, जिसके बाद वह अंक तालिका में नीचे लुढ़क गई।

170 रनों का पीछा करते हुए पाकिस्तान के दोनों ओपनर्स पॉवरप्ले में ही पवेलियन लौट गए। साहिबजादा फरहान 18 रन बनाकर आउट हुए तो सईम अयूब खाता भी नहीं खोल सके, दोनों को

अंक तालिका में लुढ़की पाकिस्तान क्रिकेट टीम

फजलहक फारूक ने अपना शिकार बनाया। फखर जमन को मोहम्मद नबी ने आउट किया, उन्होंने 18 गेंदों में 25 रन बनाए। कप्तान सलमान अली आगा 20 रन बनाकर रन आउट हुए।

अंत में हारिस रउफ ने थोड़ा संघर्ष किया, लेकिन वो जीत के लिए काफी नहीं था, उन्होंने 16 गेंदों में 4 छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए. अफगानिस्तान 18 रनों से मुकाबला जीत गई और अंक तालिका में टॉप पर आ गई।

यूएई ट्राई-सीरीज 2025 में पाकिस्तान की ये पहली हार है, अब वह 3 टीमों की अंक तालिका में पहले से दूसरे स्थान पर खिसक गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों ने ही 3-3 मैच खेले हैं, जिसमें से 2-2 हारे हैं. दोनों टीमों के 4-4 अंक है, लेकिन नेट रन रेट के आधार पर अफगानिस्तान आगे हैं। अफगानिस्तान का नेट रन रेट 1.400 है, पाकिस्तान का नेट रन रेट 0.325 है।

तीसरे नंबर पर यूएई है, जिसने अपने दोनों मैच हारे हैं। अब अगर उसे खिताबी मुकाबला खेलना है तो अगले दोनों मैचों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान को हराना है, हालांकि ऐसा बहुत मुश्किल है। यूएई का पाकिस्तान के साथ मैच गुरुवार और अफगानिस्तान के साथ शुक्रवार को है। इसके बाद अंक तालिका की टॉप 2 टीमों के बीच 7 सितंबर को फाइनल होगा। (अनंत ज्ञान)

इब्राहिम जादरान को मिला सर्वश्रेष्ठ प्लेयर का अवार्ड

शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। रहमानुल्लाह गुरबाज के रूप में अफगानिस्तान को पहला झटका दूसरे ही ओवर में लगा जब टीम का स्कोर 10 रन था। इसके बाद सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान ने शतकीय साझेदारी की। अटल ने 45 गेंदों में 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से 64 रन बनाए। इब्राहिम जादरान ने 45 गेंदों में 144.44 की स्ट्राइक रेट से 65 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने एक छक्का और 8 चौके जड़े। जादरान को मैच का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया।